धनबाद
सोमवार 09.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-285 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-8
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

डीजीपी अनुराग गुप्ता जोगता थाना क्षेत्र में चल रहे अवैध कोयला खनन को बंद कराएं:बीरेन्द्र पासवान

सिजुआ 10 नम्बर में चल रहे खान और राजा के अवैध माइंस पर छापामारी क्यों नहीं कर रही है स्पेशल टास्क फोर्स

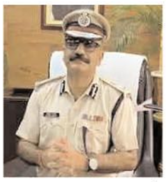

धनबाद (कासं) : झारखण्ड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और डीआईजी बोकारो सुरेन्द्र झा को बिहार ऑबजर्वर अखबार में छपी सिजुआ १० नं. में चल रहे अवैध खनन के रिपोर्ट को सोशल मीडिया के एक्स साईट पर ट्वीट करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता बीरेन्द्र पासवान ने डीजीपी और डीआईजी से अविलंब चल रहे अवैध कोल माइंस को बंद कराने की मांग करते हुए कहा है कि जोगता थाना क्षेत्र में यह अवैध खनन धड़ल्ले से चलाया जा रहा है।

वहीं स्थानीय नागरिकों ने कोयला मंत्री और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखित शिकायत करते हुए कहा है कि खान और राजा एवं उसके सहयोगियों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध कोल माइंस जोगता थाना के मिलीभगत से चलाया जा रहा है। खबर छपने के बाद भी पुलिस प्रशासन और खनन विभाग का टास्क फोर्स ने कोई कार्रवाई नहीं की है। आज भी धड़ल्ले से अवैध माइनिंग में सैकड़ों मजदूरों को भेजकर हजारों टन कोयला कटवा कर बोरों में बंद कर भंडारण पास के ही क्षेत्र में किया गया है।

करोड़ों का पासिंग एक डीएसपी को देकर धड़ल्ले से चल रहा है कोयला लूट का साम्राज्य

सिजुआ क्षेत्र के सीआईएसएफ के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी है कि बीसीसीएल के सिजुआ १० नम्बर बंद कोयला खान से अवैध उत्खनन किया जा रहा है। चर्चा है कि खान धनबाद के एक डीएसपी साहब का खास बताकर पार्सिंग लेने की बात खुलेआम कह रहा है और डंके की चोट पर यह कहता है कि डीसी, डीएसपी, खनन विभाग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। करोड़ों रुपया खर्च कर पार्सिंग लिया है। जब तक ५० करोड़ का कोयला लूट नहीं लेते तब तक अवैध कोयला खनन करते रहेंगे।

एक पुलिस अधिकारी का रिश्तेदार बताकर भी ये धौंस जमाते हैं। स्थानीय मीडियावालों को मंथली बांध कर सेटिंग कर लिया है जिसके कारण कुछ मीडिया वाले सच जानते हुए भी कोयला लूट की खबर अपने अखबारो और चैनलों में नहीं दिखाते जबकि बिहार ऑबर्जवर में खबर छपने के बाद नेशनल न्यूज चैनल कशिश न्यूज ने भी कोयला तस्करी सिजुआ १० नम्बर में होने और अवैध खनन खबर को प्रसारित किया है।

वहीं कहीं पोर्टल न्यूज चैनलों ने भी इस खबर को प्रमुखता से दिखाया है। जनता जिला प्रशासन से सवाल कर रही है कि कहां गया टास्क फोर्स की कार्रवाई। अब तक सिजुआ १० नम्बर में चल रहे अवैध माइंस पर छापामारी क्यों नहीं की गई।

बोर्ड निगम व आयोग के लिए लॉबिंग तेज, कई नेता लगाये हुए हैं टकटकी

रांची (एजेंसी): हेमंत मंत्रिमंडल के गठन होने के बाद से ही बोर्ड-निगम व आयोग के लिए लॉबिंग शुरू हो गयी है. कई हेवीवेट नेता बोर्ड-निगम में अध्यक्ष की कुर्सी के लिए जोरदार आजमाइश कर रहे हैं. खास कर जेएसएमडीसी के अध्यक्ष के लिए. जरेडा और टीवीएनएल पर भी कई हेवीवेट नेताओं की नजर है. फिलहाल राज्य में कई ऐसे बोर्ड निगम व आयोग हैं, जो प्रभार में चल रहे हैं. जेएसएमडीसी (झारखंड स्टेट मिनरल डेवेलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड), टीवीएनएल (तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड) के अलावा झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी), झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएफडीसीएल), झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी), झारखंड राज्य ऊर्जा विकास निगम (जेएसईडीसी) प्रभार में चल रहा है.

चार साल से लोकायुक्त की नियुक्त नहीं

चार साल से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी झारखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पायी है. जान लें कि राज्य सरकार लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति करती है.

चार साल से सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं

वहीं करीब चार साल से सूचना आयोग में आयुक्तों के पद खाली हैं. सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल ८ मई २०२० को पूरा हो गया था. उसके बाद से ही राज्य सूचना आयोग निष्क्रिय है. यहां एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान है. सभी छह पद मई २०२० से ही खाली पड़े हैं. करीब चार साल बाद एक बार फिर सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की ▶▶ 8

पाकिस्तानी नागरिक के प्रत्यर्पण पर रोक, सुप्रीम कोर्ट पहुंची कर्नाटक पुलिस

बेंगलुरु (ईएमएस): २०१२ में हुए आतंकवाद के मामले में ३ लोगों को बरी करने के कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। इसमें एक आरोपी पकिस्तान से है। पाकिस्तानी नागरिक को बरी करने के बाद निर्वासित करने का आदेश दिया गया था। बता दें की आरोपियों की पहचान सैयद अब्दुल रहमान, ३६, अफ्सर पाशा, ४३, और पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद फहद उर्फ मोहम्मद कोया, ४२ के रूप में हुई है। इन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। बेंगलुरु पुलिस ने २०१२ में फहाद, अफ्सर पाशा और सैयद अब्दुल रहमान के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया था। तब बेंगलुरु पुलिस ने आरोप लगाया था कि चोरी के आरोप में जेल में बंद रहमान को फहाद और पाशा ने आतंकवाद के लिए उकसाया था। बेंगलुरू पुलिस ने फहाद और पाशा पर आतंकवाद का आरोप लगाया था क्योंकि इन दोनों ने जेल में रहमान को आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रेरित किया था।

त्रिपुरा में बांग्लादेशी नागरिकों को होटल और रेस्तरां सेवाएं देने से इनकार करने का फैसला

अगरतला (ईएमएस): बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचारों के बीच, ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन (एथ्रोआ) ने बांग्लादेशी नागरिकों को होटल और रेस्तरां सेवाएं देने से इनकार करने का फैसला किया है। ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन के कार्यालय सचिव भास्कर चक्रवर्ती ने एक बयान में कहा, २ दिसंबर को हमने अपने सभी सदस्यों की उपस्थिति में निर्णय लिया कि २ दिसंबर से बांग्लादेशी नागरिकों के लिए कोई भी होटल उपलब्ध नहीं होगा। यह निर्णय ▶▶ 8

कई मायनों में अलग होगा विशेष सत्र, सदन में न नेता प्रतिपक्ष होंगे और न कांग्रेस विधायक दल का नेता

रांची (एजेंसी): इस बार विधानसभा का विशेष सत्र कई मायनों में अलग होगा. इस सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष नहीं दिखेंगे. अब तक भाजपा में नेता प्रतिपक्ष को लेकर संशय बरकरार है. वहीं दूसरी तरफ सत्तारूढ़ दल में शामिल कांग्रेस के विधायक दल का नेता का चुनाव अब तक नहीं हो पाया है. दूसरी खास बात यह भी रहेगी कि इस बार मनोनीत सदस्य सदन में नहीं दिखेंगे. राज्य गठन के बाद पहली बार सदन में एंग्लो इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व समाप्त कर दिया गया है. पिछली बार मनोनीत सदस्य के रूप में ग्लेन जोसेफ गालस्टीन एंग्लो इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे. अब सदन में सिर्फ चुने हुए विधायक ही अपनी जनता की समस्याओं को रखेंगे.

कई दलों के एक-एक सदस्य ही जनता की आवाज करेंगे बुलंद

इस विधानसभा में एक अलग सा नजारा दिखेगा. कई राजनीतिक दलों के एक-एक सदस्य ही जनता की आवाज बुलंद करते आएंगे. जदयू, लोजपा, आजसू, जेएलकेएम के एक-एक विधायक ही इस बार चुनाव जीत कर आए हैं. जदयू से सरयू राय, लोजपा (आर) से जनार्दन पासवान, आजसू से निर्मल महतो और जेएलकेएम से जयराम महतो इस बार विधायक बने हैं. वहीं इस विधानसभा में एक भी निर्दलीय विधायक नहीं दिखेगा.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, चार आईपीएस, 12 डीएसपी समेत 2000 जवान रहेंगे तैनात

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा का सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है, जो १२ दिसंबर तक चलेगा. इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की चूक ना हो, इसको लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. सुरक्षा व्यवस्था में चार आईपीएस, १२ से अधिक डीएसपी रैंक के अधिकारी समेत २००० अतिरिक्त पुलिस जवान तैनाती रहेंगे. ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर ट्रैफिक पोस्ट पर भी अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जायेगी. ताकि आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े. बता दें कि सत्र को लेकर विधानसभा परिसर की २०० मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा (धारा १६३) लागू कर दी गयी है.

राहुल नार्वेकर बन सकते हैं महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष, आज होगा चुनाव

मुंबई (ईएमएस): बीजेपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने रविवार को सीएम देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की मौजूदगी में विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव सोमवार को होगा। वहीं, नामांकन की प्रक्रिया रविवार को हो चुकी है। विधानसभा में महायुति के संख्या बल को देखते हुए माना जा रहा है कि इस बार निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुना जाएगा।

राहुल नार्वेकर ने कहा कि मुझे पार्टी की तरफ से जो जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मैं उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की तरफ से विधानसभा अध्यक्ष के पद को लेकर जो भी फैसले लिए जाएंगे, वह मुझे स्वीकार होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताते हुए कई मौके दिए और इस बार भी मुझे जो जिम्मेदारी सौपी जाएगी मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं उसके मुताबिक काम करूंगा।

बता दें कि राहुल नार्वेकर महाराष्ट्र की कोलाबा सीट से विधायक चुने गए हैं। उन्होंने शनिवार को विधानसभा में पद की शपथ ली थी। महायुति की ढाई साल की सरकार में भी वह विधानसभा स्पीकर चुने गए थे। ▶▶ 8

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला बंद हो, गैर मुस्लिम के साथ गलत व्यवहार बड़ा अन्याय : मौलाना मदनी

नई दिल्ली (एजेंसी): बांग्लादेश में हिंदू कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं. बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ हिंसा की घटनाएं आम हैं और मंदिरों को भी निशाना बनाया जा रहा है. बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर जमीयत उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महमूद असद मदनी ने बड़ा बयान दिया है. बिहार के मुस्लिम बहुल किशनगंज में जमीयत द्वारा आयोजित सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे मदनी ने पत्रकारों से बात करते हुए बांग्लादेश की घटनाओं की निंदा की और कहा कि हिंदुओं पर हमला बंद होना चाहिए.

मदनी ने पत्रकारों से कहा कि कोई मुसलमान अगर गैर मुस्लिम के साथ गलत व्यवहार करे तो यह बहुत बड़ा अन्याय है. उन्होंने कहा कि यह इस्लाम का विरोध है, इस्लाम ऐसा नहीं सिखाता.

साथ ही मदनी ने आगे कहा कि वो बांग्लादेश ही नहीं सभी मुल्कों से यह अपील करेंगे कि अपने यहां रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करे और उनका सम्मान करे. वहीं उन्होंने कहा कि राजनैतिक लाभ के लिए देश के सौहार्द को बिगाड़ने की हर मुमकिन कोशिश की जा रही है जो कि नहीं होनी चाहिए.

सोमवार को बांग्लादेश का दौरा करेंगे विदेश सचिव

गौरतलब है कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी सोमवार को बांग्लादेश का एक दिवसीय दौरा करेंगे. इस दौरान वह हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर भारत की चिंताओं को ढाका के समक्ष उठाएंगे. अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को अपदस्थ करने के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्चस्तरीय दौरा है. माना जा रहा है कि भारतीय विदेश सचिव ढाका की अपनी लगभग १२ घंटे की यात्रा के दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात कर सकते हैं.

भारत अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए जल्द ही एक बृहद ड्रोन रोधी इकाई बनाएगा : अमित शाह

जोधपुर (ईएमएस): सीमा सुरक्षा बल के ६०वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए जल्द ही एक बृहद् ड्रोन रोधी इकाई बनाएगा क्योंकि आने वाले दिनों में इस तरह का ''खतरा गंभीर होने वाला है। भारत-पाकिस्तान सीमा से लगभग ३०० किलोमीटर दूर प्रशिक्षण शिविर में जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि ''लेजर से लैस ड्रोन रोधी गन-माउंटेड के शुरुआती नतीजे प्रभावशाली रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन को निष्क्रिय करने और उनका पता लगाने की क्षमता तीन प्रतिशत से ५५ प्रतिशत तक बढ़ी है। शाह ने कहा, ''आने वाले दिनों में ड्रोन का खतरा और भी गंभीर होने वाला है।।। हम इससे निपटने के लिए पूरे भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए रक्षा तथा अनुसंधान संगठनों और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''हम आने वाले समय में देश के लिए एक बृहद् ड्रोन रोधी इकाई बनाने जा रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान से सटी भारत की सीमा पर इस वर्ष २६० से अधिक ड्रोन गिराए गए या बरामद किए गए हैं, जबकि २०२३ में यह आंकड़ा ११० ड्रोन का था। हथियार तथा मादक पदार्थ तस्करी के लिए इस्तेमाल किए गए ड्रोन सबसे अधिक पंजाब और कुछ राजस्थान तथा जम्मू में मार गिए या बरामद गए।

सीरिया में सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित, दमिश्क में भारतीय दूतावास काम कर रहा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सीरिया संकट के दौरान सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और दमिश्क में भारतीय दूतावास काम कर रहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय ने कहा कि दूतावास भारतीय नागरिकों के संपर्क में है।

उधर, ईरान ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ईरान के कट्टर सहयोगी बशर अल-असद के पतन के बावजूद सीरिया के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध जारी रहेंगे। बता दें कि इस गृहयुद्ध की शुरुआत २०११ में हुई थी, उस दौरान हुई हिंसा में लाखों लोग मारे गए थे, जिसके बाद दुनियाभर में इसे लेकर चिंता जताई गई थी। यह युद्ध बशर अल-असद की सरकार के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन अब इसमें कई अलग-अलग समूह शामिल हो गए हैं, जिनमें विद्रोही समूह, आतंकवादी संगठन और अन्य देशों की सेनाएं शामिल हैं।

भारतीय सेना ने बनाई ऐसी गन, अब दुश्मन पर फायरिंग करने के लिए टैंक से नहीं आना होगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय सेना ने एक ऐसी एंटी क्राफ्ट गन बनाई है, जिसकी मदद से टैंक से बाहर निकले बिना दुश्मनों पर फायरिंग की जा सकती है. ये एक रिमोट से फायर करने वाली एंटी क्राफ्ट गन है. जो कि टैंक के ऊपर लगती है. टैंक के ऊपर होने की वजह से दुश्मन पर फायर करने के लिए किसी को टैंक से बाहर आने की जरूरत नहीं होती है. दरअसल फायरिंग करने के लिए टैंक के ऊपर बाहर आना पड़ता है. ऐसे में खुद की जान को भी खतरा होता है.

मेजर मोहम्मद नावेद ने इसकी खासियत बताते हुए कहा कि एंटी क्राफ्ट गन लड़ाई के मैदान में बड़ी कारगर साबित होगी. ये पूरी तरह से स्वेदशी सिस्टम है. फिलहाल टी ७२ टैंक में इसको लगाया गया है. ये १२.७ एमएम की गन है. इसकी रेंज करीब १८०० मीटर है और इसका निशाना एकदम सटीक है. इसके अलावा भारतीय सेना मोबाइल रिएक्टिव माइंस सिस्टम ▶▶ 8

एकड़ा के अवैध खदान में रिपोर्टरों को माल भी नहीं मिला, उल्टे खाये मार

पुलिस और सीआईएसएफ पर हमला करने वाले अपराधी कोयला चोर अब रिपोर्टरों को बना रहे हैं निशाना

धनबाद (कासं) : लोयाबाद थाना क्षेत्र के एकड़ा महतो बस्ती के पीछे लोयाबाद ५ नं. बंद खदान में फिर बड़े पैमाने पर स्थानीय नेता के इशारे पर कोयले का अवैध माइंस चालू कर दिया गया है।

जिसमें सैकड़ों मजदूरों के अलावा दर्जनों अपराधियों को भी सुरक्षा के लिए रखा गया है कि कोई भी सीआईएसएफ, पुलिस या पत्रकार आये तो उसके साथ मारपीट हंगामा कर वापस भेजने के लिए उन्हें लाखों रुपये अपराधियों को दिए जा रहे हैं। इस अवैध खनन से २५ ट्रक कोयला का रेजिंग होता है और उसे फर्जी पेपर लगाकर कोल मंडी में भेजा जाता है।

चर्चा है कि रिंकु के नाम पर पार्सिंग नेताजी ने लिया है। आज की घटना है कि एकड़ा बस्ती के पीछे लोयाबाद ५ नम्बर में चले रहे अवैध माइंस की खबर पर लोयाबाद के दो रिपोर्टर अवैध खनन स्थल पर जाकर मोबाईल से वीडियो बनाने लगे और दूसरा रिपोर्टर खुर्शीदी जब फोटो खींचने लगा इसी बीच अवैध खनन चलाने वाले कोयला माफिया नेता के गुंडों ने दोनों रिपोर्टरों को एक अखबार वाला और एक पोर्टल बाला को कैमरा और मोबाईल छीना और दे दनादन लत्तमक जूतम कर पिटाई कर दी। अपराधियों को मनसा था कि दोनों को मारकर लाश को खदान में दबा दिया जाय जहां कोई जाता नहीं।

इस बीच कुछ और रिपोर्टरों को पता चला तो वे लोग नेताजी को पकड़े। नेताजी ने उन दोनों को कहा इधर मत आईए दुबारा हम नहीं बचाएंगे। घटना की चर्चा पूरे क्षेत्र में है लेकिन मार खाय रिपोर्टर, मार खाने की खबर छुपा रहे हैं। हाल तो यह हुआ कि माल तो नहीं मिला उल्टे मार खाये।

जीटी रोड के सुभाष चौक कट पुनः बंद

गोविंदपुर (ससे) : उच्चस्तरीय प्रशासनिक टीम के आदेश से शनिवार आधी रात को जीटी रोड सुभाष चौक कट को फिर से बंद कर दिया गया। फकीरडीह दुर्घटना में मुस्कान परवीन की मौत के बाद सड़क जाम कर रहे लोगों की मांग पर गत २८ नवंबर की रात ठाकुरबाड़ी कट को बंद कर इसे खोला गया था। सामाजिक संस्था नागरिक समिति ने वर्ष २०२० में इस कट को बंद कराया था। इसके खुलते ही जीटी रोड भयंकर जाम की चपेट में आ गया था।

महाजाम से गोविंदपुर लगातार ६ दिनों तक कराहता रहा। उस पर नियंत्रित के लिए न तो ट्रैफिक पुलिस सामने आई और न ही स्थानीय पुलिस दिन भर लगे जाम से पूरा गोविंदपुर बाजार अस्तब्यस्त हो गया था। भारी होहंगामा के बाद सुभाष चौक पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई। उसके बाद ही जाम पर नियंत्रण पाया जा सका। जीटी रोड का जाम जिला एवं पुलिस प्रशासन, दोनों के लिए सर दर्द बन गया था। इसके स्थाई निदान के लिए शनिवार को अपर जिला दंडाधिकारी (विधिब्यवस्था) पीयूष सिन्हा के नेतृत्व में जिला प्रशासन की एक टीम ने सुभाष चौक, ऊपर बाजार चौक एवं साहिबगंज मोड़ फकीरडीह का स्थल निरीक्षण किया था।

शनिवार शाम और रविवार सुबह गोविंदपुर जीटी रोड के दोनों ओर सर्विस लेन को सोमवार शाम तक खाली करने का माइक प्रचार कराया गया। प्रचार में कहा गया है कि यदि लेन खाली नहीं कराया गया तो सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसमें २००० जुर्माना व ६ माह कारावास भी होगा। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने एनएचएआई के पीडी मनीष कुमार को २० दिसंबर तक गोविंदपुर बाजार इलाके में दोनों और सर्विस लेन का काम हर हाल में पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया है। डीसी ने गोविंदपुर थाना के आगे से वर्षों से खड़ी जब्त गाड़ियों को दो दिनों में हटाने का आदेश दिया है। सर्विस लेन का अतिक्रमण एवं थाना के आगे गाड़ियां लगी रहने के कारण नाली निर्माण और चौड़ीकरण का काम नहीं हो पा रहा था। इधर अंचलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि सोमवार शाम तक अतिक्रमण हटाने की मोहलत दी गई है। यदि अतिक्रमण नहीं हटा तो मंगलवार को जेसीबी लगाकर अतिक्रमण हटा दिया जाएगा। उन्होंने फुटपाथ दुकानदारों एवं ठेला वालों से माडा मैदान में प्रवेश करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि माडा मैदान में अनेक लोगों ने बड़ीबड़ी दुकान सजा ली है। सभी को ५५ फीट की दुकान दी जाएगी तथा शेष दुकानों को माडा मैदान में प्रवेश कराया जाएगा।

सीओ ने कहा वह सोमवार को माडा मैदान का निरीक्षण करेंगे। पूरे माडा मैदान की सफाई करा दी जाएगी और दुकानदारों का प्रवेश कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैदान के बाहर एक भी दुकान नहीं लगेगी सारी दुकान मैदान के अंदर लगेगी। सीओ ने कहा कि २० दिसंबर तक सर्विस लेन का निर्माण पूर्ण हो जाने से लोगों को सुविधा होगी। मुख्य पथ से हटकर सर्विस लेन में लोग विपरीत दिशा में भी चलेंगे तो किसी को खतरा नहीं होगा। दुर्घटना का अंदेशा नहीं रहेगा। श्री दुबे ने अपील की है कि लोगों के जान माल की सुरक्षा तथा सार्वजनिक हित जीटी रोड निर्माण कार्य में गोविंदपुर के लोग सहयोग करें बाद में एलिवेटेड रोड निर्माण हो जाने से यहां की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा।

गोविंदपुर बाजार इलाके में जीटी रोड की नाली निर्माण में भारी गड़बड़ी की गई है। नाली बीचोबीच बना दी गई है। नाली इस कदर बनी है कि लोगों को अपना घर और दुकान में प्रवेश के लिए प्लेटफार्म बनाना पड़ रहा है। इससे जीटी रोड का सर्विस लेन और संकीर्ण हुआ है तथा नाली के बाद की जमीन को अपनी जमीन समझ कर उसे अपने कब्जे में कर रहे हैं। नालिया बेकार साबित हो रही है। स्थिति तो यह है कि नाली में बारिश का पानी नहीं घुस रहा है । पानी सड़क पर बह रहा है और ऊंची ऊंची नालियां जीटी रोड के अतिक्रमण का एक कारण बन गई है । फोरलेन के दौरान बनी नाली आज भी उपयोगी है परंतु हाल में बनी नालियां बेकार साबित हो रही है। इसके लिए नागरिकों ने मुख्य सतर्कता अधिकारी को लिखा था तो गोविंदपुर में करीब ५० फीट नाली में सुधार लाया गया था। इसके बाद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

जिप सदस्य सोहराब अंसारी व मुखिया झूमा मुखर्जी ने कहा है कि सुभाष चौक को बंद तो कर दिया गया परंतु स्कूली विद्यार्थी, महिलाएं और वरीय नागरिक जीटी रोड के इस पार से उस पार कैंसे होंगे, इसका ध्यान किसी ने नहीं रखा। आखिर लोग सड़क के उत्तर से दक्षिण और दक्षिण से उत्तर कैंसे और कहां से पार करेंगे, इसकी कोई योजना नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा कि प्रशासन और एनएचएआई को इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। यदि एलिवेटेड रोड में विलंब है तो तत्काल गोविंदपुर बाजार में एक फुट ओवर ब्रिज अस्थाई तौर पर बनाया ही जाना चाहिए।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

गोविंदपुर (कासं) : गोविंदपुर प्रखंड सभागार में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से मिस अर्पिता नारायण सिविल जज एवं मिस मुस्कान चोपड़ा अधिवक्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम को सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित करके प्रारंभ किया गया।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच सरकार द्वारा चलाई जार ही विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं मुफ्त कानूनी सहयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण एवं स्वीकृति पत्र दिया गया। जेएसएलपीएस के महिलाओं को १६ लाख का प्रतीकात्मक चेक का वितरण किया गया। साथ ही पशुपालन विभाग द्वारा बकरा विकास योजना के तहत ९० अनुदान पर चार लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र, मनरेगा के १० लाभुक के बीच मनरेगा का जॉब कार्ड, सर्वजन पेंशन के १० लाभुक के बीच पेंशन स्वीकृति पत्र, अबुआ आवास के पांच लाभुक के बीच स्वीकृति पत्र एवं दो दिव्यांग लाभुक के बीच ट्राई साइकिल का वितरण किया गया उक्त कार्यक्रम में प्रमुख निर्मला सिंह पूर्व प्रमुख डी एन सिंह सहायक अभियंता अरुण कुमार सिंह प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी श्रीनिवास मेहता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विनोद कुमार पांडे प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी जितेंद्र कुमार प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी मोहम्मद जसीम अख्तर कनीय अभियंता पप्पू कुमार मंडल प्रकाश कुमार प्रकाश प्रधान सहायक अब्दुल मजीद मधुबनी के पैक्स अध्यक्ष अयुब अंसारी रतनपुर के पूर्व मुखिया मिहिर मंडल प्रखंड समन्वयक रुपेश कुमार चौधरी महिला पर्यवेक्षीका मीनू कुमारी, कल्पना कुमारी, उत्तम मंडल अजित कमार दास एवं प्रखंड के दूर दराज आये सैकड़ों लाभुक उपस्थित होकर विधिक जागरूकता शिविर का लाभ लिए।

निःशुल्क हृदय जांच शिविर आयोजित

जोड़ापोखर (ससे) : जगन्नाथ गुप्ता इंस्टीच्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस और सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क हृदय जाँच शिविर का अयोजन न्यू एंजेल होम स्कूल में स्व. शब्बीर सर की याद में किया गया। सबसे पहले स्कूल के निदेशक मोहम्मद परवेज अख्तर और प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम ने डॉक्टरों की टीम को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते हुए कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कोलकाता के मशहूर कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर जयदीप दास गुप्ता और आर्थोपेडिक डॉक्टर पंकज मजूमदार ने १५० लोगों का चेकअप की। लगभग ९० प्रतिशत मरीजों का ईसीजी भी किया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जोयदीप दास गुप्ता ने बताया कि हृदय रोग का कारण तनाव और खानपान है। इन बातों का ध्यान रखकर हृदय की गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। हृदय रोग गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में जाने जाते हैं। जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। विशेषज्ञों ने बताया कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण ये दिक्कत काफी बढ़ गई है। जिसके चलते कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहें हैं।

सना हेल्थ के संस्थापक सादिक अली ने कहा की सम्पूर्ण भारत में जगन्नाथ गुप्ता इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क हृदय जांच और परामर्श शिविर लगाया जा रहा है जिससे हार्ट अटैक जैसी बीमारी में कमी आ सके। न्यू एंजेल होम स्कूल के प्राचार्य अफताब आलम ने कहा कि इस भाग दौड़ वाली जीवन में अपने सेहत को छोड़ कर हम सब कुछ पर ध्यान देते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि सबसे पहले अपने सेहत का ख्याल रखें। क्योंकि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और हृदय रोग जैसी बीमारी का इलाज काफी महंगा होता है। निशुल्क शिविर लगा कर गरीब एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों का इलाज होना लोगों के लिए बहुत बड़ी रहत है। जाँच होने से काफी संख्या में हृदय रोग का पता चल पाया है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के नोडल ऑफिसर मोहम्मद सगीर अख्तर और सना हेल्थ प्वाइंट के मोहम्मद सादिक अली और पॉलीक्लिनिक के डॉक्टर मुस्ताक आलम के टीम की अहम भूमिका रही।

शिक्षकों को मिला प्रशस्ति पत्र

निरसा (ससे) : लोकसभा आम निर्वाचन एवं विधानसभा निर्वाचन के परिपेक्ष में निर्वाचन कार्य निष्ठा पूर्वक किए जाने के आलोक में रविवार को मध्य विद्यालय ग्यारकुण्ड निरसा तीन के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार झा, शिक्षक अरुण कुमार सिंह, राजीव रंजन मिश्रा, कन्हैया सिंह, पुरुषोत्तम कुमार सिंह को एगारकुण्ड प्रखंड स्थित सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्य संपादन के तत्वावधान में सिविल न्यायाधीश धनबाद सत्यभामा कुमारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी निरसा विधानसभा क्षेत्र सहप्रखंड विकास पदाधिकारी ग्यारकुण्ड मधु कुमारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र सम्मान स्वरूप दिया गया। ज्ञात हो कि कोरोना महामारी के दौरान अच्छे कार्य किए जाने के परिपेक्ष में शिक्षक श्री झा को गणतंत्र दिवस २०२२ के पावन अवसर पर उत्कृष्ट कार्य पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से करने के लिए जिला प्रशासन धनबाद की ओर से तत्कालीन उपायुक्त संदीप कुमार के द्वारा ससम्मान प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था। समारोह को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी हथियार कुंड मधु कुमारी ने कहा कि शिक्षक श्री झा के द्वारा निर्वाचन में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रशस्ति पत्र दी गई है। इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्यो में श्री झा का अपनी नियमित जिम्मेदारियां से आगे बढ़कर चुनौती पूर्ण परियोजना पूरी किया।

उन्होंने कहा कि अनुकूलनशीलता और लचीलापन ढंग से शालीनता पूर्वक कार्यों का इनके द्वारा निर्वाहन किया गया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा लगातार समर्पण विश्वासनीयता और मजबूत कार्य नैतिकता का प्रदर्शन करते पाए गए। इस अवसर पर आंचल अधिकारी ग्यारकुण्ड कृष्ण कुमार मरांडी, उप प्रमुख विनोद दास, मुखिया काकुली मुखर्जी, विमल रवानी, छत्रपति शाही किसकू, रेणु कुमारी, प्रकाश चंद्र, सूरज कुमार, ममता कुमारी, सती सावित्री बाउरी, अधिवक्ता कृष्णकांत सिंह, नीरज गोयल, विदान मंडल आदि उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान राशि का हर महिला का अधिकार : राजेश

धनबाद (कासं) : झामुमो महानगर समिति की ओर से रविवार को दहुआटांड़ स्थित किड्स पैराडाइज पब्लिक स्कूल में मंईयां सम्मान योजना का सहायता कैंप लगाया गया। कैंप समिति के संयुक्त सचिव सह समाजसेवी राजेश तुरी के नेतृत्व में लगाया गया। इसमें करीबन दो सौ लोग शामिल हुए और मंईयां सम्मान योजना की राशि प्राप्त करने के लिए फार्म भरें। संयुक्त सचिव राजेश तुरी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए कई महिलाएं वंचित रह गई थी। इसलिए सभी को लाभ दिलाने के लिए कैंप लगाया गया। जिस प्रकार राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व कैबिनेट के मंत्री बनते ही राज्य में प्रत्येक जनता की सेवा करने के लिए तात्पर्य है। इस प्रकार झामुमो के सिपाही के तौर पर वार्ड नंबर २९ और ३० की जनता के लिए कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप को सफल बनाने में वार्ड ३० के सचिव विनोद रजक, मीडिया प्रभारी ओम प्रजापति, जगदीश महतो, निमाई रजक, पवन रजक, कुंदन रजक, अनिल कुशवाहा, सनोज कुमार, बबलू दास आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रागिनी सिंह प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में शामिल

धनबाद/रांची : झरिया विधायक रागिनी सिंह रविवार को रांची के स्वणरिखा बैंक्वेट हॉल में संगठन महापर्व सदस्यता अभियान २०२४ का प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में सम्मिलित हुई। कार्यशाला में प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश सदस्यता प्रभारी डी पुरंदेश्वरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नगेंद्र त्रिपाठी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश कार्यकारी

अध्यक्ष रविन्द्र राय, सदस्यता अभियान के संयोजक राकेश प्रसाद सहित विधायक भी उपस्थित रहे।

इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ईस्ट कैंपस में साक्षात्कार

बलियापुर (ससे) : बलियापुर इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ईस्ट कैम्पस सांवला-पुर में रविवार को गुजरात अहमदाबाद की मदरसन ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी व वाई टेक प्राइवेट लिमिटेड ने कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया। इस दौरान ३०० छात्रछात्राओं का साक्षात्कार लिया गया।

अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

झरिया (ससे) : झरिया थाना अंतर्गत ४ नंबर टेंपू स्टेंड स्थित रविवार की सुबह एक अज्ञात ६५ वर्षीय वृद्ध व्यक्ति मृत अवस्था में पाया गया। शव की पहचान नहीं हो पाई है। वही टेंपू चालकों व स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के पहले कभी भी इस व्यक्ति को चौक चौराहे पर घूमते हुए नहीं देखा गया है। स्थानीय लोगों की माने तो लोगों का कहना है कि यह व्यक्ति प्रथम दृष्टि में लग रहा है की भीख मांग कर गुजर बसर करने वाला व्यक्ति है। जो कहीं से घूमते फिरते हुए इस मोड़ पर आ पहुंचा होगा और देर रात्रि होने के कारण खुले में सोया होगा जिसके कारण ठंड लगने से मौत हो गई। वही लोगों ने प्रशासनिक विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा है कि ठंड को देखते हुए विभाग को हर चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए थी जो नहीं किया गया है। यही कारण है कि भीख मांग कर गुजर बसर करने वाले लोगों को ठंड का प्रकोप झेलना पड़ रहा है। इधर घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने झरिया पुलिस को दे दिया है।

तोपचांची अंचल में हल्का कर्मचारी की नियुक्ति की मांग

धनबाद (कासं) : तोपचांची आंचल अंतर्गत आने वाले १११ राजस्व गांव का भूराजस्व समस्याओं का निष्पादन एवं जाति, आय तथा आवासीय प्रमाण पत्र ससमय निर्गत होने में देरी होने से रैयत और जरूरतमंद विद्यार्थी इन दिनों काफी मायूस है। मायूस इसलिए हैं कि भूराजस्व संबंधी दाखिल खारिज, ऑनलाइन प्लूटो की एंट्री एवं ऑनलाइन रसीद निर्गत हेतु ऑप्शन और जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र के लिए अंचल कार्यालय का चक्कर लगातेलगाते रैयतों एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों का समय निकल जाता है और उनके विभिन्न सरकारी विभागों में जरूरी प्रमाणपत्र जमा नहीं हो पता है, जिससे जरूरतमंद सरकारी लाभ से वंचित हो रहे हैं। बताते हैं कि तोपचाँची अंचल के १११ राजस्व गांव के दस हल्का के लिए एकमात्र हल्का कर्मचारी जगदीश बैठा कार्यरत हैं। जबकि दस हल्का के लिए दस हल्का कर्मचारी कार्यरत रहनी चाहिए। तोपचाँची क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता सह युवा नेता सदानंद महतो एवं शंकर रवानी ने जनहित में दस हल्का के लिए अलगअलग दस हल्का कर्मचारी नियुक्त करने की मांग संबंधित पदाधिकारी से की है, ताकि अंचल कार्यालय तोपचांची से भूमिसजस्व समस्याओं का निदान और जाति आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र निर्गत समय पर हो सके।

विधिक सशक्तिकरण शिविर में 7.9 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण

धनबाद (कासं) : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर एक दिवसीय विधिक सशक्तिकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन रविवार को जिले के सभी प्रखंडों में किया गया। निरसा प्रखंड कार्यालय में आयोजित मेगा एंपावरमेंट कैंप में लोगों को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश संतोषणी मुर्मू ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतिहित प्रहरी के रूप में कार्य करती है।

सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सुगमता से पहुंचाई जा सके। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने कहा कि दूरसुदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे आम जनता

त्वरित न्याय कैसे प्राप्त करें। इस पर लोगों को जागरूक करने के लिए डालसा इस तरह के जागरुकता कार्यक्रम करता आ रहा है। ताकि जिले के सुदूर इलाकों में रह रहे ग्रामीण जनता तक सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रक्रिया को पहुंचाया जा सके। इस बाबत जानकारी देते हुए प्रभारी डालसा सचिव निताशा बारला ने बताया कि विभिन्न ब्लॉकों में आयोजित विधिक सशक्तिकरण शिविर में ९६ हजार २ सौ ६७ लाभुकों के बीच ७ करोड़ ९ लाख २६ हजार ४ सौ ५८ रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

उन्होंने कहा कि दूर सूदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे आम जनता तक न्याय सुलभ एवं त्वरित पहुंचे एवं साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनमानस तक पहुंच सके इसी कड़ी में धनबाद, निरसा ,गोविंदपुर, कलियासोल, एगारकुंड, बाघमारा, बलियापुर, टुंडी, पूर्वी टुंडी, तोपचाची ब्लॉकों मे न्यायिक पदाधिकारी क्रमशः अनामिका कच्छप, संतोषणी मुर्मू , अर्पिता नारायण ,मेघा प्रियंका लकड़ा, सत्यभामा कुमारी, अपेक्षा, हेमंत कुमार सिंह, सुरेश उरांव, विवेक राज एवं एलईडीसीएस, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक सुमन पाठक, नीरज गोयल, मुस्कान चोपड़ा, स्वाति कुमारी, शैलेंद्र झा, करुणा सिंह, सोनिया कुमारी, पारा लीगल वालंटियर हेमराज चौहान, मानिक दुबे, पंकज कुमार वर्मा, निमाई प्रमाणिक, अब्दुल कलाम, चंदन कुमार, सहदेव महतो, दिनेश महतो, मोहम्मद आजाद, प्रदीप चक्रवर्ती, उत्तम मंडल, चंदन कुमार, अनामिका सिंह, गीता कुमारी, काजल कुमारी, नवीन कुमार, जिला परिषद दीपाली रोहिदास, प्रखंड प्रमुख आशा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्र लाल ओहदार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

पीएन सिंह ने संसदीय कार्यालय का किया उद्घाटन

धनबाद (कासं) : जगजीवन नगर धनबाद में संसदीय कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पूर्व सांसद पीएन सिंह एवं वर्तमान सांसद ढुलू महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद, कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद ढुलू महतो ने कहा कि मेरी प्राथमिक सोच हमेशा से यह रही है कि धनबाद के प्रत्येक वर्ग के लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान मिले। आज धनबाद संसदीय कार्यालय का शुभारंभ इसी उद्देश्य को लेकर किया गया है। ताकि हमारे सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर जनता की सेवा कर सकें।

सांसद ढुलू महतो ने यह भी कहा कि इस कार्यालय में मेरे सभी सक्रिय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। जो सेवा भाव और समर्पण के साथ अपनेअपने क्षेत्रों में कार्य करेंगे। उन्होंने भाजपा संगठन को और भी मजबूत करने के प्रति अपने संकल्प को व्यक्त किया और कहा कि संगठन की ताकत से ही हम जनता के बीच अपने कार्यों का प्रचारप्रसार कर सकते हैं।

अपने संबोधन में पूर्व सांसद पीएन सिंह ने कहा, यह कार्यालय सिर्फ एक भवन नहीं है, बल्कि यह भाजपा के विचारों और हमारी मेहनत का प्रतीक है। आज का दिन हमारे लिए एक नया उत्साह लेकर आया है। श्री ढुलू महतो ने हमेशा जनता के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है और इस कार्यालय के उद्घाटन से पार्टी संगठन को और भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा, भा.ज.पा. का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं है, बल्कि हमारे विचारों और सेवा भाव से समाज की हर जरूरत को पूरा करना है। हमें अपने कार्यकर्ताओं को और भी संजीदगी से एकजुट करके भाजपा के संदेश को जनजन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर बाघमारा के नव निर्वाचित विधायक शत्रुघ्न महतो ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी भाजपा के कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर सम्मानपूर्वक पार्टी की विचारधारा के लिए कार्य करना होगा। साथ ही, हम सब मिलकर धनबाद को तेज़ी से विकास की दिशा में आगे ले जाने का काम करेंगे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय झा तथा धन्यवाद ज्ञापन नितिन भट्ट ने किया। उद्घाटन के शुभ अवसर पर पूजा पर मिल्टन पार्थ सारथी बैठे। पूजा पंडित गुणानंद झा ने कराया।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रकाश लाटा, सिंदरी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी तारा देवी, चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष डब्लू बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, अखिलेश सिंह, संजीव अग्रवाल, विष्णु त्रिपाठी, वीरेंद्र हंसदा, प्रदीप देवरलिया, रितेश शर्मा, विजय अग्रवाल, राजीव तुलस्यान, राजेश गुप्ता, सोमनाथ त्रिपाठी, रवि सिन्हा, अनिल सिन्हा, योगेंद्र यादव, प्रियंका देवी; रीता प्रसाद, मनीष साव, नित्यानंद मंडल, धरनीधर मंडल, देवाशीष पाल, मुकेश यादव, बलदेव साव, दीपा दास, संजय सिंह, कविता बरनवाल, किरण सिंह, आशीष मुखर्जी, दिनेश मंडल, मनोज मिश्रा, अनिल सिंहा, समीर साहू, बबलू फरीदी,रामजीत भुईंयां, राजाराम दत्त, उमेश सिंह, किशोर मंडल, जगबंधु मंडल, सनी रवानी, संजय कुशवाहा, गोविंद रावत, मनोज सिंह, सूरज पासवान, प्रभात सिंहा, मनोज सिन्हा, अजय कांत सिन्हा, आला पाल, संजय मुखर्जी, अशोक सिंह, चंद्रशेखर मुन्ना, रामदेव महतो, अरविंद पाठक, शैलेश सिंह समेत भाजपा के कई गणमान्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।, जिन्होंने कार्यालय उद्घाटन समारोह को सफल बनाने में योगदान दिया। उल्लेखनीय है कि इस कार्यालय के उद्घाटन से भाजपा संगठन को अपनी ताकत को और मजबूत करने में मदद मिलेगी और धनबाद क्षेत्र में पार्टी की उपस्थिति को और अधिक सशक्त किया जाएगा। पूर्व सांसद पीएन सिंह एवं वर्तमान सांसद ढुलू महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर संसदीय कार्यालय का उद्घाटन किया।

चार अनाथ बच्चों की जिंदगी संवारने में जुटा डालसा

धनबाद (कासं) : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के निर्देश पर गठित लीगल सर्विस यूनिट फार चिल्ड्रेन टीम ने राजगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले चार बच्चों का रेस्क्यू कर उन्हें नया जीवन दिया है।

जिला बाल संरक्षण ईकाई के सहयोग से चुंगी राजगंज के रहने वाले चार अनाथ बच्चों को राज्य सरकार के स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिया गया है। जिसके तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में दाखिला करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बताया कि टीम को सूचना मिली कि राजगंज थाना क्षेत्र के चुंगी गांव में चार बच्चे ऐसे हैं, जिनकी मां की मृत्यु पांच माह पहले कैंसर से हो गई थी। कुछ दिन उनके पिता की भी मौत हो गई। इसके बाद से सभी बच्चे गांव में इधरउधर घूम रहे हैं। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) सचिव को टीम गठित करने का निर्देश दिया।

सचिव ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश पीयूष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित किया और डीसीपीओ साधना कुमारी, एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक राजेश सिंह, पीएलवी दीपक कुमार, दिनेश कुमार, काजल कुमारी, ऋचा प्रसाद ने राजगंज जाकर चारों बच्चों का रेस्क्यू किया। बच्चों को बाल संरक्षण इकाई के द्वारा पढ़ने के लिए स्कूल बैग किट, डालसा के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा कंबल व भोजन की व्यवस्था की गई।

इस मौके पर ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर चारों बच्चों को जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा सरकार के स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ा गया और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया शुरू की गई। इस मामले में डीसीपीओ साधना कुमारी ने बताया कि बहुत जल्द ही चारों बच्चों को कस्तूरबा गांधी विद्यालय में दाखिला करा दिया जाएगा। फिलहाल बच्चों को उनकी बुआ के पास रखा गया है ताकि उसकी देखभाल सही ढंग से हो सके।

पूरे जिले में चलेगा साधना अभियान : गुरुदेव

धनबाद (कासं) : रविवार को अखिल भारतीय धनबाद जिला गायत्री परिवार की एक अति आवश्यक कार्यकर्ता सम्मेलन गायत्री शक्तिपीठ बस्ताकोला में प्रातः १०:३० बजे संपन्न हुई, जिसमें सभी क्षेत्र के सक्रिय भाइयों एवं बहनों ने भाग लिया। गोष्ठी में वर्ष २०२४ की समीक्षा एवं आने वाला वर्ष २०२५ के लिए कार्य योजनाओं का निर्धारण किया गया। इस निर्धारण के अनुरूप सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पूरे जिले में साधना अभियान चलाया जाएगा और प्रत्येक प्रखंड में नशा उन्मूलन रैली का आयोजन किया जाएगा। गुरुदेव के द्वारा रचित पत्रिका अखंड ज्योति एवं युग निर्माण योजना में पाठकों की सदस्यता की संख्या को दुगनी करने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज से ही जरूरतमंद भाईयों बहनों के बीच कंबल वितरण का शुभारंभ किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण (कर्मकांड, प्रवचन संगीत) जनवरी माह से शुरू किया जाएगा।

गंगा जल देव स्थापना पूरे जिले में घरघर स्थापित करने की योजना बनाई गई। पांच जगह पर २४ कुंडीय यज्ञ का आयोजन कर जन सामान्य तक गुरुदेव को विचारों को पहुंचाने का संकल्प लिया गया। आज समाज में जो अव्यवस्थाएं फैलती जा रही है उसमें सुधार के लिए समाज के बुद्धिजीवी वर्गों से विशेष आवाहन किया गया है। सहयोग करने के लिए विशेष जन संपर्क करने का निर्णय लिया गया।

जिला संयोजक विभूति शरण सिंह, प्रसेन सिंह (जोन समन्वयक), कमला कांत मंडल (उपजोन प्रभारी), डॉ विनीत राय, कुमार भृगु, आरती शर्मा, भूपेंद्र शर्मा (अधिवक्ता), नरेश भट्ट, विमल चन्द्र कुमार, अरविंद कुमार गौतम, सुरेंद्र प्रसाद, बिनोदू, नमिता विश्वकर्मा, लता परिसार, मीरा सिंह, सभी शक्तिपीठों के ट्रस्टीगण सभी प्रखंडों के प्रभारीगण महिला प्रकोष्ठ युवा प्रकोष्ठ की सक्रिय एवं ऊर्जावान बहने उपस्थित थी।

शिव मंदिर निर्माण को लेकर भूमि पूजन

धनबाद (कासं) : शिव मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम बसंत बिहार/कुसुम बिहार में किया गया। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंच कर पूजा अर्चना की। मंदिर निर्माण कार्यक्रम में भूमि पूजन करने मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा सांसद ढुलू महतो पहुँचे। श्री महतो ने शिव मंदिर निर्माण के शिलान्यास ईट रख कर नींव दिया। शिलान्यास कार्यक्रम के पूर्व पुजारी नित्यानंद की टीम भगवान गणेश जी की विधिवत पूजन किया और शिव परिवार के लिए मंदिर निर्माण के लिए आह्वान किया।

जजमान के रूप में दीपक सिंह थे।कार्यक्रम से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। सांसद श्री महतो ने श्रद्धालुओं से कहा कि मंदिर निर्माण कार्य में हर तरह का सहयोग करूँगा। शिव मंदिर निर्माण कमिटी के अजय कुमार सिंह, अशोक कुमार शर्मा, जय प्रकाश शर्मा, दीपक सिंह, राम नरेश चौधरी, आनंद सिंह, अमित सिंह, अनिक सिंह, राम नारायण, जितेंद सोनी, गीता शर्मा, अनिता सिंह, पूजा तिवारी, सुनीता सिंह आदि थे।

डालसा द्वारा मेघा कैम्प का आयोजन

पुटकी (ससे) : प्रखंड कार्यालय धनबाद (सदर) गरभुडीह में रविवार को डालसा द्वारा मेघा कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख आरती देवी, सिविल जज अनामिका कच्छप, पैनल अधिवक्ता स्वेता कुमारी, बीडीओ पल्लवी सिन्हा, उपप्रमुख मनीषा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कैम्प में १४ छात्रों को साईकल, तीन दिव्यांगों को ट्राई साईकिल, गुलाब स्वम् को ६ लाख का चेक, किसानों को खाद, कीटनाशक दवा, कैम्प में हेल्थ चेक आदि लगाया गया। धन्यवाद ज्ञापन बीपीआरओ मधुसूदन पासवान ने किया। मौके पर प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय प्रसाद, प्रखंड जनसेवक कपिलदेव सिंह, प्रखंड नजीर इंद्रजीत चौधरी, प्रधान सहायक सुशील खां, शाहिदा बेगम, नीतू कुमारी, चंदा कुमारी, सुबोध पांडेय, झरीलाल महतो, पंसस राखाल, माणिक दुबे, अनिल महतो, सोम नाथ प्रसाद आदि थे।

विधिक सशक्तिकरण शिविर

बलियापुर (ससे) : डालसा की ओर से रविवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में विधिक सशक्तिकरण का आयोजन किया गया। शिविर में ७० लोगों के बीच ५ लाख ८५ हजार रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। सुदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे आम जनता तक न्याय सुलभ पहुंचे। सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनमानस तक पहुंच सके। जिससे समाज के हर वर्ग सशक्त हो सकें।

बिनोद बाबू की पुण्यतिथि मनाने की तैयारी में जुटी समिति

बलियापुर (ससे) : बिनोद बिहारी महतो स्मारक समिति की एक

बैठक रविवार को बिनोद धाम में हुई। जिसमें झारखंड के पुरोधा स्व. बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि १८ दिसंबर को मनाने व सप्ताह व्यापी बिनोद मेला कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता अधिवक्ता राहुल कुमार महतो ने किया। मौके पर अधिवक्ता शंकर किशोर महतो, महावीर महतो, परिमल महतो आदि मौजूद थे।

हाईवा व कंटेनर में टक्कर, बालबाल बचे लोग

निरसा (ससे) : निरसा चौक पर रविवार को तड़के करीब ४.३० बजे एक हाईवा ने कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी। उस वक्त चौक सुनसान था।

अगर आधाएक घंटे बाद घटना घटित होती, तो कई लोग काल के गाल में समा जाते। क्योंकि उस वक्त लोगों की आवाजाही शुरू हो जाती है। बताया जाता है कि एमपीएल से कोयला अनलोड कर हाईवा निरसा चौक के पास पहुंचा और कोलकाता लेन में जा रहे एक कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाईवा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इससे कुछ देर के लिए एनएच पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच को क्लियर कराया। स्थानीय लोगों ने बताया कि निरसाजामताड़ा रोड में सिन्दरी मोड़ से निरसा चौक तक हाईवा के परिचालन पर रोक है। इसके बावजूद हाईवा का परिचालन निरंतर जारी है। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घटना चालक की लापरवाही से घटी। बताया जाता है कि चालक शराब के नशे में धुत्त था।

ज्वेलर्स दुकान से एक लाख के आभूषण चोरी

बलियापुर (ससे) : हटिया मोड़ के चंद्र ज्वेलर्स में सेंधमारी कर अज्ञात चोरों ने १ लाख से भी अधिक का आभूषण चुरा लिया। घटना बीती देररात की बताई जाती है। दुकानदार बबलू चंद्र को रविवार सुबह करीब ९:३० बजे दुकान खोलने के बाद घटना की जानकारी हुई। दुकान के पीछे दीवाल में अज्ञात चोरों ने सेंधमार कर घटना को अंजाम दिया।

बंग्लादेश पर कार्रवाई करें संयुक्त राष्ट्र संघ : सनातनी

सिंदरी (ससे) : रविवार को बंग्लादेश में सनातनी धर्मावलंबी शांतिप्रिय हिन्दुओं पर कट्टरपंथी मुस्लिम समुदाय के आतंक परस्त लोगों द्वारा नरसंहार तथा मंदिरों में तोड़फोड़ के खिलाफ शहरपुरा शिव मंदिर के प्रांगण में सर्वदलीय सर्व धर्म समभाव के तहत बैठक करके कट्टरपंथी आतंकवादी सोच के कट्टर बांग्लादेशियों जो अकारण हमलावर हैं के खिलाफ प्रेसवार्ता कर प्रेस के माध्यम से निवेदन प्रेषित किया गया कि सरकार से लेकर विपक्ष तक एक स्वर में बंगलादेश में अराजकतावादी आतंकी सोच के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ के माध्यम से ज़रुरत पड़ने पर अविलंब सैनिक कार्रवाई करने के लिए अविलंब कार्रवाई करें ताकि बंगलादेश में रह रहे हिंदुओं की जान माल अस्मिता की रक्षा हो सके।

जाती धर्म राजनीति से उपर उठकर प्रेस से लेकर सभी सभी गणमान्य नागरिक स्वंय से सादर आमंत्रित हैं आप आएं और बंग्लादेश के हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ १७ दिसंबर को आवाज बुलंद करते हुए शहरपुरा शिव मंदिर से पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय सिंदरी जाकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रेस वार्ता में शामिल हुए सनातनी सभ्यता संस्कृति उत्थान समिति अध्यक्ष प्रशांत कुमार दुबे, भाजपा नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक, पुर्व पार्षद मंदिर सचिव दिनेश सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य अरविन्द खत्री, रामायण पाठ संचालन समिति संयोजक दामोदर दुबे, महाराज जी शिव बहादुर तिवारी, राजेन्द्र राय, भाजपा कोषाध्यक्ष रामजी सिंह, बद्री सिंह, अमित सिंह, कांग्रेस नगर महासचिव ललन ठाकुर, संतोष सिंह, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष ईश्वर यादव, उपाध्यक्ष संजय महतो, उपाध्यक्ष गणपति बाउरी, उपस्थित थे।

हमें अपने जीवन के युद्ध में सफल होना है : स्वामी चैतन्यानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

रांची (ससे) : अपने जीवन को सफल बनाने के लिए या आनन्द प्राप्त करने के लिए आप जो भी कुछ करते हैं, उसी को केन्द्र मत बनाइये, अगर केन्द्र बनाना है तो ईश्वर प्राप्ति को केन्द्र बनाइये। पूर्ण आत्मसमर्पण सबसे सुन्दर उपहार हैं, ईश्वर को देने के लिए, ऐसे में भक्ति के आंसू में भिंगोये फूल ईश्वर खुशीपूर्वक स्वीकार करते हैं। श्रीकृष्ण ने कहा है कि सिर्फ योगाभ्यास और वैराग्य के द्वारा ही चंचल मन को काबू में किया जा सकता है। योग में प्रयास और भक्ति के साथ आत्मसमर्पण भी होना जरुरी हैं। उक्त बातें आज चार दिवसीय साधना संगम के समापन अवसर पर योगदा भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी चैतन्यानन्द ने रांची स्थित योगदा सत्संग आश्रम में कहीं।

उन्होंने कहा कि योगाभ्यास से प्रेम और भक्ति के द्वारा केवल ईश्वर को प्राप्त करने का लक्ष्य बनाना चाहिए। वो प्रेम ही था, जिसके कारण अर्जुन भगवान कृष्ण के सारथि बन गये। इसे समझने की जरुरत हैं। ईश्वर आपके लिए कुछ भी करने और बनने को तैयार बैठे हैं। बशर्ते की आपका प्रेम उनके प्रिय शिष्य अर्जुन के जैसा हो। अर्जुन का प्रेम कैसा था, उसका दृष्टांत उन्होंने बड़े ही सुंदर ढंग से दिया जो अविस्मरणीय था।

उन्होंने कहा कि जब हम अपने जीवन में प्रभु को स्थापित कर लेते हैं, तो जीवन कुरुक्षेत्र नहीं बनता, बल्कि रासलीला भूमि बन जाती हैं। इसलिए हमें योगाभ्यास, प्रेम और भक्ति के साथ निरन्तर करते रहना चाहिए और कोशिश करना चाहिए कि हमारा जीवन भी एक योगी के जैसा हो। स्वामी चैतन्यानन्द ने कहा कि योग व्यक्तिगत जीवन को परमात्मा तक ले जाने का विज्ञान है। हम कर्म, ज्ञान और भक्ति के द्वारा इसे प्राप्त कर सकते हैं।

लेकिन राजयोग इन सभी योगों को सार है। साथ ही यह ईश्वर के पास ले जाने का सरल व सुगम मार्ग है। योगी इसी के द्वारा उस सर्वोच्च शक्ति तक पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम जो यहां आकर क्रियायोग में दीक्षित होते हैं। वो क्रिया योग दरअसल राज योग ही है। उन्होंने कहा कि सत्कर्म करते हुए, गुरु के द्वारा बताये मार्ग पर चलना ही राजयोग है।

उन्होंने कहा कि दुनिया का हर व्यक्ति हर विद्या में सफल

होना चाहता है और ये सब सफलता, सिर्फ और सिर्फ आनन्द प्राप्ति के लिए वो करता है। वो चाहता है कि वो हर अवगुणों से उपर उठे तथा दुखों पर विजय प्राप्त करते हुए, आनन्द को हासिल करें। उन्होंने कहा कि महाभारत युद्ध जब हुआ, तब हुआ। लेकिन आज उसे प्रतीकात्मक रुप से लें तो पता चलेगा कि हर व्यक्ति के जीवन में एक कुरुक्षेत्र है। जिसमें हर व्यक्ति अपना युद्ध खुद लड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि कौरव नकारात्मकता और पांडव सकारात्मकता का प्रतीक है। कौरव हमें ईश्वर से दूर ले जाने में अहम् भूमिका निभाता है तो पांडव हमें ईश्वर के नजदीक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धिष्ठिर धर्म, भीम प्राणशक्ति व अर्जुन आत्मसंयम के प्रतीक है। जबकि भीष्म अहंकार के प्रतीक है। यहां इन सब में अर्जुन शिष्य और श्रीकृष्ण गुरु के प्रतीक है। हमें हमेशा याद रखना है कि हमें अपने जीवन के युद्ध में हर हाल मे सफल होना है। हमें अपने जीवन में अपने अंदर की बुराइयों पर विजय हासिल करनी है। लेकिन उसके लिए हमें योगी बनना होगा।

उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने भी अर्जुन से यही कहा था कि अगर उसे कुरुक्षेत्र में सफल होना है तो उसे योगी बनना पड़ेगा। इसके लिए वर्तमान में क्रिया योग सर्वोच्च परमानन्द में हमें एकाकार करने का सर्वोच्च मार्ग है। उन्होंने कहा कि ईर्ष्या रुपी दुर्योधन हर के शरीर में व्याप्त है। आखिर ये दुर्योधन करता क्या है? उसे समझिये। हर के पास सुख के सारे संसाधन मौजूद हैं। फिर भी हर व्यक्ति दूसरे को प्राप्त सुख के संसाधनों से जलता हैं। वो चाहता है कि जैसे दूसरे को जो चीजें प्राप्त हैं, उसे भी वो चीजें प्राप्त हो जाये, जबकि उसके पास दूसरे के पास पड़ी हुई चीजों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण चीजें उसके पास मौजूद होती हैं और यही ईर्ष्या उसके जीवन में कलह का कारण बन जाती हैं, लेकिन वो समझ नहीं पाता और दुख को आमंत्रण दे डालता है। अर्थात् अपने खुशियां को मापदंड दूसरे को प्राप्त भौतिक चीजों के मापदंड में लगाने लगता है।

उन्होंने कहा कि ठीक इसके विपरीत जो भक्त परमानन्द में डूबकर कर्म करता रहता है, वो ही सर्वश्रेष्ठ योगी बन पाता है। उन्होंने कहा कि क्रिया योग महान योगियों के साथसाथ सांसारिक लोगों के लिए लाभदायक है। योग आलस्य नहीं सीखाता, योग सारे कर्तव्यों को पूरा करते हुए ईश्वर की खोज करना सीखाता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान या ईश्वरीय खोज जड़ पहाड़ से प्राप्त करने की अपेक्षा एक आत्मसाक्षात्कार प्राप्त व्यक्ति से प्राप्त करना ज्यादा श्रेयस्कर है। जब हम ईश्वर की खोज के लिए लालायित होते हैं तो ईश्वर खुद हमारी बेहतरी के लिए एक ईश्वर प्राप्त सद्गुरु हमारे पास भेज देता है। इसलिए आप सभी क्रियायोग के द्वारा ईश्वर को प्राप्त करने में ज्यादा समय लगाये, ताकि आपका जीवन भी योगियों की तरह आनन्दमय हो।

संपादकीय

किसानों को सड़कों पर क्यों आना पड़ रहा?

एक बार फिर किसान अपनी मांगों के साथ आंदोलन करने सड़क पर उतर आए हैं। साफ है कि यह प्रश्न और उससे उपजी स्थितियों के प्रति सरकार बहुत ज्यादा सरोकार नहीं रखती। वरना क्या वजह है कि लंबे समय से अपने सवालों पर किसानों के सामने आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है और सरकार इस मसले पर कोई हल निकालने के आश्वासन से आगे कुछ ठोस करती नहीं दिखती। क्या सरकार की नजर में किसानों के मुद्दे विचार के लायक नहीं हैं या फिर वह इसे सुलझाने के लिए ईमानदारी से कुछ करना नहीं चाहती!

गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा की शंभू सीमा से एक सौ एक किसानों के जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली के लिए पैदल मार्च करना शुरू किया था, लेकिन वहां उन्हें पुलिस ने निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देकर रोक दिया। इसके बाद हुए हंगामे के बीच पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें कुछ किसानों के घायल होने की खबर आई। फिलहाल किसानों ने जत्थे को रोकने की बात कही है। कई इलाकों में इंटरनेट भी निलंबित किया गया। जाहिर है, किसान और सरकार फिर आमने-सामने हैं।

हालांकि किसानों के प्रदर्शन के बीच राज्यसभा में सरकार की ओर से इस बात का भरोसा दिलाया गया है कि वह सभी कृषि उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। दरअसल, कर्जमाफी, किसान और खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली की दरों में बढ़ोतरी न करने के अलावा किसानों की एक मुख्य मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी लागू करने को लेकर है। इस लिहाज से सरकार की घोषणा महत्त्वपूर्ण है।

मगर क्या केवल आश्वासनों के बूते समस्या का समाधान निकाला जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि किसानों की मांगों में न्यूनतम समर्थन मूल्य का सवाल पिछले कई वर्षों से बना हुआ है, मगर अब भी सरकार की ओर से कोई स्थायी हल निकालने के बजाय व्यावहारिक कदम उठाने का सिर्फ भरोसा दिया जाता है। जबकि तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर महीनों चले आंदोलन के समय भी इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया था। यही वजह है कि किसान अब इस मसले पर कानूनी गारंटी चाहते हैं।

यह जगजाहिर है कि सरकार और किसानों के बीच खींचतान से जो हालात पैदा होते हैं, उससे आम लोग भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं। किसानों के दिल्ली कूच करने या फिर उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस की ओर से किए इंतजामों की वजह से सड़कें बाधित होती हैं। इसका खमियाजा वैसे तमाम लोगों को भुगतना पड़ता है, जो अपने जरूरी काम से गंतव्य की ओर जा रहे होते हैं। सरकार यह सफाई दे सकती है कि आम लोगों का रास्ता किसानों के आंदोलन की वजह से बाधित होता है, लेकिन आखिर किसानों को बार-बार सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आती है?

क्या सरकार और आंदोलनकारी किसानों की ओर से ऐसे उपाय नहीं किए जा सकते कि रास्ता और आम लोगों की आवाजाही बाधित न हो? सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि किसानों को अपनी मांग रखने का हक है, लेकिन आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली में कोई ऐसी जगह निर्धारित की जा सकती है, जहां किसान भी अपने मुद्दों के साथ प्रदर्शन कर सकें। मगर सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि सरकार अब किसानों की मांगों को लेकर अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए और सबकी सहमति पर आधारित कोई स्थायी हल निकाले।

रेपो दर स्थिर, आर्थिक संकट की जड़ें और गहरी

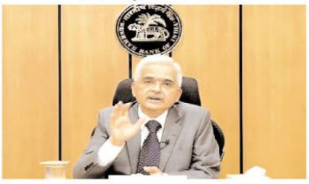

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बार फिर रेपो दर में कोई बदलाव न करने का फैसला किया है। यह ग्यारहवीं बार है, जब रेपो दर यथावत रखा गया। यह पिछले वर्ष की फरवरी से साढ़े छह फीसद पर बना हुआ है। इसका बोझ सबसे अधिक घर और वाहन के लिए कर्ज लेने वाले मध्यवित्त वर्ग को उठाना पड़ रहा है। इसलिए वे उम्मीद लगाए हुए थे कि अगर रेपो दर में कमी की जाएगी तो उनके कर्ज पर किस्तें कुछ कम होंगी। मगर महंगाई के ऊपर की तरफ बने हुए रुख दो देखते हुए रिजर्व बैंक ने फिलहाल इसमें किसी तरह का बदलाव करना उचित नहीं समझा।रेपो दर वह ब्याज दर है, जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं। जाहिर है, उससे अधिक दर पर वे अपने ग्राहकों को कर्ज देते हैं। पिछले वर्ष रेपो दर में बढ़ोतरी का कुछ असर महंगाई पर देखा भी गया था। मगर इतनी लंबी अवधि का अनुभव यही है कि रेपो दर ऊंची रखने से महंगाई पर कोई बहुत असर नहीं पड़ रहा। बेशक, इसका कारोबार पर असर दिखने लगा है। बैंकों के कारोबार पर पड़ते नकारात्मक प्रभाव को कम करने के मकसद से सीआरआर यानी आरक्षित नगद अनुपात में पचास आधार अंक की कटौती कर दी गई है। सीआरआर यानी जो रकम बैंकों को हमेशा अपने पास आरक्षित रखनी पड़ती है। मगर इससे बैंकों को कितनी मदद मिलेगी, दावा करना मुश्किल है। अब अर्थव्यवस्था की विकास दर में कई विसंगतियां नजर आने लगी हैं। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही की विकास दर सरकार के लिए गंभीर चेतावनी की तरह आई है। ऊपर से महंगाई बेलगाम बनी हुई है। डालर के मुकाबले रुपए की कीमत चिंताजनक स्तर तक गिर चुकी है। विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खा रहा है। ऐसे में रेपो दर को यथावत रख कर महंगाई और विकास दर के बीच कैसे संतुलन बिठाया जा सकेगा, समझ से परे है। लंबे समय से लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाने के व्यावहारिक उपाय आजमाने पर बल दिया जा रहा है, मगर सरकार तमाम दावों और वादों के बावजूद रोजगार सृजन और आय में विषमता के मोर्चे पर कोई ठोस उपाय नहीं जुटा पा रही है।

आज का कार्टून

अजीत पवार को बड़ी राहत, बेनामी संपत्ति मामले में मिली क्लीनचिट

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले यात्राएं करने की तैयारी में नीतीश कुमार

> भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' निकाली थी। भाकपा-माले की 'बदलो बिहार न्याय यात्रा', विकासशील इंसान पार्टी (वी.आई.पी.) प्रमुख मुकेश साहनी की 'निषाद संकल्प यात्रा' भी कुछ महीने पहले हुई थी। जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को जुटाने में लगी 'आप'- विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को जुटाने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया, उनसे दिल्ली सरकार की मुफ्त योजनाओं के बारे में जनता को सूचित करने का आग्रह किया।

राहिल नोरा चोपड़ा

अगले साल अक्तूबर-नवंबर में बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए यात्राएं करने की तैयारी में हैं। 15 दिसंबर को कुमार 2005 के बाद से अपनी 15वीं यात्रा शुरू करेंगे, जिसका नाम 'महिला संवाद यात्रा' है। हालांकि, राज्य में हाल ही में हुए उप-चुनाव के नतीजों से उत्साहित नीतीश कुमार पश्चिमी चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर से महिला मतदाताओं से संवाद करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, वे महिलाओं, जीविका दीदियों से संवाद करेंगे और सरकार के 7 निश्चय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के तेजस्वी यादव ने अपने 'कार्यकर्त्ता दर्शन-सह-संवाद यात्रा' के तीसरे चरण की शुरूआत 4 दिसंबर को मुंगेर जिले से की थी और उन्होंने घोषणा की थी कि अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद अगर महागठबंधन सत्ता में आता है तो वह उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे । इस कदम को एक बड़ा राजनीतिक जुआ बताया जा रहा है। उन्होंने पिछले महीने प्रमुख हिंदू त्यौहारों और राज्य की 4 विधानसभा सीटों पर उप-चुनावों के कारण यात्रा रोक दी थी, जो अब समाप्त हो चुके हैं। बिहार चुनावी साल में सभी तरह की राजनीतिक यात्राओं के लिए जाना जाता है। ये राजनीतिक ताकत दिखाने का सबसे विश्वसनीय साधन हैं।

सभी प्रमुख राजनीतिक दल इनके साथ प्रयोग करते हैं। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' निकाली थी। भाकपा-माले की 'बदलो बिहार न्याय यात्रा', विकासशील इंसान पार्टी (वी.आई.पी.) प्रमुख मुकेश साहनी की 'निषाद संकल्प यात्रा' भी कुछ महीने पहले हुई थी। जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को जुटाने में लगी 'आप'-विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को जुटाने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया, उनसे दिल्ली सरकार की मुफ्त योजनाओं के बारे में जनता को सूचित करने का आग्रह किया।

हालांकि गुलाबी टिकट द्वारा दिल्ली में 4,000 से अधिक राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं को मुफ्त सवारी प्रदान की जाती है। आम आदमी पार्टी ने 2020 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले 2019 में डी.टी.सी. और क्लस्टर बसों में महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त कर दी थी, जिसका उद्देश्य महिलाओं के लिए बस की सवारी को सुरक्षित और अधिक सुलभ बनाना था। हाल ही में, दिल्ली सरकार ने महिलाओं को शहर की बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति देने के लिए 150 करोड़ गुलाबी टिकट जारी करने की एक उपलब्धि हासिल की।

जबकि भाजपा ने घोषणा की कि वह आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की पहलों को बनाए रखेगी, जिसमें पहले 200 इकाइयों के लिए मुफ्त बिजली, पानी की सबसिडी और महिलाओं के लिए मानार्थ बस सवारी शामिल है। इस बीच 'आप' ने भाजपा के चुनावी वायदों को जुमला करार देते हुए आरोप लगाया कि अगर वह सत्ता में आई तो महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और बिजली सबसिडी योजना जैसी सेवाएं बंद कर देगी।

कांग्रेस में जल्द ही बड़े संगठनात्मक फेरबदल का फैसला होने की संभावना : हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस में जल्द ही बड़े संगठनात्मक फेरबदल का फैसला होने की संभावना है। पार्टी ए.आई.सी.सी. और हरियाणा, ओडिशा और राजस्थान में नई नियुक्तियों की योजना बना रही है।

चर्चा है कि महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, जिन्होंने अलपुझा से लोकसभा चुनाव जीता है, केरल में के.पी.सीसी. प्रमुख के रूप में स्थानांतरित हो जाएंगे। वेणुगोपाल राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं और कांग्रेस के निर्णय लेने वाले तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका में आ गए हैं। चर्चा है कि वेणुगोपाल की जगह कांग्रेस के नए महासचिव संगठन की नियुक्ति की जाएगी। जो नाम चर्चा में है, वह पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का है।

15 दिसंबर तक आधे राज्यों में नए अध्यक्ष चुनेगी भाजपा: भाजपा अपने आंतरिक संगठनात्मक चुनावों के साथ रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है और 15 दिसंबर तक आधे राज्यों में नए अध्यक्ष चुने जाएंगे, जिसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। जे.पी. नड्डा जनवरी 2020 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रतिस्थापन के चुनाव की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए उनका तीन साल का कार्यकाल बढ़ाया गया था।

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल आम सहमति से चुने जाने के बाद 3 साल का होता है। जबकि भाजपा का 'थिंक टैंक' ओ.बी.सी. या एस.सी. राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए उत्सुक है क्योंकि इसके कारण उन्हें उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में अपनी ताकत में सुधार की उम्मीद है। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की मंजूरी से किया जाएगा।

संसद में 'इंडिया' ब्लॉक के नेताओं का विरोध प्रदर्शन : संसद में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन, आरोप-प्रत्यारोप और तीखी नोक-झोंक देखने को मिली। जबकि 'इंडिया' ब्लॉक के नेता संसद के द्वार पर एकत्रित हुए। उन्होंने 'मोदी अडानी एक है' और 'अडानी सुरक्षित है' के नारे लिखी काली जैकेट पहन रखी थी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को अपनी सफेद टी-शर्ट और कोट पर नारे लिखे हुए देखा गया। कांग्रेस के अन्य प्रमुख सांसद भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। नारे सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए लगाए गए, जिसमें अडानी को जवाबदेही से बचाने का आरोप लगाया गया। जबकि टी.एम.सी. ने विरोध प्रदर्शन में भाग लेने से परहेज किया। राजद से लेकर सपा तक 'इंडिया' ब्लॉक के अधिकांश अन्य सदस्य विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में मौजूद थे।

सीखना हो तो हरसिंगार के फूलों से सीखें...

> आज भी हरसिंगार के फूल अतीत की यादों में धकेल देते हैं और अपने किसी प्रिय जगह में इन फूलों के साये में बिताए दिनों की कथा याद दिलाते रहते हैं। जब पहली बार किसी ने सुबह-सुबह कभी आंगन को इन फूलों से भरा हुआ पाया होगा तो हो सकता है कि उसे ऐसा लगा हो कि किसी ने एक थाल में 'बतासे' लाल रंग की बिंदी लगा कर रख दिए हों। इन फूलों की मोहक खुशबू भले ही कुछ समय के लिए ही क्यों न हो लेकिन उन क्षणों को यह अत्यंत आकर्षक बना देती है। इन फूलों का उगना शुरू होना इस बात को इंगित करता है कि बस अब त्योहारों का मौसम आने वाला है और चहुंओर हर्ष का वातावरण बिखरने वाला है।

योगेश गुप्ता

अतीत चाहे कैसा भी गुजरे, उसकी यादें सदैव सुखद ही होती हैं। मुंशी प्रेमचंद का यह कथन हमेशा सच प्रतीत होता है। हम जैसे-जैसे जीवन जीते जाते हैं, चाहे वह बचपन, जवानी या बुढ़ापे का दौर हो और कितना भी मुश्किलों से भरा हुआ क्यों न हो, जब उसकी यादें किसी संदर्भ में सामने आती हैं तो पता नहीं कहां से वे पहाड़ की तरह कभी न खत्म होने वाली मुश्किलें भी सुखद यादों के रूप में बदल जाती हैं। इसके साथ ही जब भी कभी हम एकांत में उन यादों के बारे में सोचते हैं तो एक मीठी-सी खुशी, जो कि मई की कड़ी धूप में एक 'बदली' यानी बादल के टुकड़े के आ जाने से मिलती है, मन पर छा जाती है। अब इसे मन की अवस्था कहें या विचारों की शक्ति जो समय बीत जाने के बाद अलग रूप में हमारे सामने अक्सर प्रस्तुत हो जाती है। कई बार ऐसी ही अनुभूति हरसिंगार के फूल देखने और उनकी सुगंध लेने के बाद होती है। हरसिंगार के फूल आमतौर पर सितंबर-अक्तूबर के महीने में आने शुरू हो जाते हैं और दिसंबर-जनवरी तक रहते हैं। हालांकि ये सफेद पंखुड़ियों वाले और लाल डंडी वाले फूल बेहद नाजुक और थोड़े समय के लिए ही रहते हैं, पर इसकी खुशबू की कशिश हमारे अंतर्मन में अपनी अमिट छाप छोड़ जाती है और हम जीवन भर इससे मुक्त नहीं हो पाते हैं। आज भी हरसिंगार के फूल अतीत की यादों में धकेल देते हैं और अपने किसी प्रिय जगह में इन फूलों के साये में बिताए दिनों की कथा याद दिलाते रहते हैं। जब पहली बार किसी ने सुबह-सुबह कभी आंगन को इन फूलों से भरा हुआ पाया होगा तो हो सकता है कि उसे ऐसा लगा हो कि किसी ने एक थाल में 'बतासे' लाल रंग की बिंदी लगा कर रख दिए हों। इन फूलों की मोहक खुशबू भले ही कुछ समय के लिए ही क्यों न हो लेकिन उन क्षणों को यह अत्यंत आकर्षक बना देती हैं। इन फूलों का उगना शुरू होना इस बात को इंगित करता है कि बस अब त्योहारों का मौसम आने वाला है और चहुंओर हर्ष का वातावरण बिखरने वाला है। गणेश उत्सव हो या नवरात्रि पूजा या फिर दीपावली का पूजन, हरसिंगार के फूलों से जब हमारे आराध्यों का शृंगार किया जाता है तो उसकी आभा कुछ निराली ही होती है, जिसका वर्णन शब्दों में संभव नहीं है।

जिस आंगन में इसके फूल खिले होते थे, वहां चाहे परीक्षा की तैयारी करनी हो या फिर परीक्षा के परिणाम आने के बाद का मंथन, सभी कुछ इस हरसिंगार के पेड़ के नीचे कुर्सी पर बैठकर किया जाता था। जब किसी बच्चे के परिणाम अनुकूल नहीं होते थे और जीवन में हताशा छाने लगती थी तो ये फूल हंस कर अपना जीवट दिखाते थे और इशारों-इशारों में और बेहतर प्रयास करने को प्रोत्साहित करते और मानो यह कहते थे कि हम हवा के तमाम थपेड़ों और बाधाओं के बीच रोज सुबह बिना अवरोध के नई ऊर्जा से ओतप्रोत उदित होते हैं, वैसे ही एक कर्मयोगी की तरह कार्य पूरी तल्लीनता और समर्पण भाव से करना चाहिए, किसी परिणाम की परवाह किए बगैर।

उन दिनों डाकिया बाबू द्वारा लाए गए प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के बुलावे या किसी परिजन की खुशहाली की चिट्ठी, सभी कुछ का गवाह हरसिंगार के पेड़ बनते थे, जहां लिफाफे खोले जाते और चिट्ठियां पढ़ी जाती थीं। उसके बाद मन में उठने वाली अनंत अनुकूल और प्रतिकूल भावनाओं का साक्षी यह परम मित्र हरसिंगार ही था। अगर पीछे मुड़कर जीवन को टटोला जाए तो लगता है कि वे ढेरों सपने जो इसके सान्निध्य में बैठकर देखे गए, चाहे वह पूरे हुए हों या नहीं, लेकिन उनकी यादों की रोचकता आज भी उतनी ही ताजी है, इन फूलों की तरह। जैसे ये फूल कुछ पल जीकर भी लंबी दास्तान सुना जाते हैं, वैसे ही हमने जीवन रूपी किताब के कुछ पन्ने इस तरह से लिखे कि हमारी आने वाली पीढ़ी इससे प्रेरित हो सके और अपने जीवन को एक सार्थक दिशा दे पाए। तभी हम अपने आप पर गर्व महसूस कर पाएंगे।

दरअसल, जीवन 'काटने' के बजाय जिंदादिली से 'जिया' जाना चाहिए और अपने पथ में आने वाली हर एक मुश्किलों को एक मौके की तरह भुनाना चाहिए। मुश्किलें जहां दुख देती हैं, वहीं कई बार जिंदगी के लिए बेहतर सबक भी दे जाती हैं। यह हमारा सकारात्मक या नकारात्मक नजरिया ही होता है, जिससे कि हम अपने जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण रखने से अपना जीवन तो सुखद व शांतिप्रिय गुजरता ही है, साथ ही हमारी इस स्थिति की छाप हमारे निकट रहने वालों पर भी गहरा असर डालती है। संदर्भ से लिया जाए तो एक फिल्म 'आनंद' के एक प्रसिद्ध संवाद को याद किया जा सकता है कि 'बाबू मोशाय, जिंदगी लंबी नही, बड़ी होनी चाहिए'। यों तो समूची प्रकृति ही अपने मूल में यही संदेश देती है। ठीक इसी तरह हरसिंगार के फूल भी ये सिखाते हैं कि जीवन चाहे कितना ही छोटा क्यों न हो, लेकिन वह कुछ ऐसे जिया जाए कि हमारी शख्सियत इतनी प्रबल और प्रखर हो जाए, जिससे हमारे न होने की 'रिक्तता' संबंधित लोगों के भीतर लंबे वक्त तक बनी रहे और जब कभी हमारे किस्से लोगों की यादों में सफर करें, तो वे उनकी आंखों में नमी लाकर हमारी जिंदादिली को भी याद करें।

श्री रामकृष्ण विवेकानंद संघ परिसर में सस्वर पाठ प्रतियोगिता

बोकारो (ससे): श्री रामकृष्ण विवेकानंद संघ, बोकारो व रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी, रांची के संयुक्त तत्वावधान में 'नया भारत गढ़ो' कार्यक्रम के तहत रविवार को बोकारो के सेक्टर १ बी स्थित संघ के सभागार में जिला स्तरीय सस्वर पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने स्वामी विवेकानंद रचित स्वदेश मंत्र का सस्वर पाठ किया।

बेहतर प्रस्तुति के आधार पर ग्रुप ए में गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, बोकारो की आकांक्षा मिश्रा ने प्रथम, रितेश कुमार व काम्या झा ने संयुक्तरूप से द्वितीय व माही प्रियदर्शी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी में मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, बोकारो के छात्र ओम मिश्रा ने प्रथम, वैष्णवी मिश्रा ने द्वितीय व गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, बोकारो की अद्रिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि क्षितिज चतुर्थ स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के निर्णायकों में क्रांति श्रीवास्तव व शर्वाणी मुखर्जी शामिल थीं।

विजेताओं को श्री रामकृष्ण विवेकानंद संघ, बोकारो के अध्यक्ष गोपाल मुंशी व सचिव प्रणव मित्रा ने पुरस्कृत किया। प्रतियेगिता के निर्णायकों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष गोपाल मुंशी ने विजेताओं को बधाई दी और अगले चरण की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। सचिव प्रणव मित्रा ने आयोजन में शामिल सभी के प्रति आभार प्रकट किया और अगले रविवार २२ दिसंबर को मा सारदा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की। इस अवसर पर समीर पैतंडी, मृणाल चक्रवर्ती, कावेरी गुहा, नंदलाल सरकार, प्रशांत कुमार झा, अरुण पाठक, संजय पाठक, नवीन मिश्र, स्वाति मित्रा, अजीत कुंडु, भोलानाथ महतो, रोहित कुमार, संजय, शिवा आदि उपस्थित थे।

कुबेर टीले का भी दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु

अयोध्या,(ईएमएस): अयोध्या में राम मंदिर का काम तेजी से चल रहा है। यह साल २०२५ तक पूरा होने की संभावना है। इसको लेकर निर्माण कार्य में लगी संस्थाएं तेजी से काम कर रही हैं। इसी बीच खबर आई रही है। यहां राम भक्त बीते २२ जनवरी को राम मंदिर में विराजमान हुए थे। प्रभु राम के विराजमान होने को करीब एक साल पूरा होने वाला है। यह साल २०२५ के फरवरी में राम भक्त प्रभु राम के साथ-साथ सप्त मंदिर के अलावा कुबेर टीले का भी दर्शन कर सकेंगे।

राम मंदिर परिसर में केवल राम भक्त हजारों की संख्या में दर्शन करते थे लेकिन अब फरवरी २०२५ में राम मंदिर में सप्त मंदिर के साथ कुबेर टीले का भी दर्शन कर सकेंगे। वह परिसर में बन रहे। हर एक मंदिर का दर्शन पूजन कर सके। उनकी मनसा अनुरूप राम मंदिर ट्रस्ट ने एक बड़ा फैसला राम भक्तों के हित में लिया है। अयोध्या पहुंचे भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने बताया कि राम मंदिर परिसर में बनने वाले सप्त मंदिरों का निर्माण भी २०२५ के फरवरी में पूरा हो जाएगा।

पत्थर खदान में नहीं किया जा रहा सुरक्षा मानकों का पालन

दुमका (ससे): शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत पत्थर का अवैध खनन एवं परिवहन एक बार पुन: वैध के नाम पर खनन एवं पर्यावरण नियमों को ताख पर रखकर शुरू हो गया है। तत्कालीन उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला के कार्यकाल में अवैध कारोबार पूर्णता बंद हो गया था। वर्ष २०२४ में पत्थर उत्खनन के लिए लीज देने का कार्य शुरू हुआ।

थाना क्षेत्र के शहरपुर मौज में मार्च २०२४ में विनोद भगत के नाम से एक खदान का रिलीज हुआ है अप्रैल २०२४ से लेकर नवंबर २०२४तक खदान की गहराई लगभग २०० फिट हो गई है। इस खदान में सूचना पर नहीं लगाया गया है साथ ही सीमांकन भी इस खदान का नहीं है कहीं भी किसी प्रकार का पिलर नहीं गाड़ा गया है। साथ ही खान सुरक्षा मानकों का किसी भी स्तर पर पालन नहीं किया जा रहा है खदान मालिक से दूरभाष पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि मार्च २०२४ में मुझे यह नई खदान प्लीज मिली है। इसके साथ ही एक दो पत्थर खदानों को छोड़कर किसी भी पत्थर खदान में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है औरना ही पर्यावरण विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

इस खदान का सर जमीन का अवलोकन करने पर स्थिति अपने आप स्पष्ट होती है। पत्थर खदान की गहराई और खदान मालिक द्वारा जिला खनन कार्यालय में दायर प्रतिवेदन से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कितने पत्थर का उत्खनन किया गया और कितने राजस्व जमा किया गया।

इस संबंध में अंचल अधिकारी शिकारी पड़ा कपिल देव ठाकुर से संपर्क करने पर उन्होंने कुछ भी बताने से इनकार किया। जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने कहा कि यह जांच का विषय है जांचों पश्चात ही कुछ बताया जा सकता है।

खुराक पिलाने में नहीं बरतें किसी प्रकार की कोई लापरवाही

बोकारो (ससे): जिले भर में रविवार से तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हुई। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरिजा शंकर प्रसाद, स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर वीरेंद्र कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ. ए बी प्रसाद, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने सदर अस्पताल परिसर में बच्चों को पोलियों खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। ३ लाख ५३ हजार ५५१ बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य है। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने अपील किया है कि खुराक पिलाने में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरतें। ईमानदारी पूर्वक ०-५ वर्ष के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाएं। पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में बूथ बनाए गए हैं। अभियान के प्रथम दिन बूथों पर ०-५ वर्ष के बच्चों को खुराक पिलाई गई। दूसरे व तीसरे दिन क्रमश: ९ व १० दिसंबर घर-घर जाकर खुराक पिलाना है। डीडीसी ने कहा कि हर हाल में लक्ष्य की प्राप्ति करनी है। जिला स्तर के पदाधिकारी भी क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियान की निगरानी करेंगे। इस बार पंचायत/प्रखंड एवं जिला स्तर से अभियान के सफल आयोजन को लेकर मॉनिटरिंग की जा रही है। अभियान को सफल बनाने के लिए कुल २००५ बूथ बनाया गया है।

खनन विभाग ने चलाया जांच अभियान, एक हाइवा जब्त

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार शनिवार देर रात सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें पिंड्राजोरा थाना अंतर्गत चास-पुरुलिया मुख्य पथ पर पुरुलिया सीमा के सामने निरीक्षण के क्रम में अवैध रूप से कोयला खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए एक हाईवा को पकड़ा गया। जिसे पिंड्राजोरा थाना में जब्त कर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उक्त अभियान में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार एवं सीताराम टुड्डू, पुलिस बल आदि मौजूद थे।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, एक दर्जन एटीएम कार्ड बरामद

दुमका (ससे): जिले के शिकारीपाड़ा थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मोटरसाइकिल से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहे हैं दो साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गिरफ्तार अपराधियों के नाम सरफराज आलम और सिराज अंसारी है। ये दोनों देवघर जिला के सारठ थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने हॉरनेट मोटरसाइकिल के साथ शिकारीपाड़ा कॉलेज के सामने इन्हें पकड़ा और जब उनकी तलाशी ली गई तो एक दर्जन एटीएम कार्ड और छ: मोबाइल बरामद किया गया। बरामद

सभी एटीएम कार्ड लोगों के नाम से है दरअसल ये दूसरों के बैंक खातों के एटीएम कार्ड अपने पास रखते और जब साइबर क्राइम से रुपये उड़ाते तो उन खातों में ट्रांसफर कर एटीएम के माध्यम से निकाल लेते। शिकारीपाड़ा के एसआई आनंद हेंब्रम के बयान पर कांड संख्या ११५/ २४ दर्ज किया गया। जिसमें साइबर अपराध से संबंधित धाराएं लगाई गई।

अब पुलिस इस बात की तहकीकात कर रही है कि इन दोनों के द्वारा किस तरह से साइबर अपराध को अंजाम दिया जा रहा था। साथ ही इन दोनों का मामलों में संलिप्तता है। एस आई आनन्द हेम्ब्रम के बयान पर मामला दर्ज हुआ है।

दबंगों की जमीन पर कब्जे को लेकर मां-बेटी ने किया हंमागा

मैनपुरी,(ईएमएस): डीएम और एसपी की जनशिकायत में एक मां-बेटी ने हंगामा खड़ा कर दिया। डीएम के समझाने के बावजूद वह नहीं मानीं, जिसके बाद डीएम ने मां-बेटी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उन्हें लेकर थाने गई और वहां से उनका चालान काट दिया।

किशनी तहलील क्षेत्र के बहरामऊ की रहने वाले अशोक कुमार की पत्नी राधा देवी अपनी बेटी के साथ डीएम की जनसुनवाई में गई थीं। वहां उन्होंने बताया कि मेड़बंदी के बावजूद दबंग उनकी जमीन पर कब्जा किए हुए हैं। मां-बेटी ने गांव के ही सुनील, अनिल, सुभाष, काशीराम, राकेश और विवेक पर आरोप लगाया कि वह जमीन से कब्जा नहीं छोड़ रहे थे। जबकि राजस्व अधिकारियों ने निशान भी लगा दिया है, लेकिन दबंगों ने दोबारा पैमाइश कराकर निशानों को मिटा दिया और जमीन पर दोबारा कब्जा कर लिया।

मां-बेटी की शिकायत सुनने के बाद डीएम ने आश्वासन दिया कि मामले में कार्रवाई की जाएगी, लेकिन राजस्व कर्मियों के बीच में बोलने पर राधा देवी उनकी बेटी ने डीएम से बहस कर आत्महत्या करने की धमकी दे डाली। डीएम के समझाने के बाबजूद न मानने पर डीएम ने मां-बेटी को पुलिस के हवाले कर दिया, जिससे कोई अप्रिय घटना न हो सके।

बता दें दो दिन पहले ही कलक्ट्रेट परिसर में एक परिवार द्वारा शिकायत करने के दौरान ज्वलनशील पदार्थ अपने ऊपर डालने की घटना हुई थी। उसको देखते हुए जिलाधिकारी मैनपुरी ने सुरक्षा के दृष्टिगत के कदम उठाया। जिस पर पुलिस मां-बेटी को थाने ले आई और शांति भंग के आरोप में चालान काट दिया। दोनों महिलाओं को एसडीएम ने सख्त हिदायत देते हुए कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इस पर जमानत दे दी।

मैनपुरी के जिलाधिकारी ने बताया कि किसी को जेल नहीं भेज गया है। मां-बेटी का जमीन को लेकर विवाद था। उनको आश्वासन भी दिया कि इस पूरे मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

लेकिन मां-बेटी कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थी और बार बार आत्महत्या करने की बात कह रहीं थी।

काम की तलाश में गांव छोड़ पटना पहुंचे मजदूर

पटना (एजेंसी): बिहार में ठंड का असर दिखना शुरू हो गया है. वहीं पछुवा हवा ने कंपकंपी और बढ़ा दिया है. इसके साथ लोगों ने गर्म कपड़ों का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है. ठंड के इस मौसम में कई लोग ऐसे भी हैं जो अपने घर को छोड़कर काम की तलाश में बाहर निकलते हैं. दरअसल राजधानी पटना के कई इलाकों में सुबह मजदूरों का मेला लगता है. जहां हजारों की संख्या में मजदूर इकट्ठा होते हैं. दो-तीन घंटे तक वह किसी एक जगह पर जमा होते हैं और उसके बाद ज्यादातर मजदूर खाली हाथ घर को लौट जाते हैं.

काम की तलाश में ये मजदूर शहर के प्रमुख चौराहे पर इकट्ठा होकर इंतजार करते हैं कि कोई आकार उन्हें अपने साथ ले जाए और काम दे. गांव से शहर की तरफ रोजगार की तलाश में आए मजदूरों को महीने में १० से १२ दिन ही दिहाड़ी मजदूरी पर रोजगार मिल पाता है. प्रतिदिन ५०० और ६०० के हिसाब से लोग उन्हें काम करने के लिए ले जाते हैं. ठंड बढ़ने के साथ इन मजदूरों की समस्या बढ़ने लगी है. शहर में ज्यादा संख्या में रैन बसेरा ना होने की वजह से मजदूरों को फुटपाथ पर रात में सोना पड़ता है. वहीं अत्यधिक ठंड की वजह से आसपास के इलाकों से लकड़ी इकट्ठा कर यह सभी लोग आग के सहारे रात गुजारते हैं. मजदूरों ने सरकार से गुहार लगाई कि मनरेगा सहित कई तरह की सरकारी योजनाएं चलती है लेकिन इन दिनों बंद होने की वजह से उनके सामने बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हो गई है और यही वजह है कि ठंड में घर को छोड़कर राजधानी के फुटपाथ पर सोने को मजबूर हैं.

ट्रक व पिकअप की भिड़ंत में दो की मौत

अमेठी (ईएमएस): अमेठी में लखनऊ-सुल्तानपुर राजमार्ग पर रविवार सुबह ट्रक और पिकअप वाहन की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई, जबकि दो लोग घायल हुए। पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार सुबह करीब पांच बजे नागेश्वर गंज नहर के पास की है जब ट्रक और पिकअप वाहन में टक्कर हो गई।

पुलिस ने बताया कि पिकअप वाहन में सवार सीतापुर जिले के निवासी असगर अली (४०) और शाजिद (उम्र पता नहीं) की मौके पर मौत हो गई। इस घटना में सीतापुर जिले के ही निवासी राजी अहमद और आफताब घायल हुए है। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि पिकअप वाहन सुल्तानपुर के सूरापुर से लखनऊ की ओर जा रहा था और सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गया।

नेता प्रतिपक्ष से 50 लाख की ठगी

लखनऊ (ईएमएस); उत्तर प्रदेश विधानसभा में पुस्तकालय के समीक्षा अधिकारी प्रवेश कुमार मिश्रा पर ५० लाख ठगने का मामला दर्ज हुआ है। आरोप है कि मिश्रा ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे को अपना रिश्तेदार बताकर फर्नीचर का ठेका दिलाने का झांसा दिया। इसके बदले ठेकेदार से ५० लाख रुपए ऐंठ लिए। जब नेता प्रतिपक्ष के संज्ञान में यह मामला आया तो उन्होंते तत्काल स्पीकर को चिट्ठी लिखकर पूरे मामले से उन्हे अवगत कराया। नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है।

जो शिकायत दर्ज की गई है, उसमें आरोप है कि विधानसभा में करोड़ों के फर्नीचर का ठेका दिलाने के नाम पर प्रवेश कुमार मिश्रा ने ५० लाख की ठगी की थी। महानगर कोतवाली में पीड़ित राजू गुप्ता की तहरीर पर ये शिकायत पुलिस ने दर्ज की है। पत्र में कहा गया है कि नामजद आरोपी प्रवेश कुमार मिश्रा मेरे कोई रिश्तेदार नहीं है। प्रत्येक अपराधी और दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त न्याय संगत कार्रवाई का पक्षधर हूं। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए। जानकारी के अनुसार, महानगर कोतवाली में विधानसभा पुस्तकालय के समीक्षा अधिकारी प्रवेश कुमार मिश्रा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

किसान पहली फसल से सजाते हैं माता अन्नपूर्णा का दरबार

वाराणसी,(ईएमएस): काशी अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पूरी ने बताया कि पूर्वांचल के किसान अपने खेतों की पहली फसल को माता अन्नपूर्णा को अर्पण करते हैं और फिर इन्ही धान की बालियों से उनका मंदिर सजाते हैं। मंदिर के गर्भगृह के साथ अन्य जगहों पर भी धान की बालियां सजाई जाती हैं। भक्तों को भी यह श्रृंगार खूब पसंद आता है। बता दें मंदिर के अर्चकों ने मध्याह्न भोग आरती में मां अन्नपूर्णा को स्नान कराया फिर उन्हें नए वस्त्र, आभूषण धारण करा कर धान की बालियों से उनका भव्य श्रृंगार किया।

श्रृंगार के बाद मां अन्नपूर्णा की आरती उतारी गई। फिर आम भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के साथ ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी है आज के इस खास श्रृंगार के साथ ही माता अन्नपूर्णा का १७ दिन का महाव्रत का भी समापन हो गया। इस दौरान मंदिर में व्रत रखने वाली महिलाओं की भी भीड़ दिखी। धन, ऐश्वर्य और सौभाग्य के लिए महिलाएं यह व्रत रखती हैं। मां के दरबार में महिलाओं के साथ पूर्वांचल के कई जिलों के किसानों ने भी मत्था टेका।

कुबेर टीले का भी दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु

अयोध्या,(ईएमएस): अयोध्या में राम मंदिर का काम तेजी से चल रहा है। यह साल २०२५ तक पूरा होने की संभावना है। इसको लेकर निर्माण कार्य में लगी संस्थाएं तेजी से काम कर रही हैं। इसी बीच खबर आई रही है। यहां राम भक्त बीते २२ जनवरी को राम मंदिर में विराजमान हुए थे। प्रभु राम के विराजमान होने को करीब एक साल पूरा होने वाला है। यह साल २०२५ के फरवरी में राम भक्त प्रभु राम के साथ-साथ सप्त मंदिर के अलावा कुबेर टीले का भी दर्शन कर सकेंगे।

राम मंदिर परिसर में केवल राम भक्त हजारों की संख्या में दर्शन करते थे लेकिन अब फरवरी २०२५ में राम मंदिर में सप्त मंदिर के साथ कुबेर टीले का भी दर्शन कर सकेंगे। वह परिसर में बन रहे।

हर एक मंदिर का दर्शन पूजन कर सके। उनकी मनसा अनुरूप राम मंदिर ट्रस्ट ने एक बड़ा फैसला राम भक्तों के हित में लिया है। अयोध्या पहुंचे भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने बताया कि राम मंदिर परिसर में बनने वाले सप्त मंदिरों का निर्माण भी २०२५ के फरवरी में पूरा हो जाएगा।

इसके बाद राम भक्त राम मंदिर के साथ-साथ सप्त मंदिर के भी दर्शन कर सकेंगे। कुबेर टीले पर स्थित जटायु के दर्शन भी राम भक्त फरवरी में कर सकेंगे।

गोरखपुर से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में दिसंबर तक नो रूम

गोरखपुर,(ईएमएस): दिल्ली, मुंबई, पुणे, केरल और बेंगलुरु जाने वाले हो जाएं सावधान। १५ दिसंबर तक सभी प्रमुख ट्रेनों में करीब नो रूम है। गोरखपुर से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेन में दिसंबर तक कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। वेटिंग टिकटों की बिक्री भी बंद है। तत्काल टिकटों के लिए रेलवे के काउंटरों पर लंबी-लंबी लाइनें नअर आ रही हैं। जनरल कोचों की बात तो पूछों ही नहीं वहां पैर रखने तक की जगह नहीं है। स्टेशन के बाहर कन्फर्म टिकट के लिए अफरातफरी मची है। अंदर ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी है। धक्का-मुक्की हो रही है।

दिल्ली जाने वाली किसी भी ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। तत्काल का भी अकाल है। प्राइवेट बस से जाने के लिए लोग तैयारी हैं, लेकिन बस में भी ढाई से तीन हजार रुपए प्रति व्यक्ति किराया मांगा जा रहा है। त्योहारों और शादी समारोह में घर आए पूर्वांचल के हजारों लोग वापस जाने के लिए परेशान हो रहे हैं। लोगों की नए साल में परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान है। गोरखपुर से बनकर गोरखधाम, हमसफर, कुशीनगर, गोरखपुर-एलटीटी, गोरखपुर-पुणे और कोचीन आदि दिल्ली, मुंबई, पुणे, केरल और बेंगलुरु जाने वाली ट्रेनें ही नहीं बिहार से चलने वाली वैशाली, बिहार संपर्क क्रांति, सप्तक्रंति और सत्याग्रह गाड़ियां भी पूरी तरह फुल चल रही हैं।

ट्रेनों में जगह नहीं है, ऊपर से रेलवे प्रशासन ने दिल्ली जाने वाली १२५९५ हमसफर और गोरखपुर-आनंदविहार साप्ताहिक आदि कुछ प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को फरवरी तक निरस्त कर दिया है। ट्रेन १२५५५/७८ गोरखधाम है, वह भी अब बठिंडा तक जाती है। इस ट्रेन में कन्फर्म टिकट ही नहीं मिलता है। स्थिति यह है कि १२५५५ में १५ दिसंबर तक किसी भी श्रेणी में वेटिंग टिकट भी नहीं है। इस ट्रेन में एक जनरल कोच बढ़ने के बाद भी पैर रखने की जगह नहीं है।

क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरय सीसी) के सदस्य का कहना है कि दिल्ली जाने के लिए भी लोगों को धक्के खाने पड़ रहे हैं। गोरखपुर और बस्ती मंडल के दो करोड़ से ज्यादा की आबादी के लिए नियमित सिर्फ दो ट्रेनें हैं। उनमें भी जनरल यात्रियों के लिए महज चार सौ सीटें हैं। जो ट्रेनें चल रही हैं, उनमें न कन्फर्म टिकट है और न जनरल कोचों में बैठने की जगह। लोगों को धक्के खाने पड़ रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि त्योहारों में यात्रियों की मांग के मुताबिक रिकार्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के कई रूटों पर २५९ स्पेशल ट्रेनें १७२५ फेरा में चलाई गई हैं।

अभी भी मांग के मुताबिक कई रूटों पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। मांग बढ़ी तो और स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने क्षमता विस्तार का कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

अभ्यर्थियों को किसी के भी बहकावे में नहीं आने की दी गयी सलाह

डिप्टी सीएम ने कहा कि जैसे ही छात्रों के मुद्दे खड़े हुए, तुरंत ही बीपीएससी की तरफ से जवाब देने का काम किया गया.

पटना (एजेंसी): बिहार लोक सेवा आयोग की ७०वीं संयुक्त परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन को लेकर छात्रों का विरोध-प्रदर्शन अबतक जारी है. इस मामले में राजनीति भी खूब हो रही है. इसी बीच डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अभ्यर्थियों को किसी के भी बहकावे में न आने की सलाह दी है. डिप्टी सीएम ने कहा कि छात्र सिर्फ बीपीएससी पर ध्यान दें, किसी और भ्रम में न पड़ें. सम्राट चौधरी ने कहा कि छात्रों की समस्याओं का हल हो चुका है. सरकार उनके साथ खड़ी है. डिप्टी सीएम ने बताया कि सरकार ने उनकी मांगों को मान लिया है. आयोग ने भी सब कुछ स्पष्ट कर दिया है. सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि बिहार सरकार उन छात्रों के साथ है, जो बीपीएससी की परीक्षा दे रहे हैं या उसकी तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि आप जो बात कह रहे थे, जिसके लिए आप प्रदर्शन कर रहे थे, आयोग ने उस पर अपना पत्र जारी कर दिया है. अब छात्र को अपनी परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए.

इस पूरे मुद्दे पर आयोग की तरफ से एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है जिसमें बताया गया है कि १३ दिसंबर को आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया अपनाये जाने संबंधित भ्रामक खबरें विभिन्न सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर चलाई जा रही हैं. आयोग खुद भी नहीं जानता है कि नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया अपनाए जाने सम्बन्धी भ्रामक खबर कैसे और कहां से उत्पन्न हुई. आयोग ने साफ कहा कि नॉर्मलाइजेशन अपनाये जाने संबंधी कोई प्रस्ताव ही नहीं था.

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने प्रयागराज जंक्शन का किया निरीक्षण

प्रयागराज (ईएमएस); महाकुंभ २०२५ के लिए रेलवे की तैयारियों की समीक्षा के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रयागराज के दौरे पर आने से एक दिन पहले रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार ने प्रयागराज जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया। इस बारे में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि कुमार ने महाकुंभ २०२५ की तैयारियों के निरीक्षण के क्रम में सबसे पहले यात्री आश्रय का निरीक्षण किया और वहां प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा बूथ, जन सुविधाएं, खानपान की व्यवस्था को बारीकी से देखा और इन व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

पटना एयरपोर्ट से जल्द उड़ान भरेंगे इंटरनेशनल फ्लाइट

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में स्थित जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है. यात्रियों को जल्द ही यहां से इंटरनेशनल विमानों की सुविधा मिलने वाली है. इसके लिए पटना एयरपोर्ट के रनवे विस्तार को लेकर चर्चा हो रही है. ताकि बड़े विमानों को यहां उतारते समय होने वाली परेशानी को दूर किया जा सके.

पटना एयरपोर्ट के रनवे को बढ़ाने के लिए दानापुर मंडल में रेलवे फाटक संख्या-३३ स्थित फुलवारी गुमटी के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का रेलवे अंडरपास टनल (सुरंग) बनाने का प्रस्ताव दिया गया है.

इस प्रस्ताव के पास होने के बाद पटना एयरपोर्ट पर रनवे का भी आसानी से विस्तार हो सकेगा. इसके लिए पटरी के नीचे बनने वाले अंडरपास के दोनों एप्रोच टनल (वायरल लेंथ) को बढ़ाया जाने वाला है. जिसे पचना एयरपोर्ट के रनवे को भी टनल के ऊपर आगे की तरफ २० से २५ मीटर तक बढ़ाया जाएगा.

अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई कम होने के कारण यहां बड़े विमानों को उतरने समय काफी परेशानी होती है. इसी समस्या से निजात पाने के लिए फुलवारी गुमटी पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की टनल निर्माण कराने का विचार किया जा रहा है, ताकि एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई बढ़ाने में आसानी हो. वहीं पटना एयरपोर्ट का नया टर्मिनल भवन भी २०२५ तक बन तक तैयार हो जाएगा. पटना एयरपोर्ट के नए विश्वस्तरीय टर्मिनल भवन का निर्माण ६५११५ वर्ग मीटर में किया गया है.

यहां व्यस्ततम समय के दौरान एक साथ ३००० यात्रियों को सुविधा मिलेगी. वहीं इसके विस्तार होने के बाद यात्रियों की सालाना क्षमता १ करोड़ हो जाएगी. नए टर्मिनल भवन का डिजाइन नालंदा के अवशेषों से प्रेरित होकर बनाया गया है और उसकी भीतरी हिस्सा मधुबनी चित्रकला से सजाए जाएंगे.

सूझबूझ दिखाकर छात्रा किडनेपर्स के चंगुल से छूटी

पटना (ईएमएस): पटना के बिहटा में होने वाली एक घटना ने लोगों को हैरान कर दिया। क्लास ४ की एक छात्रा को स्कॉर्पियो सवार तीन बदमाशों ने अपहरण करने की कोशिश की, लेकिन उसने बड़ी बहादुरी दिखाई और अपने आपको उनके हाथों से छुड़ा लिया। घटना के अनुसार छात्रा घर से स्कूल जा रही थी जब बदमाशों ने उसे जबरन अपहरण कर लिया। इन अपराधियों का मकसद केवल पैसे नहीं था, बल्कि उन्होंने छात्रा को गाड़ी में बंद करके जान से मारने की धमकी भी दी।

तब एक अद्वितीय सूझबूझ के कारण, छात्रा ने उनकी गाड़ी की डिक्की खोली और फिर दौड़कर मॉल पहुंच गई। वहां उसने अपनी मदद के लिए लोगों से संपर्क किया और खुद को सुरक्षित पाया। इस घटना के बाद छात्रा के परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पटना के इस घटनाक्रम ने सामाजिक सुरक्षा को संकेत दिया है और साथ ही दर्शाया है कि हमारी बच्चों को संरक्षण प्राथमिकता देना चाहिए।

बिहार जल्द ही मेट्रो शहरों की फेहरिस्त में होगा शामिल

पटना (एजेंसी): बिहार जल्द ही मेट्रो शहरों की फेहरिस्त में शामिल होने वाला है. राजधानी पटना में मेट्रो का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने को है. वहीं इसके बाद मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा और गया में भी मेट्रो दौड़ाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. हाल ही में गया में कॉरिडोर रूट का सर्वे करने के बाद उनकी रिपोर्ट सामने आ गई है. जिसके बाद अब संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही मुजफ्फरपुर, भागलपुर और दरभंगा के कॉरिडोर रूट की रिपोर्ट आ जाएगी. संभावना है कि दिसंबर माह तक इन शहरों की रिपोर्ट आ जाएगी.

सर्वे का काम कर रही राइट्स (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस) लिमिटेड एजेंसी ने नगर विकास एवं आवास विभाग से सर्वे रिपोर्ट के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा था, जिसके लिए सहमति भी मिल चुकी है. रिपोर्ट मिलने के बाद इन शहरों में मेट्रो परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा. गया मेट्रो की अगर बात करें तो इसे दो कॉरिडोर में बनाया जाएगा और इसकी कुल लंबाई ३६ किलोमीटर होने वाली है. गया मेट्रो में कुल २८ स्टेशन बनाए जाएंगे. गया मेट्रो के निर्माण में कुल ७६३३ करोड़ खर्च होने वाले हैं.

गया कॉरिडोर एक को आईआईएम से गया रेलवे स्टेशन होते हुए सनसिटी चाकन्द तक बनाया जाएगा. आईआईएम से सनसिटी चाकन्द के बीच कुल १८ स्टेशन मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे. वहीं कॉरिडोर टू को पहाड़पुर से लखनपुर बनाया जाएगा. इस कॉरिडोर में कुल १० मेट्रो स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा.मेट्रो के प्रस्तावित प्रोजेक्ट को मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा के घनी आबादी क्षेत्र से निकाला जाएगा. फिजिबिलिटी रिपोर्ट में इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि मेट्रो एलिवेटेड होगी या भूमिगत. मेट्रो का रूट क्या होने वाला है जिसमें कम से कम आवासीय मकान प्रभावित हों. इसके अतिरिक्त राइट्स लिमिटेड एक विस्तृत परिचालन योजना (मोबिलिटी प्लान) और वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट भी तैयार करने वाली है.

बीपीएससी नॉर्मलाइजेशन विवाद में खान सर की बढ़ सकती है मुश्किलें

पटना (एजेंसी): बिहार के प्रसिद्ध कोचिंग संचालक खान सर की सेहत को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. दरअसल, बीपीएससी ऑफिस पर प्रदर्शन कर रहे छात्र छात्राओं पर लाठीचार्ज की घटना के बाद खान सर खुद सड़क पर उतर आए थे. जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी की खबर सामने आई थी. हालांकि, पुलिस ने इस तरह की खबरों को अफवाह बताते हुए खान सर की गिरफ्तारी का खंडन किया था. इसके बाद खान सर की अस्पताल से तस्वीरें सामने आईं. खान सर का खउण में इलाज चल रहा है. इसकी पुष्टि प्रभात मेमोरियल हीरामती हॉस्पिटल के एमडी ने की है.

डॉक्टर ने बताया कि खान सर को डिहाइड्रेशन और तेज बुखार की शिकायत पर भर्ती कराया गया था. उनको स्पेशल केयर यूनिट में रखा गया है. उन्हें ऑक्सीजन का सपोर्ट दिया गया है और ग्लूकोज भी चढ़ाया जा रहा है. डॉक्टर ने कहा कि कुछ टेस्ट होने हैं, उनका रिजल्ट सही आने पर खान सर को आज यानी रविवार (८ दिसंबर) को डिस्चार्ज किया जा सकता है. डॉक्टर ने बताया कि खान सर का शरीर काफी डिहाईड्रेट हो चुका है, जिसकी वजह से उनको स्लाइन चढ़ानी पड़ रही है.

उधर बीपीएससी नॉर्मलाइजेशन विवाद में खान सर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. अफवाह फैलाने को लेकर उनके कोचिंग संस्थान के ऑफिसियल ट्विटर हैंडल पर गर्दनीबाग थाने में ऋ्रुढ दर्ज की गई है. पुलिस का आरोप है कि इस हैंडल के जरिए खान सर की गिरफ्तारी का भ्रामक पोस्ट किया गया था.

बिहार के तापमान में भी लगातार हो रही है गिरावट

पटना (एजेंसी): दिसंबर का महीना जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है बिहार के तापमान में भी लगातार गिरावट हो रही है. पहले हफ्ते में ही रात का तापमान ९ओस से नीचे पहुंच गया है. वहीं सर्द पछुआ हवा के कारण दिन के तापमान में भी लगाचार गिरावट हो रही है. राज्य के १३ शहरों का न्यूनतम तापमान भी १०ओस से कम रिकॉर्ड किया गया है. इतना ही नहीं मौसम विभाग ने तो अब राज्य में अब बारिश का भी अलर्ट जारी कर दिया है. बिहार के कई जिलों में आज और कल बारिश होने की संभावना जताई गई है.

मौसम विभाग की मानें तो उत्तर पश्चिम भारत के पश्चिम में एक पश्चिमी विक्षोभ बना है. इसके साथ ही उत्तर पूर्व असम के पास अभी भी एक चक्रवातीय परिसंचरण मौजूद है. इन संयुक्त प्रभाव से बिहार में आज और कल का मौसम बिगड़ा हुआ रहेगा. ८ दिसंबर यानी आज उत्तर पूर्व बिहार और दक्षिण बिहार के सभी जिलों के आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है. मौजूदा हालात की अगर बात करें तो दोपहर के समय धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलती है, लेकिन सुबह और शाम होते ही ठंड में बढ़ोतरी हो जाती है. पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सर्द पछुआ हवा से कड़ाके की ठंड के बीच अब मौसम बिगड़ने वाला है.साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने का भी पूर्वानुमान है. इसी तरह, ०९ दिसंबर को भी दक्षिण मध्य, दक्षिण पूर्व बिहार और उत्तर पूर्व बिहार के जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है.पश्चिमी विक्षोभ की वजह से रात और दिन के तापमान में अभी और गिरावट देखने को मिलेगी.

सांसद छत्रपाल ने पल्स पोलियो बूथ का किया उद्घाटन

बरेली (ईएमएस): सांसद छत्रपाल गंगवार ने महिला जिला अस्पताल में पल्स पोलियो बूथ का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद छत्रपाल ने नवजात बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई और सभी से बच्चों को दवा पिलाने की सलाह दी। इस मौके पर सांसद छत्रपाल गंगवार ने डॉक्टरों की तारीफ कर कहा कि आप ही लोग जनजीवन की चिंता करते है उसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद्।

इस मौके पर तमाम महिलाएं अपने नवजात बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने आई। सभी ने आयोजन को खास बताया और कहा कि वह अपने अपने बच्चों को कार्ड के मुताबिक दवा पिलायेंगी ताकि वह स्वस्थ्य रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विश्राम सिंह, सीएमएस अलका शर्मा सहित, महिला अस्पताल के कई डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

चाचा नीतीश से नहीं संभल रहा बिहार : तेजस्वी

पटना (ईएमएस): बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज को राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने छात्रों के भविष्य संग खिलवाड़ बताया है। तेजस्वी के मुताबिक बिहार में अफसरशाही चरम पर है। प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा, देखिए लाठीचार्ज हुआ है और यह लाठी डंडे वाली सरकार है। अफसरशाही पूरे चरम पर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होश में नहीं हैं। नहीं जानते बिहार में क्या हो रहा है। सच यह है कि चाचा नीतीश से बिहार चल नहीं पा रहा है। लगातार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। तेजस्वी ने पूछा कि मुख्यमंत्री बताएं कि सर्वर डाउन होने की वजह से जो युवा परेशान हैं, लाखों अभ्यर्थियों जो फॉर्म नहीं भर सके हैं। इसके लिए दोषी छात्र-छात्राएं नहीं हैं। बिहार सरकार को छात्रों को मौका देना चाहिए। सर्वर को एक-दो दिन के लिए खोल देना चाहिए। जिससे लाखों छात्र फॉर्म भर सकें।

इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी करना चाहती हैं। जब इस बारे में तेजस्वी से प्रतिक्रिया मांगी गई, तब उन्होंने कहा अभी इस पर जवाब नहीं दूंगा। बता दें कि ६ दिसंबर को पटना में बीपीएससी के सामने विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों को तितर बितर करने के लिए लाठीचार्ज हुआ था।

बिहार को नहीं मिला एक भी नया केंद्रीय व नवोदय विद्यालय

पटना (एजेंसी): केंद्र सरकार ने शिक्षा जगत में क्रांतिकारी बदलाव के लिए बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत पूरे देश में केंद्रीय और जवाहर नवोदय विद्यालय की संख्या में बढ़ोत्तरी की जा रही है. मोदी सरकार ने देश भर में ८५ नए केंद्रीय और २८ नए जवाहर नवोदय विद्यालयों को खोलने का फैसला लिया है. केंद्र सरकार की ओर से इसके लिए ८,२३१ करोड़ रुपए का बजट भी मंजूर कर दिया गया है.

हालांकि केंद्र सरकार की इस नई योजना में बिहार को बड़ा झटका लगा है क्योंकि बिहार में न तो एक भी नया केंद्रीय विद्यालय और ना ही कोई नया जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने को मंजूरी दी गई है.

जिसके बाद अब लोगों ने इसका विरोध भी करना शुरू कर दिया है. सोशल मीडिया पर विरोध जताते हुए एक यूजर ने लिखा कि जम्मू कश्मीर को १३ केंद्रीय विद्यालय और बिहार को ० केन्द्रीय विद्यालय क्यों? बिहार से सीट जीतकर केंद्र में सरकार हम बनाएं और ये दूसरे राज्यों का विकास कर रहे हैं. यूजर ने पीएम नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार को अछूत बनाकर रखने की नीति नहीं चलेगी. सरकार की इस नीति का पूरी तरह विरोध होगा इंतजार कीजिये.

बता दें कि मौजूदा समय में देश के विभिन्न राज्यों को मिलाकर कुल १२५३ केंद्रीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं. वहीं पूरे देश में कुल ६६१ जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) भी हैं. बिहार में एकमात्र रीजन पटना ही है. इसके अंतर्गत राज्य में कुल ४९ केंद्रीय विद्यालय है. वहीं बिहार में कुल ३९ नवोदय विद्यालय है, जिसमें हर साल कक्षा छह में नामांकन लिया जाता है.

मंजूर किए गए ८५ केंद्रीय विद्यालयों में सबसे ज्यादा १३ केंद्रीय विद्यालय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में खुलने वाले हैं. वहीं अरुणाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा ८ नए जवाहर नवोदय विद्यालय खोले जाएंगे.

बिहार में हजारों एकड़ खास महल जमीनों को कब्जा मुक्त कराएगी सरकार

पटना (एजेंसी): बिहार में सरकारी जमीनों को अवैध कब्जे से मुक्त कराने में सरकार जुट गई है. बेतिया राज की जमीन के बाद अब सरकार की नजर खास महल की जमीनों पर है. खास महल की हजारों एकड़ जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है. बिहार में खास महल की करीब चार हजार एकड़ जमीन है. राज्य के १२ जिलों में ४१९३ एकड़ जमीन खास महल की है. अकेले पटना में ही १३७ एकड़ व बक्सर में १०८ एकड़ जमीन खास महल की है. इन जमीनों को अवैध कब्जा से मुक्त कराने के लिए सरकार बड़े पैमाने पर अभियान चलाने जा रही है.

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने स्पष्ट कहा है कि खास महल की जमीन जिन लोगों के कब्जे में है वे या तो जमीन का भाड़ा दें, या फिर जमीन खाली कर दें. उन्होंने कहा कि खास महल की जमीन लोगों को आवास के लिए लीज पर दी गई थी, लेकिन लीज का उल्लंघन कर जमीनों का व्यवसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है. इन जमीनों पर अपार्टमेंट तक बना लिए गए हैं. मंत्री ने कहा कि प्रावधानों के अनुसार इन जमीनों पर दो मंजिल से अधिक निर्माण नहीं किया जा सकता है. राजधानी पटना में खास महल की ज्यादातर जमीनों पर अवैध कब्जा है, जिसे मुक्त कराया जाएगा. मंत्री ने बताया कि इन जमीनों पर दो सौ करोड़ से अधिक टैक्स बकाया है. सरकार इसको लेकर जल्द ही कानून लाने जा रही है.

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई-निविदा सूचना

सं. सीओएस/ सीआरजे / पीयूबी / ई-निविदा/ 19/0162, दिनांक: 04/12/2024। निम्नलिखित ई-निविदाएं www.ireps.gov.in लिंक के अंतर्गत देखी जा सकती हैं। ऐसी ई-निविदा के लिए प्रस्ताव केवल www.ireps.gov.in लिंक → लॉगिन → ई-निविदा स्टोर्स/सप्लाई पर जाकर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किए जा सकते हैं। विक्रेता किसी विशेष निविदा या आईआरईपीएस से संबंधित जानकारी के लिए निम्नलिखित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर सकते हैं: उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (मुख्यालय)/ सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, 0341-2525594 या वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक (सीओएन)/मुख्यालय, 0341-2535631। कार्यालय का पता: प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक कार्यालय / सीएलडब्ल्यू / चित्तरंजन। क्रम संख्या: [1]। निविदा संख्या: 81240179ए। आइटम का संक्षिप्त विवरण: स्टेटर स्लॉट वेज, सीएलडब्ल्यू ड्रॉइंग संख्या 4टीडब्ल्यूडी.096.050 अल्ट-3, विनिर्देशन संख्या 4टीएमएस.096.103, एसटीआर संख्या सीएलडब्ल्यू/टीएम/एसटीआर12060 संशोधन-1। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। मात्रा: 293007.00 संख्या। बयाना राशि (रुपये): ₹124470.00। निविदा की अंतिम तिथि और समय (आईएसटी): 30/12/2024, प्रातः 11:00 बजे।

PR6/726 पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन

Like us on : www.facebook.com/clwrailways

रेफरी बनाने का लालच देकर महिला खिलाड़ी के साथ किया गंदा काम

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार एक तरफ खेल को बढ़ावा देने के लिए तरह-तरह के कदम उठा रही है, वहीं, दूसरी तरफ खेल संघ के अधिकारी अपनी करतूतों से खिलाड़ियों का मनोबल गिरा रहे हैं. नया मामला भारोत्तोलन की एक महिला खिलाड़ी से जुड़ा है. महिला खिलाड़ी ने खेल संघ के अधिकारी पर यौन शोषण का आरोप लगाया है.

दर्ज शिकायत में उसने कहा है कि उसके अधिकारी ने 'खुश' करने की शर्त पर उसके कैरियर को बेहतर बनाने की बात कही लेकिन साथ ही यह भी धमकाया कि अगर मुझे खुश नहीं करोगी तो मैं तुम्हारा कैरियर बर्बाद कर दूंगा. महिला खिलाड़ी ने बताया कि वह पूर्व राज्य भारोत्तोलन खिलाड़ी और भारोत्तोलन की लेवल -२ की तकनीकी पदाधिकारी है. इसके बावजूद राज्य व राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में उसका नाम तकनीकी पदाधिकारी के रूप में शामिल नहीं किया गया.

इसकी जानकारी लेने के लिए उसने पिछले ४ दिसंबर की दोपहर योजना एवं विकास विभाग व बिहार वेटलिफ्टिंग संगठन के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार केसरी को उनके मोबाइल पर फोन कर इसके बारे में जानकारी लेनी चाही. केसरी ने महिला खिलाड़ी को ६ दिसंबर को सुबह १० बजे कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र खेल परिसर के बिहार वेटलिफ्टिंग संगठन कार्यालय बुलाया. ५ दिसंबर को अरुण कुमार ने महिला के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज कर कहा कि मैं राजगीर जा रहा हूं, तुम ७ दिसंबर को आओ. ७ दिसंबर की दोपहर महिला खिलाड़ी कंकड़बाग स्थित बिहार वेटलिफ्टिंग कार्यालय पहुंची.

उस समय केसरी कार्यालय में अकेले थे. महिला खिलाड़ी का आरोप है कि बातचीत के दौरान अरुण कुमार केसरी ने उससे कहा कि यदि तुम मुझे कमरे में खुश कर दोगी तो ठीक, वरना तुमको किसी भी प्रतियोगिता में रेफरी के रूप में काम करने नहीं दूंगा. तुम्हारा करियर बर्बाद कर दूंगा. इसके बाद केसरी ने कार्यालय का कमरा बंद कर दिया और महिला के साथ अश्लील हरकत और जोर जबरदस्ती की. महिला के मना करने पर भी अरुण कुमार केसरी उसके कपड़े खोलने लगा और जबरदस्ती की. केसरी ने अपना पूरा कपड़ा खोल लिया और महिला के सामने नग्न होकर उससे चिपकने लगा. महिला किसी तरह अपने आप को बचाते हुए कार्यालय का कमरा खोलकर बाहर भागी और तुरंत पुलिस को फोन कर मामले की सूचना दी. पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और महिला के साथ कार्यालय गई, तब तक केसरी कार्यालय बंद कर फरार हो चुका था.

अनियंत्रित कार ने ५-६ को कुचला

पटना (एजेंसी): बिहार में ठंढ व कोहरे का दौर शुरू होते ही सड़क हादसों में लगातार वृद्धि हो रही है. ताजा घटना राजधानी पटना की है. एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे पैदल चल रहे छह राहगीरों को कुचल दिया. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. पूरी वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है. घटना पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के नेहरूनगर मेन रोड की है, जिसमे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ५-६ लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गई. घटना के सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, वीडियो में यह स्पष्ट दिख रहा है कि कार किस तरीके पैदल चल रहे राहगीरों को कुचलते हुए निकल गई और आगे जाकर एक ठेले से टकराकर रुक गया.

असली मुद्दा वैध शरणार्थियों को बसाना नहीं, बल्कि लाखों अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों व बांग्लादेशियों की मौजूदगी है: भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कहा कि असली मुद्दा वैध शरणार्थियों को बसाना नहीं है, बल्कि लाखों अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशियों की मौजूदगी है, जो न केवल दिल्ली में बल्कि अन्य राज्यों में भी हैं। इससे पहले आप ने भाजपा पर शहर में रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का आरोप लगाया और सार्वजनिक रूप से उनकी निंदा की। इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुएसाथ ही भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निराधार बयानबाजी करने का आरोप लगाया।

एक बयान में मुख्यमंत्री आतिशी, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत आप के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा एक्स पर २०२२ की एक पोस्ट को सबूत के तौर पर पेश किया, जो दिल्ली के बक्करवाला इलाके में ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) फ्लैटों में रोहिंग्या मुसलमानों को आवास देने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संलिप्तता का सबूत है।

सिसोदिया ने हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हरदीप पुरी के ट्वीट से साबित होता है कि भाजपा ने रोहिंग्याओं का विरोध करने का दिखावा करते हुए उन्हें दिल्ली में बसाने की साजिश रची।

उन्होंने उन्हें ईडब्ल्यूएस फ्लैट, सुरक्षा और सुविधाएं प्रदान कीं, लेकिन अपनी नफरत भरी बयानबाजी से जनता को गुमराह किया। यह भाजपा की गंदी और धोखेबाज राजनीति है। आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जब से उनकी पार्टी ने अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशियों को नागरिकता से वंचित करने और उन्हें देश से बाहर निकालने का अभियान शुरू किया है, तब से केजरीवाल और अन्य आप नेता दिल्ली को प्रभावित करने वाले मुख्य मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए निराधार बयानबाजी कर रहे हैं।

भाजपा द्वारा जारी बयान में सचदेवा के हवाले से कहा गया, असली मुद्दा कानूनी शरणार्थियों का बसना नहीं है, बल्कि लाखों अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की मौजूदगी है, जो न केवल दिल्ली में बल्कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों में भी हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि आप ने २०२२ में भी रोहिंग्या घुसपैठियों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, हमने तब भी कहा था और अब भी दोहराते हैं कि शरणार्थी एक अलग मामला है, लेकिन घुसपैठियों को फ्लैटों में नहीं, बल्कि डिटेंशन कैंपों में रखा जाना चाहिए।

बिहार में तेजी से गिर रहा है पारा, बढ़ी ठंड

पटना (एजेंसी): दिसंबर का महीना शुरू होने के साथ ही बिहार में ठंड भी बढ़ने लगी है.पछुआ हवा चलने के कारण राज्य का न्यूनतम तापमान बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल में ८-१० डिग्री दर्ज किया गया. वहीं बाकी जिलों में भी न्यूनतम तापमान १०-१२ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य के उत्तरी भागों में कुहासा छाया रहेगा. आने वाले दिनों में राज्य में कुहासा और बढ़ेगा. राज्य में सबसे अधिक तापमान औरंगाबाद में २९.६ डिग्री और सबसे कम डेहरी में १०.२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

मौसम विभाग के अनुसार, २० दिसंबर से पूरे राज्य में कड़ाके की ठंड महसूस होगी. १५ दिसंबर से १५ जनवरी तक प्रदेश में हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस की जाएगी. ठंड बढ़ने से रबी की फसल अच्छी होने की संभावना है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के संख्यात्मक मॉडल के विश्लेषण के अनुसार ०८-०९ दिसम्बर २०२४ से उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित करने की संभावना है. साथ ही एक चक्रवातीय परिसंचरण उत्तर-पूर्व असम में समुद्र तल से औसत ३.१ किलोमीटर ऊपर बना है. इस दौरान निचले वायुमंडल में पूर्वी एवं पश्चिमी हवाओं के समिश्रण होने से बिहार राज्य के मौसम में परिवर्तन होने की संभावना है.

जिसके परिणाम स्वरूप इस अवधि के दौरान राज्य के अधिकांश भागों के एक या दो स्थानों में हल्के से मध्यम स्तर की वर्षा होने की संभावना है.

ऐसे मौसम के मौसम विभाग ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि कटे तथा खुले स्थान में रखे हुए फसल को सुरक्षित स्थान पर भण्डारण करने की व्यवस्था कर ले ताकि पानी/नमी से फसल का बचाव हो सके. इस मौसम के फसलों पर प्रभाव तथा निवारण के उपाय से संबंधित जानकारी भारत मौसम विभाग एवं राज्य के कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से जारी होने वाले कृषि परामर्शदात्री बुलेटिन का अनुसरण कर सकते है.

शंभू बॉर्डर पर पहले किसानों पर बसाए फूल, फिर आंसू गैस के गोले छोड़े

चंडीगढ़ (ईएमएस): पंजाब के १०१ किसान रविवार दोपहर १२ बजे पैदल शंभू बॉर्डर से दिल्ली के लिए रवाना हुए, लेकिन बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोक लिया। जिसके बाद पुलिस और किसानों के बीच बहस हुई।

हरियाणा पुलिस ने किसानों से दिल्ली जाने की अनुमति का पत्र मांगा है। उनका कहना है कि बिना परमिशन के वे दिल्ली नहीं जा सकते। इसके बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इस पर हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, इस पर किसान पीछे की तरफ भागे। करीब २ घंटे बाद हरियाणा पुलिस ने किसानों पर फूल भी बरसाए। इसके बाद आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। जिसमें ४ किसान घायल हुए। इससे पहले एक किसान घायल हुआ था। अब तक ५ किसान घायल हो चुके हैं।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर का कहना हैं कि हमारे द्वारा १०१ किसानों की लिस्ट जारी की है। उधर, हरियाणा पुलिस का कहना है कि हम पहले किसानों की पहचान करने वाले और फिर उन्हें आगे जाने दिया जाएगा। हमारे पास १०१ किसानों के नामों की लिस्ट है और वे (किसान) लोग नहीं हैं। वे हमें अपनी पहचान नहीं करने दे रहे हैं। किसान हथियार लेकर आए हैं। वहीं हरियाणा और पंजाब पुलिस ने मीडिया को दूर से कवरेज करने की सलाह दी है। किसान केंद्र सरकार से फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के कानून सहित १३ मांगें कर रहे हैं। हरियाणा पुलिस: किसानों को रोकने के लिए पुल के ऊपर और नीचे करीब १००० जवान तैनात किए हैं। ३ वज्र वाहन खड़े किए। आंसू गैस के गोलों के डिब्बे रखे हैं।

किसान: घायलों को ले जाने के लिए १० एंबुलेंस के अलावा ७ गाड़ियां तैनात की हैं। आंसू गैस के गोलों से निपटने के लिए ५०० मीटर के दायरे में पानी के टैंकरों और बोरियों का इंतजाम किया है। किसानों को चश्मे और मास्क के साथ नमक भी दिया है। दरअसल, आंसू गैस से सांस लेने में दिक्कत होती है। नमक चाटने से राहत मिलती है।

17 सूत्री मांगों पर इनमोसा ने की प्रबंधन से वार्ता

धनबाद (कासं) : रविवार को कुश कुमार सिंह के नेतृत्व में इनमोसा का एक प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक तकनीकी संजय कुमार सिंह से १७ सूत्री मांगों पर एजेंडा मीटिंग की। १७ सूत्री मांगों में सभी समितियां में इनमोसा की भागीदारी सुनिश्चित करने, माइनिंग तकनीकी में बदलाव को देखते हुए माइनिंग सरदार एवं ओवरमैन को प्ब्ड् रांची में ट्रेनिंग देने, रेस्क्यू ट्रेड सुपरवाइजर के करियर ग्रोथ के लिए सेपरेट कैडर स्कीम बनाने, रेस्क्यू ट्रेड सुपरवाइजर को चार्ज अलाउंस देना, रेस्क्यू स्टेशन एवं रेस्क्यू रूम के नवीनीकरण के साथ साथ रेस्क्यू अलाउंस को रिव्यू करना और मुनीडीह लोंगेवाल का चार्ज अलाउंस को कमेटी बनाकर रिव्यू के लिए कमेटी गठित करना, सभी

मीनिंग सुपरवाइजर के लिए ड्रेस कोड जारी करना, माइनिंग सुपरवाइजर की कमी को जल्द से जल्द भरने, खदानों में डीजीएमएस द्वारा निर्गत गाइडलाइन का पालन करने, कंपनी स्तरीय माइनिंग सुरक्षा सेमिनार आयोजित कराने, खदानों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से एमडीओ मोड से संचालित खदानों में नियंत्रण पदाधिकारी की रूपरेखा स्पष्ट करने आदि विषयों पर वार्ता हुई।

कुश कुमार ने अवगत कराया की इनमोसा द्वारा एजेंडा नोट पत्रांक के माध्यम से निदेशक तकनीकी को दिया गया था एवं इस आधार पर निदेशक तकनीकी ने पत्रांक देकर के इनमोसा के केंद्रीय पदाधिकारी को वार्ता के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि वार्ता में सभी मांगों पर विचार करने पर सहमति बनी है एवं जल्द से जल्द मिनट्स के द्वारा सभी मांगों का निवारण किया जाएगा। कुश कुमार ने कहा कि निर्धारित उत्पादन एवं सुरक्षा लक्ष्य के प्रति इनमोसा वचनबद्ध है और उत्पादन लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होगी।

निदेशक तकनीकी ने उपस्थित सभी इनमोसा प्रतिनिधिमंडल को अस्वस्थ करते हुए कहा कि कंपनी लगातार प्रगति की ओर है और इस पर इनमोसा की भागीदारी अहम है।

प्रतिनिधि मंडल में अजीत सिंह, विजय यादव, अशोक कनौजिया, महेश प्रसाद चौहान, यशवंत कुमार सिंह, जयनन्दन पासवान शिव शंकर महतो, मिहिर रजवार, रंजीत, अवधेश यादव, सूरज चौहान, बालेश्वर पंडित, शंभू पासवान, रविकांत गुप्ता, शंभु चौहान, परवेज अख़्तर, राकेश सिन्हा, अरविंद सिंह, रंजय सिंह नागेंद्र सिंह, आदि थे।

प्रबंधन की ओर से निदेशक तकनीकी संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक कल्याण श्री एस, के सिंह, महाप्रबंधक कार्मिक मनोज कुमार, डीटी टू टी, एस एस. के. सिंह, आर. के. शाह, किशोर यादव आदि लोग मौजूद थे।

दिल्ली के बाद मुंबई की हवा हुई जहरीली, सांस संबंधी शिकायतें बढ़ी

मुंबई, (ईएमएस): बढ़ते औद्योगिकीकरण, कारखाने, शहरीकरण, निर्माण धूल, वाहन उत्सर्जन और अपशिष्ट उपचार संयंत्र मुंबई समेत राज्य भर में प्रदूषण बढ़ा रहे हैं। इसी तरह पिछले कुछ दिनों में दिल्ली का प्रदूषण भी बढ़ गया है। इसके बाद अब मुंबई ने भी प्रदूषण को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण का मौजूदा एक्यूआई ३५० है। यही आंकड़ा मुंबई के कुर्ला इलाके में दर्ज हुआ है। इस बढ़ते प्रदूषण के कारण कई लोगों की सांस संबंधी शिकायतें बढ़ गई हैं। इसलिए प्रशासन अपील कर रहा है कि नागरिक समय रहते सावधानी बरतें।

दरअसल मुंबई के कुछ उपनगरों में प्रदुषण का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है और स्थानीय उपायों की तत्काल आवश्यकता है। स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति मुंबईकरों के लिए बहुत खराब है। मुंबई के कुर्ला इलाके का एक्यूआई फिलहाल ३५० है। ये आंकड़ा दिल्ली के प्रदूषण के बराबर है। बढ़ते प्रदूषण के कारण कई लोगों की सांस संबंधी शिकायतें बढ़ गई हैं। जो लोग इसका खर्च उठा सकते हैं वे घर पर एयर प्यूरिफायर लगा रहे हैं। विशेष रूप से, शिवाजीनगर (चेंबूर), कांदिवली और देवनार को मुंबई में महत्वपूर्ण प्रदूषण केंद्रों के रूप में पहचाना गया है। एक्रॉस इंडियन मेट्रोपोलिज़ रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्माण धूल, वाहन उत्सर्जन और अपशिष्ट उपचार संयंत्र यहां प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। नवंबर २०२४ के दौरान, मुंबई में २७ वायु प्रदूषण निगरानी स्टेशन सक्रिय थे। मुंबई में शिवाजीनगर, कांदिवली पश्चिम और मलाड पश्चिम सबसे प्रदूषित क्षेत्र बनकर उभरे हैं।

यह रिपोर्ट क्लाइमेट टेक प्लेटफॉर्म रेस्पायरर लिविंग साइंसेज (आरएलएस) द्वारा प्रस्तुत की गई है। आरएलएस हाइपरलोकल वायु गुणवत्ता निगरानी के माध्यम से पारंपरिक तरीकों से नजरअंदाज किए गए प्रदूषण हॉटस्पॉट का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाइपरलोकल मॉनिटरिंग प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिक विशिष्ट और स्थानीयकृत उपायों को सक्षम बनाएगी। इससे, बदले में, नीति निर्माताओं, शहरी योजनाकारों और नागरिकों को खतरनाक स्थानों पर उपाय करने में मदद मिलेगी। शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल उपायों की आवश्यकता है, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाना, कम उत्सर्जन क्षेत्रों का डिजाइन और प्रदूषण केंद्रों को कम करना अगले रणनीतिक कदम होंगे।

महा विकास अघाड़ी ने मांगा डिप्टी स्पीकर का पद

मुंबई (ईएमएस): महा विकास अघाड़ी के नेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर विपक्षी गठबंधन में शामिल किसी एक घटक दल के लिए डिप्टी स्पीकर का पद मांगा। नेताओं ने फडणवीस से कहा कि विपक्ष विधानसभा अध्यक्ष को निर्विरोध चुने जाने देगा, लेकिन चाहता है कि सत्ता पक्ष प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उन्हें डिप्टी स्पीकर का पद दे। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शिवसेना (यूबीटी) नेता भास्कर जाधव ने किया।

विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने दोहराया कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की विधायी परंपरा यह बताती है कि स्पीकर का चुनाव निर्विरोध होना चाहिए और डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। दिल्ली विधानसभा में भाजपा के केवल तीन विधायक होने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने उसे विपक्ष के नेता का पद दिया था। पटोले ने कहा, महा विकास अघाड़ी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की और एमवीए को विपक्ष का नेता पद देने पर चर्चा की।

विधायक से मिले रजक समाज का प्रतिनिधिमंडल

बलियापुर (ससे) : रजक समाज का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को सिंदरी विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक चन्द्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो से मिला। उन्हें बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर किरण देवी, रंजीत रजक, दिनेश रजक, रूपलाल रजक, मलिंदर रजक, शशि रजक आदि मौजूद थे।

राहुल गांधी के नेतृत्व में 90 चुनाव हार चुकी कांग्रेस, उसके साथी भी साथ देने को तैयार नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इंडिया ब्लॉक में तकरार की खबरों के बीच कहा कि कांग्रेस हारी हुई पार्टी बन चुकी है, उस हारी हुई ग्रेड ओल्ड पार्टी को बर्दाश्त करने के मूड में उसके साथी भी नहीं हैं।

भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा, सुबह ममता बनर्जी कहती हैं कि टीएमसी और मुझे इंडिया गठबंधन का नेता बनाओ, क्योंकि कांग्रेस से यह काम नहीं हो रहा है। दोपहर होते-होते महाविकास अघाड़ी और उद्धव सेना के रुख के कारण, अबू आजमी बाहर निकल जाते हैं,और अबू कहते हैं कि समाजवादी पार्टी कांग्रेस से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा, फिर, हम देखते हैं कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव कहते हैं, राहुल गांधी हमारे नेता नहीं हैं। इंडी गठबंधन के नेता नहीं है। कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और वह अभी भी चुनाव हारी है, इसलिए हम लोग सरकार नहीं बना सके हैं। कोई यह मांग करता है कि इंडी गठबंधन का किसी को नेता बनाया जाए, तब हम उस मांग का स्वागत करते हैं। भाजपा नेता ने तंज कसा, इतना ही नहीं अब तो लेफ्ट भी यही बात कर रही है कांग्रेस से नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस पार्टी इंडी गठबंधन में एक मीम बन चुकी है। पहले परजीवी का मीम बनती थी। अब इंडी के सभी लोग कह रहे हैं कांग्रेस नहीं हो पाएगा। कांग्रेस हारी हुई पार्टी है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में ९० चुनाव हार चुकी है। इंडी अलायंस में अब कांग्रेस को कोई बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। झारखंड में कांग्रेस को डिप्टी सीएम पद ने देने पर पूनावाला ने कहा, झारखंड में कांग्रेस को जेएमएम ने डिप्टी सीएम का पद नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर में एक विभाग मिला है। महाराष्ट्र चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस ईवीएम पर दोष देने लगी, तब शरद पवार ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया।

सरनेम बदलने से ए-आई नहीं खोज पा रहा है, शादीशुदा महिलाओं का डेटा

नई दिल्ली (ईएमएस): डिजिटल तकनीकी के इस दौर में सबसे ज्यादा मुसीबत शादीशुदा महिलाओं को झेलना पड़ रहा है। सोशल मीडिया और एआई तकनीकी के माध्यम से जिन महिलाओं की शादी हो चुकी है। शादी होने के बाद उनका सरनेम बदल गया है। जिसके कारण उनका पुराना रिकॉर्ड वर्तमान के साथ जुड़ नहीं पा रहा है। जिसके कारण शादीशुदा महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शादीशुदा महिलाएं जब भी नौकरी के लिए आवेदन करती हैं। उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड, शादी के पहले की सभी जानकारी उनके वर्तमान बायोडाटा से मैच नहीं करती हैं। जिसके कारण महिलाओं को अपने करियर और नौकरी पाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

अमेरिका जैसे देश में ७७ फ़ीसदी विवाहित अमेरिकी महिलाओं को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। भारत में ९० फीसदी से ज्यादा महिलाओं के सरनेम बदल जाते हैं। भारतीय सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था है। दुनिया के लगभग सभी देशों में विवाह के बाद महिलाओं का सरनेम बदल जाता है।

१९९० से २०१० के बीच में जन्म लेने वाली ३२ फीसदी महिलाएं शादी के बाद अब अपना सरनेम नहीं बदलती हैं। जिसके कारण उन्हें वह परेशानी नहीं हो रही है। जो सरनेम बदलने वाली महिलाओं को हो रही है।

दुनिया के सभी देशों में जिस तरह से महिलाएं नौकरी और कारोबार के क्षेत्र में बड़ी संख्या में आगे आ रही हैं। डिजिटल दुनिया के इस दौर में सबसे ज्यादा परेशानी पढ़ी-लिखी नौकरी करने वाली एवं कारोबारी महिलाओं को झेलना पड़ रही है। जिन युवतियों की अभी शादी हो रही है।

यूरोपीय देशों में उन्होंने अपना सरनेम बदलना बंद कर दिया है। भारत जैसे देशों में अभी भी है एक बड़ी समस्या बन गया है। जब सारे काम ऑनलाइन हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में प्रमाणिकता भी कई ऐसे डिजिटल प्लेटफार्म से ली जाती है जिसकी पुष्टि करना बड़ा मुश्किल होता है। भारत में महिलाओं को सबसे ज्यादा तकलीफ अब डिजिटल दुनिया में देखने को मिल रही है।

करोड़ों युवाओं का सरकारी नौकरी पाने का सपना चकनाचूर

नई दिल्ली (ईएमएस): पिछले ८ वर्षों में सभी राज्यों में सरकारी नौकरी के लिए पदों को भरे जाने की जो व्यवस्था थी। वह लगभग लगभग खत्म हो गई है। जो परीक्षाएं आयोजित की गई। उनमें पर्चे लीक हो जाने के कारण नियुक्तियां नहीं हो पाई। इसी बीच युवा सरकारी नौकरी के लिए अपात्र हो गए हैं। सरकारी नौकरी के लिए निर्धारित आयु सीमा से ज्यादा उनकी उम्र हो चुकी है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें सरकारी नौकरी की पात्रता नहीं रही।

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा सरकारी पदों को भरने में कोई रुचि नहीं दिखाई गई। जिसके कारण युवाओं को सरकारी नौकरी के खाली पड़े पदों पर नियुक्ति नहीं हो पाई। पहले केंद्र और राज्यों में हर साल परीक्षा होती थी। सभी विभाग खाली पदों की जानकारी यूपीएससी और पीएसी को केंद्र और राज्य सरकार के विभाग भेजते थे। अब विभागों द्वारा यह जानकारी नहीं भेजी जा रही है, या आधी अधूरी जानकारी होने से नियुक्तियां नहीं हो पा रही हैं।

परीक्षाओं मे घोटाले पर घोटाला

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा परीक्षाएं एजेंसियों के माध्यम से आयोजित की जा रही हैं। जिसमे बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने की शिकायत आ रही है। बार-बार परीक्षाएं निरस्त कर दी जा रही हैं।जिसके कारण युवा बेरोजगार तो हैं ही,सरकारी नौकरी के लिए वह अब पात्र भी नहीं रहे।

केंद्र एवं राज्य सरकारों के लाखों पद खाली

पिछले ८ वर्षों से शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस एवं अन्य विभागों के प्रत्येक राज्य में लाखों पद खाली पड़े हुए हैं। केंद्र सरकार के भी सेना, रेलवे और अन्य विभागों में लाखों पद कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं।

बैंकों में कई वर्षों से नियुक्तियां नहीं हो रही हैं।करोणों युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। युवाओं की तरफ से कोई विरोध और आंदोलन नहीं होने के कारण सरकारों को खाली पदों को भरने में कोई रुचि नहीं है।यही कहा जा सकता है।

अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग आयु सीमा

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों मे सरकारी नौकरी के लिए अलग-अलग आयु सीमा निर्धारित है। पिछले कई वर्षों से सरकारी नौकरी पाने के लिए युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की बार-बार तैयारी करते रहे। लेकिन परीक्षाएं आयोजित नहीं हुई। जो परीक्षाएं हुई उनके परिणाम घोषित हो गए। नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए। अब उनके सामने भी ओवर ऐज होने की समस्या खड़ी हो गई है।

सामान्य वर्ग के लिए आयु सीमा ३० से ३३ वर्ष निर्धारित है। वही ओबीसी, एसटी,एससी और एसटी महिला की उम्र सीमा केंद्र एवं राज्यों में अलग-अलग है। कई स्थानों पर गैर वर्दी वाले पदों के लिए आयु सीमा ४० वर्ष तक की है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की खाली पदों को भरने की अरुचि के कारण युवाओं में रोष पनप रहा है।

इंडी गठबंधन की बैठक में विशेष सत्र को लेकर रणनीति बनी स्पीकर पद के लिए रवींद्र नाथ महतो के नाम पर सहमति

रांची (एजेंसी): इंडी गठबंधन के विधायकों की बैठक आज रविवार को मुख्यमंत्री आवास में हुई. बैठक में नौ दिसंबर से शुरू होने वाले विशेष सत्र को लेकर चर्चा हुई. बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद विवाद और अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी. बैठक में बोल्ड मानसिकता के साथ तार्किक जवाब देने का निर्देश दिया गया. बैठक में स्पीकर के लिए रवींद्रनाथ महतो के नाम पर सहमति बनी. विधायक अनूप सिंह ने कहा कि रवींद्रनाथ महतो सीनियर लीडर हैं. वे इस पद के लिए पहली च्वाइस हैं. रामदास सोरेन ने कहा कि रवींद्रनाथ महतो के नाम पर सहमति बनी है.

विशेष सत्र के पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी

विधायक राजेश कच्छप ने कहा, स्पीकर पद के लिए विपक्ष का भी सीधे तौर पर समर्थन मिलना चाहिए. इसमें बहस की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए. बताते चलें कि विशेष सत्र के पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी. १० दिसंबर को स्पीकर का चयन किया जाएगा. ११ दिसंबर को ११-३० बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा. इसके बाद वित्तीय वर्ष २०२४-२५ का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा. १२ दिसंबर राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

झारखंड का उच्चस्तरीय दल जल्द ओडिशा व छत्तीसगढ़ जाएगा, खनन मॉडल का करेगा अध्ययन

रांची (एजेंसी): पड़ोसी राज्य ओडिशा और छत्तीसगढ़ के खनन मॉडल का अध्ययन करने के लिए झारखंड का उच्चस्तीय दल इन दोनों राज्यों में जाएगा. राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि झारखंड में देश का ४० फीसदी खनिज होने के बावजूद ११ से १२ हजार करोड़ रुपए का ही राजस्व मिलता है. जबकि ओडिशा को खनन से ५० हजार करोड़ रुपए राजस्व की प्राप्ति होती है. २०१६-१७ में ओडिशा को खनन से ४,९०० करोड़ रुपए राजस्व की प्राप्ति हुई थी, जो २०२१-२२ में बढ़कर ५० हजार करोड़ हो गयी.

मंईयां सम्मान योजना के लिए 17700 करोड़ की जरूरत

राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार मईंया सम्मान योजना योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की लागत को कवर करने में जुट गई है. १.२८ लाख करोड़ रुपये के वार्षिक बजट के बावजूद, राज्य सरकार को अकेले मंईयां सम्मान योजना के लिए प्रति वर्ष कम से कम १७,७०० करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी. एक महिला के लिए २,५०० रुपये की रकम भी काफी मायने रखती है. इसका मतलब है कि उसे अब सेटिरिज़िन या कैलपोल टैबलेट जैसी बुनियादी दवाओं का खर्च उठाने के लिए भीख नहीं मांगनी पड़ेगी. न ही उसे 'टिकली-बिंदी' जैसी छोटी चीजें खरीदने के लिए अपने पति पर निर्भर रहने की जरूरत है.

राज्य बनने के बाद से ग्रामीण विकास की नहीं बनीं योजनाएं

झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद से लगातार सरकारों में ग्रामीण विकास की कोई योजना नहीं बनाई गई हैं. कृषि उत्पादन बढ़ाने या कृषि-संबद्ध उद्योगों को बढ़ावा देने की दृष्टि का अभाव था, जो झारखंड में ८० फीसदी आबादी को सशक्त बना सके. पिछली सरकारों ने अस्पताल भवन तो बनाए लेकिन उन्हें संचालित करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने में विफल रहीं. ग्रामीण अस्पतालों में कोई डॉक्टर, नर्स या दवाएं उपलब्ध नहीं हैं.

1.36 लाख करोड़ बकाए पर भी रखी अपनी बात

वित्त मंत्री ने केंद्र के पास १.३६ लाख करोड़ बकाए पर भी अपनी बात रखी. १.३६ लाख करोड़ के लंबित बकाए पर तर्क दिया कि राजनीतिक नैतिकता यही है कि केंद्र सरकार से निष्पक्षता से कार्य करने और धन जारी करने की मांग की जाएगी. हमारी संघीय शासन प्रणाली के तहत, केंद्र से अपना बकाया मांगने के लिए अदालत जाना तो कलंक होगा. केंद्र को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए. बातचीत की मेज पर आकर चर्चा करनी चाहिए कि वे झारखंड के लंबित फंड को कैसे जारी करने की योजना बना रहे हैं.

बेटी के बॉयफ्रेंड को फंसाने के लिए पिता ने रची थी साजिश, गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी थी.

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ धमकी मामला

दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि कांके थाना क्षेत्र स्थित रहने वाला मिनाजुल नाम के व्यक्ति ने अपने बेटी के बॉयफ्रेंड मोईज को फंसाने के लिए मोईज के नाम से इश्यू सिमकार्ड से संजय सेठ के मोबाइल पर धमकी दिया था. इस मामले में पुलिस मिनाजुल को गिरफ्तार किया है.

कैसे रची गई साजिश

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मिनाजुल की बेटी का मोईज नाम के लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था. इस वजह से मिनाजुल हमेशा नाराज रहता था. मोईज ने लड़की को एक मोबाइल और अपने नाम से एक सिम कार्ड भी दिया था. इसी दौरान मिनाजुल ने मोईज को फंसाने के नियत से अपनी बेटी के मोबाइल से सांसद को धमकी दे दिया.

दिल्ली पुलिस जांच के लिए पहुंची थी रांची

दिल्ली पुलिस पुलिस की टीम जांच के लिए रांची पहुंची थी. शनिवार को रांची पहुंचने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम कांके थाना क्षेत्र स्थित होचर गई है. गौरतलब है कि अज्ञात अपराधियों के द्वारा रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को लाल सलाम के साथ संदेश भेजा गया है. इतना ही नहीं रंगदारी नहीं देने पर संजय सेठ को जान से मारने की धमकी भी दी गई है. धमकी वाला मैसेज उनके मोबाइल नंबर पर आया है.

मैसेज भेजकर उनसे ५० लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है. संजय सेठ रांची सांसद होने के साथ-साथ देश के रक्षा राज्य मंत्री भी हैं.

पुलिस को रक्षा राज्य मंत्री के द्वारा दी गई सूचना के बाद इस मामले में जांच शुरू कर दी गई. साथ ही झारखंड डीजीपी को अवगत करा दिया गया था.

बिरसा जैविक उद्यान में अब नहीं देगी सुनाई जया की दहाड़

रांची (एजेंसी): ओरमांझी के बिरसा जैविक उद्यान में अब जया की दहाड़ नहीं सुनाई देगी. १५ वर्षीय शेरनी जया की मौत रविवार को हो गई. वह पिछले २२ दिनों से बीमार चल रही थी. उसे किडनी फंगस की बीमारी हो गई थी. २०१९ में जया को गुजरात के शंकरबाग चिड़ियाघर से लगाया गया था. इससे पहले इसी साल दो फरवरी को वीरू नामक शेर की मौत हो गई थी. वीरू को भी गुजरात के शंकरबाग चिड़ियाघर से २०१९ में ही लाया गया था.

भाजपा का सदस्यता अभियान नहीं, संगठन पर्व है, झारखंड में 22 से शुरू होगा सदस्यता पर्वः डी पुरंदेश्वरी

भाजपा ने संगठन पर्व 2024 में 11.35 करोड़ सदस्यता के साथ पार किया 11 करोड़ का लक्ष्य

रांची (एजेंसी): विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड में स्थगित पार्टी का सदस्यता संगठन महापर्व अब २२ दिसंबर से विधिवत प्रारंभ होगा. इसको लेकर रविवार को नगड़ी रांची स्थित स्वर्णरेखा बैंक्वेट हॉल में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड की सदस्यता प्रभारी एसह आंध्रप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष सांसद डी पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा का सदस्यता कार्यक्रम अभियान नहीं बल्कि संगठन महापर्व है. भाजपा यह संगठन महापर्व अन्य पर्व की तरह अपने विशाल परिवार के साथ मनाती है.

आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है. पार्टी ने वर्ष २०१४ में ऑनलाइन के माध्यम से सदस्यता कार्यक्रम को प्रारंभ किया था. जिसमें पूरे देश में ९ करोड़ सदस्य बने थे. आज चार राज्यों जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड को छोड़कर जिसमें विधानसभा चुनाव के कारण सदस्यता कार्यक्रम स्थगित था, के बावजूद पार्टी ने अब तक देश भर में ११ करोड़ के लक्ष्य को पार करते हुए ११.३५करोड़ सदस्य बना लिए हैं. चार राज्यों में सदस्य पूरी होने के बाद यह संख्या १४ करोड़ तक जा सकती है. भाजपा के कार्यकर्ता जो ठान लेते हैं उसे पूरा कर दिखाते हैं.

भाजपा विचारों और कार्यकर्ताओं की धनी पार्टी है. हमारे पास देश के लिए जीने मरने का जज्बा है. विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय हमारे नेता के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है. सदस्यता पर्व के माध्यम से हम प्रत्येक बूथ के प्रत्येक घर तक पहुंचना है.

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोकतंत्र के पर्व के बाद अब पार्टी संगठन महापर्व में जुट गई है. संगठन महापर्व का लक्ष्य सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा का निर्माण. लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता ने पार्टी को पूरा आशीर्वाद दिया है. भले हम विधानसभा चुनाव में संख्या बल में पीछे रह गए लेकिन ५९ लाख लोगों का समर्थन भाजपा को मिला है. चुनाव एक पड़ाव है लेकिन हम जनता के बीच बार बार जायेंगे. अपने नीतियों कार्यक्रमों के माध्यम से जायेंगे. सर्वस्पर्शी सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा ही विकसित झारखंड का आधार है. झारखंड से लोकतंत्र विरोधी, राष्ट्रविरोधी, विकास विरोधी ताकतों से लड़ने केलिए भाजपा के संघर्षशील और मजबूत संगठन को को निरंतर गति देनी है.

प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं. यह सदस्यता महापर्व का कार्यक्रम मजबूत और संघर्षशील भाजपा बनाने का अवसर है. यह पर्व कार्यकर्ताओं का समाज से संपर्क, संबंध बढ़ाने का अवसर है. यह पर्व नए नेतृत्व को भी गढ़ता है. कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि सदस्यता संगठन महापर्व के माध्यम से हमें प्रदेशभर में भाजपा की नई राजनीतिक सुगंध को पहुंचाना है. यह पर्व लोकसंग्रह और शक्ति संचय का भी पर्व है.

समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करेंः प्रवीण कच्छप

रांची (एजेंसी): संत जेवियर कॉलेज में हीरा बरवे छात्र संघ के बैनर तले रविवार को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. इसमें युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये. इस मौके पर ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के प्रदेश महासचिव प्रवीण कच्छप शामिल हुए. युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि पापों से पश्चाताप करें. चाहे पढ़ाई, राजनीति, नौकरी हो ईमानदारी पूर्वक करें. समाज के दबे कुचले लोगों और जरूरतमंदों की हमेशा मदद करें. यही हमारे लिए सच्ची क्रिसमस होगी.

मुख्य अतिथि फादर नाबोर लकड़ा ने कहा कि क्रिसमस के त्योहार में जीवन खुशियों से भरा रहता है. हो और छात्र जीवन की जो भी अभिलाषाएं हैं, वह पूरी हो. प्रोफेसर अरुण तिग्गा ने अपने संदेश में कहा कि यीशु मसीह एक जाति के लिए नहीं वरन पूरी मानव जाति के लिए आया. वह शांति, प्रेम, दया का राजकुमार है. मौके पर फादर संजय तिग्गा, फादर लिबिन केरकेट्टा, फेबियन एक्का, बिपिन कुजूर, प्रो. बुंदीप लकड़ा, अनुप गाड़ी, अजय लकड़ा, चार्ल्स मिंज, डा. कीर्ति मिंज व डॉन बास्को कुजूर समेत अन्य शामिल थे.

चैंबर ने उद्योग एवं श्रम मंत्री से मुलाकात कर दी बधाई

रांची (एजेंसी): फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल परेश गट्टानी के नेतृत्व में नवगठित मंत्रिपरिषद् में उद्योग एवं श्रम मंत्री का प्रभार ग्रहण करने पर मंत्री संजय कुमार यादव से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें व्यापार व उद्योग जगत की ओर से बधाई दिया. चैंबर ने राज्य के औद्योगिक विकास व रोजगार सृजन के उद्देश्य से विभाग द्वारा किये जानेवाले प्रयासों में सकारात्मक सहभागिता के लिए मंत्री को आश्वस्त किया. चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने श्रम विभाग द्वारा राज्य में प्रभावी किये गए न्यूनतम मजदूरी दर को अव्यवहारिक बताते हुए, उद्योग एवं श्रमिकों के हित में इसमें संशोधन के लिये विचार का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि राज्य में किस प्रकार रोजगार के नये अवसर बढ़ें, इसपर हम सरकार के साथ मिलकर कार्य करने के लिए उत्साहित हैं.

प्रतिनिधिमंडल ने श्रम कानूनों में जटिलता, फैक्ट्रियों में वर्कर्स और नियोजकों के बीच आपसी विवाद, लाईसेंसिंग प्रणाली में जटिलता के कारण औद्योगिक इकाईयों के संचालन में होनेवाली कठिनाइयों के साथ ही राज्य में रुग्ण होते उद्योगों के रिवाईवल के लिये सरकार के स्तर से आवश्यक हस्तक्षेप पर भी वार्ता की. कहा कि विभाग, नियोजक और श्रमिकों के संयुक्त प्रयास से ही हम अपने राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में शीर्ष पायदान पर लाने में सफल हो सकते हैं. राज्य के विकास से जुड़े बिंदुओं पर व्यापारियों और उद्यमियों के साथ चैंबर भवन में आकर विमर्श करने के लिए भी मंत्री ने चैंबर को भरोसा दिलाया. प्रतिनिधिमंडल में चैंबर के कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष धीरज तनेजा, श्रम उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत शामिल थे.

निजी हॉस्पिटल को मरीज की मौत के बाद बिना बिल भुगतान के सौंपना होगा शव : डॉ इरफान

रांची (एजेंसी): स्वास्थ्य मंत्री बनते ही डॉ इरफान अंसारी एक्शन में आ गये हैं. रविवार को उन्होंने धनबाद में ऐलान किया कि अगर निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान अगर किसी मरीज की मौत हो जाती है तो बिना बिल चुकाये शव उसके परिजनों को सौंपना होगा. अगर निजी हॉस्पिटल के संचालक ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी. इसके लिए विभाग की ओर से हर जिले के डीसी और एसपी को पत्र भी भेजा जायेग. कहा कि निजी हॉस्पीटल स्वास्थ्य के साथ व्यवसाय करने लगे हैं. इस पर हर हाल में रोक लगायी जाएगी. उन्होंने कहा कि फर्जी डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की जाएगी. सरकारी हॉस्पिटल को दिल्ली से भी बेहतर बनाया जायेगा.

पूर्व विधायक भानू ने डॉ इरफान की डिग्री पर उठाए सवाल

पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी की डिग्री पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा है कि अब डॉ इरफान अंसारी को साबित करने का समय आ गय़ा है कि वह असली डॉक्टर हैं या रशिया वाले फर्जी डॉक्टर. क्योंकि वे अपने नाम के आगे डॉक्टर लगाते हैं. कहते भी हैं कि रशिया से एमबीबीएस किया है. ईश्वर ने उन्हें अपनी डिग्री की सत्यता प्रमाणित करने का अवसर दिया है.

पृष्ठ एक का शेषांश

बोर्ड निगम व आयोग के---

बोर्ड निगम व आयोग के गयी है. हालांकि अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायी है. झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) भी अध्यक्ष विहीन है. बुधवार को ही आयोग की अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा का कार्यकाल समाप्त हो गया. इनकी जगह किसी को अतिरिक्त प्रभार नहीं दिया गया है. जबकि जेपीएससी मुख्य परीक्षा का अभी परिणाम जारी होना है. राज्यभर के ५४ लाख बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग भी अध्यक्ष विहीन है. आयोग के अध्यक्ष जस्टिस अमिताभ गुप्ता का कार्यकाल ३१ मई को समाप्त हो गया. अब आयोग में सिर्फ मेंबर तकनीक अतुल कुमार और मेंबर लॉ महेंद्र प्रसाद ही बचे हैं.

इन बोर्ड निगम व आयोग में अध्यक्ष नहीं- झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग, सूचना आयोग, झारखंड खादी बोर्ड, झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग, राज्य मार्टी कला बोर्ड, झमाडा (झारखंड मिनरल एरिया डेवेलपमेंट ऑथोरिटी), राज्य महिला आयोग, झारखंड राज्य समाज कल्याण बोर्ड, झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण, लोकायुक्त, नि:सशक्तता आयुक्त, आरआरडीए (रांची रिजनल डेवेलपमेंट ऑथोरिटी), राज्य मानवाधिकार आयोग, जेएसएमडीसी (झारखंड स्टेट मिनरल डेवेलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड), झालको (झारखंड लिफ्ट इरिगेशन कारपोरेशन लिमिटेड), झारखंड वन विकास निगम, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, झारखंड ट्राइबल डेवलपमेंट सोसायटी।

त्रिपुरा में बांग्लादेशी नागरिकों---

पड़ोसी देश बांग्लादेश में बढ़ती अशांति के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया के रूप में लिया गया है। ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन ने राज्य में बांग्लादेशी नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के बढ़ते उत्पीड़न के आरोपों के बाद यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

राहुल नार्वेकर बन सकते हैं---

राहुल नार्वेकर ने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत शिवसेना से की थी। इसके बाद वह २०१४ में शिवसेना छोड़कर एनसीपी में शामिल हो गए थे। जून २०१६ में वह विधानसभा पार्षद चुने गए थे। उन्हें गवर्नर ने मनोनीत किया था। इसके बाद २०१९ में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की थी। वहीं, २०२२ में महायुति की सरकार आने के बाद बीजेपी ने उन्हें विधानसभा का अध्यक्ष बनाया था।

भारतीय सेना ने बनाई---

को शामिल करने जा रही है, ये मोबाइल रिएक्टिव माइंस सिस्टम दुश्मनों के लिए काल बनेगा. सेना ने रोबोट की तरह चलने वाला एक खास रोबोट बनाया है. सेना के ये रोबोट कई मायनों में खास है. मेजर राज प्रसाद सिंह ने इसकी खासियत बताते हुए कहा कि वो पुराना जमाना था जिसमें हम ढेर सारी माइंस लगाकर दुश्मन का इंतजार करते थे. अब हम लड़ाई के मैदान में ऐसी नई टेक्नोलॉजी इस्तेमाल करते हैं. जहां मोबाइल रिएक्टिव माइंस सिस्टम दुश्मन को ढूंढकर उसकी तरफ बढ़ेगा और वहां जाकर खुद ब्लास्ट करेगा. असल में ये रिएक्टिव माइंस है. इसे दुश्मन के एरिया में पैरा ड्रॉप किया जा सकता है. ये आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी और रोबोटिक्स के जरिए बनाया गया है. इसमें एक आईआर कैमरा भी है.

बीजेपी विधायक दल की बैठक में बनी रणनीति, जनमुद्दों पर सदन से सड़क तक मुखर रहेगी भाजपा

रांची (एजेंसी): विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर भाजपा विधायक दल की बैठक रविवार को हुई. देर शाम तक चली इस बैठक में सत्ता पक्ष को घेरने की रणनीति बनी.

बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा विधायक पार्टी के चेहरे होते हैं. उन्हें जनता की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है. साथ ही जनमुद्दों पर सदन से सड़क तक संघर्ष भी करना है. भाजपा विधायक एक सशक्त प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे. प्रथम सत्र तो संवैधानिक प्रक्रियाओं की पूरा करने में ही पूरा होगा.

कहा कि भाजपा राज्य के विकास के मुद्दों पर सरकार को बाध्य करती रहेगी. राज्य में विकास के साथ विधि व्यवस्था, बेरोजगारी, महिला सम्मान, भ्रष्टाचार पर सड़क से सदन तक लड़ेगी. पार्टी के विधायकों की भूमिका संगठन पर्व में भी महत्वपूर्ण है. सभी विधायक अपनी भागीदारी बढ़ चढ़ कर सुनिश्चित करें. नवनिर्वाचित विधायकों को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया.

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक दल की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के अलावा कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, राज सिन्हा, नीरा यादव, अमित कुमार यादव, मनोज यादव, रौशनलाल चौधरी, प्रदीप प्रसाद, कुमार उज्ज्वल, नागेंद्र महतो, मंजू कुमारी, रागिनी सिंह, शत्रुघ्न महतो, पूर्णिमा साहू, देवेंद्र कुंवर, आलोक चौरसिया, शशिभूषण मेहता, प्रकाश राम व सत्येंद्र तिवारी उपस्थित थे.

मोटापे की कट्टर दुशमन है दलिया

दलिया का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। विटामिन और प्रोटीन से भरपूर दलिया खाने से न केवल वजन कम होता है बल्कि आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे। बता दें, मोटे अनाज के दानेदार चूरे को दलिया कहते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व लो कैलोरी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, थायमिन, फोलेट, पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मिनरल्स, विटामिन और आयरन हेल्दी और स्वस्थ बनाते हैं। अगर आप अपनी डाइट में सिर्फ एक कटोरी दलिया का सेवन करते हैं तो इससे आपकी सेहत को क्या क्या फायदे हो सकते हैं चलिए हम आपको बताते हैं–

दलिया खाने से ये बीमारियां रहेंगे कोसों दूर-

सेहतमंद दिल- दलिया में मौजूद फाइबर, प्रोटीन, और एंटीऑक्सीडेंट दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दलिया कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है जिससे हार्ट डिजीज का रिस्क काफी कम हो जाता है।

वजन होगा कम- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा है तो डाइट में दलिया ज़रूर शामिल करें। दलिया फाइबर से भरपूर होता है और वजन को कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

डायबिटीज कंट्रोल- दलिया में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका सेवन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

पाचन होता है बेहतर- दलिया पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है क्योंकि ये कब्ज को कम करने में मदद करता है और आपके पेट में सारे पोषण को अच्छी तरह से सोख लेता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कम- दलिया में मौजूद फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में बेहद असरदार है। दलिया कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को भी कम करता है।

दलिया खाने का सही समय-

दलिया सुबह और शाम के नाश्ते में खाना चाहिए। सुबह के समय दलिया खाने से दिनभर ऊर्जावान महसूस करेंगे साथ ही शाम के समय नाश्ते में दलिया खाने से आपको रात के समय ज़्यादा भूख नहीं लगेगी।

क्या बुढ़ापे से जवानी और फिर बचपन में लौट सकता है इंसान?

जानिए रिवर्स एजिंग क्या है

हम सभी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से गुजरते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी त्वचा ढीली पड़ने लगती है, बाल सफेद हो जाते हैं, और शारीरिक क्षमता भी कम होने लगती है। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि वैज्ञानिक अब बुढ़ापे की प्रक्रिया को उलटने के तरीके खोज रहे हैं? जी हां, रिवर्स एजिंग का मतलब बुढ़ापे से जवानी की ओर लौटना है और यह एक दिलचस्प शोध का हिस्सा बन चुका है।

रिवर्स एजिंग क्या है?

रिवर्स एजिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें बुढ़ापे को धीमा करने या उलटने की कोशिश की जाती है। सरल शब्दों में कहें तो, यह एक ऐसी अवधारणा है जिसके तहत इंसान का शरीर बुढ़ापे से फिर से युवा अवस्था में लौट सकता है। भले ही यह सोच पहले असंभव सी लगती थी, लेकिन अब वैज्ञानिक इस पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। आजकल के विज्ञान और तकनीक के कारण बुढ़ापे के लक्षणों को धीमा करने या उलटने के लिए कुछ उपायों पर काम हो रहा है। इनमें जेनेटिक इंजीनियरिंग, स्टेम सेल थेरेपी, और अन्य नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

उम्र बढ़ने का कारण

हमारी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया मुख्य रूप से हमारे डीएनए में होने वाले बदलावों के कारण होती है। जैसे-जैसे समय बीतता है, हमारे डीएनए में क्षति होती जाती है, जिससे हमारी कोशिकाएं ठीक से काम नहीं कर पातीं। साथ ही, हमारे शरीर में मुक्त कण भी बनते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करते हैं।

रिवर्स एजिंग के तरीके

वैज्ञानिक रिवर्स एजिंग के लिए कई तरह के तरीकों पर काम कर रहे हैं। चलिए जानते हैं कुछ प्रमुख तरीकों के बारे में-

स्टेम सेल थेरेपी

स्टेम सेल्स उन कोशिकाओं को कहते हैं, जो किसी भी प्रकार की कोशिका में बदलने की क्षमता रखती हैं। इस थेरपी से शरीर के पुराने और कमजोर अंगों की मरम्मत की जा सकती है, जिससे शरीर फिर से ताजगी महसूस करता है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कुछ खास जीन होते हैं, जिन्हें सक्रिय करके हम शरीर की कोशिकाओं को फिर से जवान बना सकते हैं। अगर इन जीनों को सही तरीके से एक्टिव किया जाए, तो शरीर के अंग और कोशिकाएं फिर से काम करने की क्षमता हासिल कर सकती हैं।

टेलोमेरेज और टेलोमर्स

हमारी कोशिकाओं के अंदर एक संरचना होती है, जिसे टेलोमेरेज कहते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, टेलोमेरेज की लंबाई कम हो जाती है और कोशिकाओं का बंटवारा धीमा पड़ जाता है। लेकिन अगर इसे फिर से लंबा किया जाए, तो कोशिकाएं जवानी की स्थिति में लौट सकती हैं।

एंटीऑक्सीडेंट

एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एंटीऑक्सीडेंट का उपयोग करके हम उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं।

कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस

कई शोधों में यह पाया गया है कि कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस (खाने की मात्रा में कमी) से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है। यह शरीर में सुधार लाने के लिए सहायक हो सकता है।

रिवर्स एजिंग का शोध अभी प्रारंभिक चरण में है, लेकिन इसके परिणामों से हमें उम्मीद है कि भविष्य में यह हमारे जीवन को बेहतर बना सकता है। हालांकि, अभी भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह से लागू करने के लिए और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है। लेकिन ये नए वैज्ञानिक प्रयास एक दिन हमें उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को रोकने या उसे उलटने में मदद कर सकते हैं।

लौंग का पानी पीने के फायदे

अगर आप सुबह लौंग का पानी पीते हैं तो इससे शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो पानी में घुलकर शरीर तक पहुंचते हैं और कई लाभ पहुंचाते हैं। लौंग का पानी पीने से हमारे शरीर में पाए जाने वाले त्रिदोष को भी बैलेंस किया जा सकता है।

सुबह लौंग का पानी पीने से क्या फायदा होता है?

वात, पित्त और कफ रहेगा बैलेंस– आयुर्वेद में सारी बीमारियों की जड़ वात, पित्त और कफ को माना जाता है। वात पित्त और कफ का बैलेंस बिगड़ने पर कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं। खासतौर से इससे पेट, गले, नाक और त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं। त्रिदोष को बैलेंस करने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे पाचन में सुधार आएगा और पेट ठंडा रहेगा। लौंग का पानी पीने से पेट की जलन और एसिडिटी कम होगी।

पाचन में सुधार आएगा– जो लोग सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीते हैं उनका पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इस पानी से पेट की बीमारी जैसे गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग और अपच दूर होती है। पाचन प्रक्रिया में सुधार आता है। लौंग का पानी पीने से शरीर में एंजाइम बढ़ते हैं जिससे खाना पचाने में आसानी होती है।

प्यास और जलन कम करे– अगर आपको बहुत प्यास लगती है और पेट में जलन की शिकायत होती है तो आप लौंग का पानी पी सकते हैं। भले ही लौंग तासीर में गर्म होती है लेकिन लौंग का पानी ठंडक देने वाला हो जाता है। इससे प्यास कम लगती है और पेट में होने वाली जलन भी दूर होती है। लौंग का पानी पीने से शरीर हाइड्रेड रहता है।

वजन घटाने में मदद– सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है। भूख कम लगती है और ओवरईटिंग पर भी कंट्रोल किया जा सकता है। लौंग में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करते हैं। इसलिए मोटापा घटाने का प्रयास करने वाले लोग लौंग का पानी पी सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए– रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। खासतौर से बदलते मौसम में सर्दी–जुकाम और खांसी कफ जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। लौंग में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो किसी भी इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं। इससे मौसमी बीमारियों दूर रहती है।

हर्ब्स की मदद से बनाएं नेचुरल हेयर कलर, जाने आसान और सेहतमंद तरीका

बालों को नेचुरली कलर करना अब मुश्किल नहीं है। आप हर्ब्स की मदद से घर पर ही ऐसा हेयर कलर तैयार कर सकती हैं, जो न केवल आपके बालों को खूबसूरत रंग देगा, बल्कि उन्हें पोषण भी प्रदान करेगा। हर्ब्स से बने हेयर कलर केमिकल-फ्री होते हैं और बालों को मजबूत, शाइनी और हेल्दी बनाते हैं। यह खासतौर से उन लोगों के लिए सही है, जो अपने लुक में बदलाव तो चाहते हैं लेकिन बालों को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स से बचना चाहते हैं।

हिना से बनाएं नेचुरल हेयर कलर

हिना बालों को नेचुरली कलर करने के लिए सबसे पुराना और प्रभावी विकल्प है। यह बालों को डीप रेड या बरगंडी शेड देने के साथ-साथ उन्हें मजबूत और टेक्सचर में सुधार करता है। हेयर कलर बनाने के लिए हिना पाउडर को गर्म पानी या चाय के साथ मिलाकर चिकना पेस्ट तैयार करें। इसमें नींबू का रस या टी ट्री ऑयल मिलाकर इसे और भी पौष्टिक बनाएं। इस पेस्ट को बालों पर समान रूप से लगाएं और 1-3 घंटे तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें, लेकिन तुरंत शैम्पू का इस्तेमाल करने से बचें ताकि रंग बालों में अच्छी तरह से सेट हो सके।

आंवला से बालों को दें प्राकृतिक चमक

आंवला बालों के नेचुरल कलर को निखारने और उन्हें सिल्की व शाइनी बनाने में मदद करता है। आंवला पाउडर को पानी में मिलाकर एक चिकना पेस्ट बनाएं और इसे बालों पर लगाएं। पेस्ट को एक घंटे तक बालों पर छोड़ दें। अगर आप बालों को और भी गहरे रंग का टच देना चाहती हैं, तो आंवला पेस्ट में हिना पाउडर मिलाएं। यह आपके बालों को प्राकृतिक चमक और मजबूती प्रदान करेगा, साथ ही बालों की ग्रोथ में भी मदद करेगा।

रूबर्ब रूट से पाएं हल्का गोल्डन शेड

अगर आप अपने बालों को हल्का गोल्डन या रेडिश टोन देना चाहती हैं, तो रूबर्ब रूट एक बेहतरीन विकल्प है। यह लाइट बालों पर खासतौर से अच्छा असर दिखाता है और उनकी शाइन बढ़ाता है। रूबर्ब रूट को 20-30 मिनट तक पानी में उबालें और फिर इसे ठंडा होने दें। इस लिक्विड को बालों पर लगाएं और करीब एक घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में गुनगुने पानी से बाल धो लें। यह आपके बालों को खूबसूरत रंग और पोषण दोनों प्रदान करेगा।

हर्ब्स क्यों हैं खास?

हर्ब्स से बने हेयर कलर पूरी तरह नैचुरल और केमिकल फ्री होते हैं। यह बालों को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते हैं और उन्हें पोषण देते हैं। हर्ब्स से बालों की ग्रोथ में सुधार होता है, वे मजबूत बनते हैं और उनमें प्राकृतिक चमक भी आती है। साथ ही, हर्ब्स से बना रंग लंबे समय तक टिकता है और बालों को हेल्दी व खूबसूरत बनाता है। इन नैचुरल हेयर कलर के इस्तेमाल से आप अपने लुक को बेहतर बना सकती हैं, बिना बालों को नुकसान पहुंचाए। अगर आप भी अपने बालों को नेचुरली कलर करना चाहती हैं, तो इन हर्बल तरीकों को अपनाएं और बालों को खूबसूरत व सेहतमंद बनाएं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के 5 प्रभावी घरेलू उपाय और टिप्स!

ब्लैकहेड्स एक आम समस्या है, खासकर चेहरे पर, जो त्वचा की porosity और तेल उत्पादन के कारण होते हैं। ये तब बनते हैं जब रोमछिद्रों में जमा हुआ तेल, गंदगी, मृत त्वचा कोशिकाएं और बैक्टीरिया हवा के संपर्क में आकर काले हो जाते हैं। ब्लैकहेड्स आपकी त्वचा को बेजान बना देते हैं। ब्लैकहेड्स की समस्या को दूर करने के लिए कई उपाय हैं, जिनमें से कुछ आसान घरेलू उपचार भी हैं।

यहां कुछ प्रभावी टिप्स और घरेलू उपचार दिए गए हैं जिनसे आप ब्लैकहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं-

हल्दी और बेसन का फेस पैक

हल्दी और बेसन एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं।

1. (1) चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी और थोड़ी सी दही डालें।
2. इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने तक छोड़ दें।
3. सूखने के बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करता है और ब्लैकहेड्स को कम करने में मदद करता है।

अंडे का सफेद भाग और नींबू का रस मास्क

नींबू में सिट्रिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि अंडे का सफेद भाग त्वचा को हाइड्रेट करता है।

1. (1)अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच नींबू का रस
2. अंडे की सफेदी को सख्त होने तक फेंटें, उसमें नींबू का रस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने तक लगा रहने दें और फिर धीरे से छील लें।
3. नताशा ने कहा, ÷अंडे का सफेद भाग रोमछिद्रों को कसता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है, जबकि नींबू का रस त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।÷

स्टीम (भाप) लें

स्टीम लेने से त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाता है।

1. एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसका भाप चेहरे पर लें।

2. ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो, ताकि त्वचा जल न जाए।
3. स्टीम लेने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोकर रोमछिद्रों को बंद कर लें।

चीनी और शहद स्क्रब

चीनी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए एक बेहतरीन स्क्रब है, जबकि शहद त्वचा को मुलायम बनाता है और उसकी नमी बनाए रखता है।

1. 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच शहद मिलाकर एक स्क्रब तैयार करें।
2. इसे चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।
3. यह स्क्रब ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट है, जो ब्लैकहेड्स को रोकने में सहायक है।

1. (1-2) बूंदें टी ट्री ऑयल को एक कॉटन पैड पर डालें और उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं।
2. इसे रातभर छोड़ें और सुबह अपने चेहरे को धो लें। टी ट्री ऑयल त्वचा को साफ रखता है और ब्लैकहेड्स के निर्माण को रोकता है।

अतिरिक्त टिप्स

1. चेहरे को नियमित रूप से धोएं-दिन में दो बार फेसवॉश से चेहरे को धोने से अतिरिक्त तेल और गंदगी हट जाती है, जिससे ब्लैकहेड्स की संभावना कम होती है।
2. कॉमेडोजेनिक उत्पादों से बचें-ऐसे स्किनकेयर और मेकअप उत्पादों का उपयोग न करें जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं।
3. संतुलित आहार लें-खानपान में विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को शामिल करें, जैसे कि गाजर, टमाटर, मछली आदि, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाना समय और धैर्य की बात है। इन घरेलू उपचारों को नियमित रूप से अपनाकर आप ब्लैकहेड्स को कम कर सकते हैं और अपनी त्वचा को साफ और निखरा हुआ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़ जाए तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है

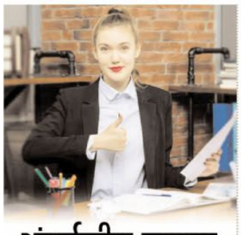

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार जगत में बनाएं कॅरियर

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी का काम व्यापार का विकास और दो देशों के बीच गुड्स एंड सर्विसेज के लेन-देन और गठजोड़ को बढ़ावा देना होता है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहें है उस पर ग्लोबलाइजेशन का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह भी देखना अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी अपने क्लाइंट्स को विदेशी व्यापारों की स्टेटिस्टिक्स, भविष्य के अनुमानों और व्यापार में निवेश के विषय में जानकारी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आज के ग्लोबलाइजेशन की दुनिया में सबसे प्रमुख उद्योगों में से एक बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रों के आर-पार पूंजी, माल और सेवाओं का आदान-प्रदान करना होता है। यह करियर अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग के अंतर्गत आता है और जिस भी कैंडिडेट को बैंकिंग फील्ड में रूचि है वह इस क्षेत्र में एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

नेचर ऑफ़वर्क - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी का काम व्यापार का विकास और दो देशों के बीच गुड्स एंड सर्विसेज के लेन-देन और गठजोड़ को बढ़ावा देना होता है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहें है उस पर ग्लोबलाइजेशन का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह भी देखना अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। एक व्यापार अधिकारी अपने नीचे काम रहे लोग जो व्यापार प्रक्रिया का निरिक्षण, जांच और लेखापरीक्षा करते हैं उनकी भी देख-रेख करता है और साथ ही असिस्टेंट ट्रेड कमिश्नर्स और बंदरगाह के डायरेक्टर्स के साथ काम करता है।

पाठ्यक्रम के बारे में - ग्लोबल पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस एक वर्ष का कोर्स है। इसके तहत बैंकिंग ऑपरेशंस, धन प्रबंधन, ट्रेड फाइनेंस, फोरेक्स, फाइनेंस एसएमई जैसे विषय पढ़ाया व सिखाया जाता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स कंप्यूटर की बेसिक जानकारी के साथ, व्यापार संचार और शेयर बाजार में किस तरह काम होता है उसका प्रशिक्षण दिया जाता है।

योग्यता - स्नातक और किसी भी स्ट्रीम से अंतिम वर्ष के छात्र बैंकिंग और फाइनेंस के कोर्स में आवेदन कर सकते हैं और इंटरनेशनल ट्रेड ऑफिसर बनने की राह में अपना पहला कदम रख सकते हैं। जिन विद्यार्थी के स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत है वह भीं इस कोर्स में आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

अवसर - इस कोर्स के पूरा होने के बाद कैंडिडेट बड़ी कंपनियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आयात और निर्यात के विभागों में एक ऑफिसर के पद के लिए आवेदन कर सकता है। कैंडिडेट विदेशी मंत्रालय में भी नौकरी के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। विदेशी भाषाओँ का ज्ञान होना जरुरी नही होता पर फिर भी अगर आपको आती है है तो ये आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

आमदनी - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रूचि रखने वाले लोग इसमें अपना अच्छा भविष्य बना सकते हैं। एक इंटरनेशनल ट्रेड ऑफिसर की न्यूमतम सैलरी 40 से 50 हजार होती है और तजुर्बे के साथ साथ जिसमे इजाफा होता रहता है।

सफल उद्यमी बनने के रास्ते
टेक्सटाइल डिजाइनर

काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं। चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी। बुनाई, रंगाई, प्रिंटिंग और कढाई जैसे कौशल से फैब्रिक को कई रूपों में गढ़ा जा सकता है। यही विविधता टेक्सटाइल डिजाइनरों को रोमांचित करती है।

कहां हैं केन्द्र

कॉरपोरेट ऑफिस और डिजाइनर स्टूडियो शहरों में स्थित हैं, लेकिन असल गतिविधियां तो करूर, पानीपत, कुन्नूर जैसे कस्बों में स्थित फैक्टरियों, हथकरघे और हस्तशिल्प केन्द्रों में हो रही हैं जहां परंपरागत शिल्प के अनुसार काम किया जाता है। होम फर्नीशिंग का कलेक्शन तैयार किया जाता है, वह विदेशों में लगातार बिकता है।

बनाएं करियर

एक टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम आपको डिजाइन के तकनीकी और रचनात्मक पहलुओं में प्रशिक्षित करेगा। एक प्रतिष्ठित संस्थान से टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम पास करने वाले उम्मीदवार को पहली ही नौकरी में 20,000 से 30,000 रूपए मासिक वेतन मिल सकता है। तो पोलिटेक्निक से कोर्स करने वाला छात्र एक्सपर्ट हाउस जैसे संस्थानों में 8,000 रुपए से शुरूआत कर सकते हैं। काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं। चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी।

फुलटाइम जॉब

टेक्सटाइल डिजाइन ग्रेजुएट्स, एक्सपोर्ट हाउस, बाइंग (खरीदार) हाउस, टेक्सटाइल मिल, हैंडलूम मिल में फुलटाइम नौकरी कर सकते हैं या फिर फैशन डिजाइनरों, डिजाइन स्टुडियो या बाइंग एजेंसी के लिए काम कर सकते हैं। हमें स्थानीय बाजार से फैब्रिक खरीदना पड़ता था, उसके अनुसार डिजाइन तैयार करने पडते हैं, कढाई करवानी पड़ती और कलेक्शन से मैच करते पैटर्न प्रिंट करने पडते, उसके बाद ही अच्छा उत्पाद तैयार हो पाता है।

कई एक्सपोर्ट हाउस अपने डिजाइनरों को भारत और विदेशों में डिजाइन ईवेंट्स और प्रदर्शनियों में जाने का भी अवसर देते हैं। घरेलू बाजार में टेक्सटाइल डिजाइनरों की मांग है ही, विदेशों में आउटसोर्सिंग के लिए डिजाइनरों की मांग बढ़ रही है।

कारीगरों से संपर्क भी जरूरी

कारीगरों के साथ काम टेक्सटाइल डिजाइनरों के काम का एक अन्य पहलू है। कलाकारों से संपर्क बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है इससे समस्या सुलझने वाले अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्हें बाजार संबंधी जानकारी देना आपका भी काम है। यदि आप चुनौतियां स्वीकार नहीं करते तो डिजाइन प्रोफेशन आपके लिए है ही नहीं।

कहां से करें कोर्स

टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स कक्षा 12 के बाद डिजाइन संस्थानों द्वारा करवाया जाने वाला चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कोर्स है। चयन प्रेक्टिकल स्टुडियो टेस्ट और इंटरव्यू के जरिए होता है, डिजाइन कैरियर में आपका एप्टीट्यूड, रूचि और मोटीवेशन का स्तर आंका जाता है। फैब्रिक, शिल्प या संबंधित पहलुओं का अनुभव जरूरी है। रचनात्मकता दर्शाने के लिए आपको पोर्टफोलियो भी तैयार करना पड़ सकता है। कोर्स में पहले साल बुनियादी डिजाइन कोर्स कराया जाता है, इसके अलावा छात्र स्पेशलाइजेशन के क्षेत्रों से परिचित होते हैं। पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट्स से जुडा होता है और टेक्सटाइल के सारे पहलू इसमें शामिल होते हैं, मसलन, वीविंग (बुनाई), प्रिंटिंग, रंगाई और विभिन्न उपयोगों के लिए फैब्रिक तैयार करना। स्टुडेंट्स एक्सचेंज प्रोग्राम भी समृद्ध अनुभव करवाने वाले होते हैं।

पीजी के लिए योग्यता

आपने किसी संबंधित स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया है, तो टेक्सटाइल का ज्ञान अर्जित करने के लिए पीजी कर सकते हैं। एनआईडी में पीजी प्रोग्राम के लिए योग्यताएं हैं-बीएफए, डिजाइन डिग्री इन टेक्सटाइल, निटवियर या फैशन, टेक्सटाइल्स के साथ होम साइंस, इंटीरियर डिजाइन एंड आर्किटेक्चर, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन वाली इंजीनियरिंग डिग्री कर चुके भी पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं। अन्य विषय में ग्रेजुएट्स को टेक्सटाइल्स उद्योग में एक साल का अनुभव है तो यह पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं।

और भी हैं रास्ते

आप टेक्सटाइल डिजाइन में स्पेशलाइजेशन के साथ बैचलर इन फाइन आर्ट्स भी कर सकते हैं, इस कोर्स का फोकस तकनीकी कौशल पर होता है। लेकिन डिजाइन संस्थानों और फाइन आर्ट्स कॉलेजों में सीटें सीमित होती हैं। एक अन्य रास्ता है, बीएससी इन होम साइंस जिसमें टेक्सटाइल भी एक विषय होता है। मिसाल के तौर पर लेडी इरविन कॉलेज बीएससी इन होम साइंस प्रोग्राम में फैब्रिक एंड एपेरल साइंस की भी पेशकश करता है। इसके अलावा फैब्रिक एंड एपेरल साइंस में एमएससी भी उपलब्ध है। दुर्भाग्य से होम साइंस कोर्स महिलाओं के लिए ही है। पोलिटेक्निक और क्राफ्ट्स इंस्टीट्यूट भी ऐसे प्रोग्राम की पेशकश करते हैं। कई डिजाइन और छोटे स्टुडियो इन संस्थानों से सहायकों का चयन करते हैं। नियुक्ति पार्ट टाइम या प्रोजेक्ट के आधार पर होती है। आप कोई भी रास्ता अपनाएं, रचनात्मकता, टेक्सटाइल के लिए जुनून और अधिक से अधिक सीखने की लगन आपको दूसरों से आगे ले जाएगी।

उद्यमी भी बन सकते हैं

टेक्सटाइल डिजाइनर बनने के बाद आपके लिए उद्यमी बनने के भी रास्ते खुले हैं। आप अपना डिजाइन स्टूडियो खोलकर डिजाइनरों की सेवाएं ले सकते हैं, और अंतर्राष्ट्रीय तथा भारतीय क्लाइंट्स की जरूरतें पूरी करने पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं। 20-25 लोगों की टीम के साथ उनकी कंपनी डिजाइन फैब्रिक और सॉफ्ट होम फर्नीशिंग पर ध्यान केन्द्रित करती है। हालांकि जब-तब उन्हें अपनी वेबसाइट के जरिए विदेशों से एक अनूठा प्रोजेक्ट भी हाथ लग जाता है। लम्बे समय तक विदेशी ट्रेंड और तकनीक की समझ होने की वजह से हमें यह समझ आ जाती है कि कौन से प्रिंट चल सकते हैं, कौन से नहीं। नवीनतम डिजाइनों से परिचित होने के अलावा सफल उद्यमी बनने के लिए मार्केटिंग और प्रबंधन में कुशल होना भी जरूरी है। एप्रोच बहुत जरूरी है। रचनात्मकता जो बाजार में प्रासांगिक हो और सांस्कृतिक विरासत, शिल्प या क्षेत्रीय पहचान को सामने ला सके, वह आपके लिए अधिक जरूरी है। उनके प्रोजेक्ट्स में घरेलू रिटेल स्टोर के लिए टेक्सटाइल डिजाइन तैयार करना और आर्किटेक्ट्स तथा इंटीरियर डिजाइनरों के साथ काम घरों के लिए होम फर्नीशिंग तैयार करना शामिल है।

मैनेजमेंट का मूलमंत्र है टीमवर्क

जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता, क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है। करियर बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है चूंकि इससे आप अपनी मनपसंदीदा करियर को चुनने में आसानी होने के साथ ही खाली बैठने के लिए आपके पास समय भी नहीं होगा।

खुद को परफेक्ट बनाएं

मौजूदा परिस्थिति में किताबी कीड़ा बनकर या डिग्रियों का ढेर लगाकर सफलता की कामना नहीं की जा सकती है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बढ़ाएं।

आत्मविश्वास बढ़ाना भी है जरूरी

जीवन के कुरुक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास जुड़ जाए तो करियर के कुरुक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बढ़े।

संपर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण

आज जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है, यहां जितनी जानकारी, जितनी सूचनाएं आपके पास होंगी करियर निर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। कूपमंडूकता छोड़ें, ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें उन्हें अपनी जानकारी दें, आपके जानने वालों का जंजाल जितना लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी।

नए जमाने की तकनीक अपनाएं

पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक का महत्त्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाता है, क्या कम्प्यूटर चलाना आता है? कम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान के बजाय थोड़ी ज्यादा दिलचस्पी दिखाएं, क्योंकि यही वह अलादीन का चिराग है, जो करियर निर्माण की हर मांग को पूरा कर सकता है। इससे पहले कि कोई नई तकनीक पुरानी हो जाए आप इसके उस्ताद बन जाएं। अपने ज्ञान को परिमार्जित करते रहें। भविष्य उसी का होता है, जो अपने को श्रेष्ठतम तरीके से अनुकूल रूप में ढाल लेता है।

परिवार का सहयोग आवश्यक

अकसर देखा गया है कि करियर निर्माण की चिंता में लोग घर परिवार को भूल जाते हैं। परेशानी और तकलीफ के वक्त परिवार ही काम आता है। इसलिए परिवार को पर्याप्त समय दें। पारिवारिक आमोद-प्रमोद से करियर की राह आसान हो जाती है तथा आप तनावमुक्त होकर करियर निर्माण की राह पर अग्रसर हो सकते हैं।

दूसरों से न करें अनमना व्यवहार

आपका संघर्ष, आपकी परेशानी नितांत निजी मामला है। इसका असर दूसरों के साथ अपने व्यवहार में न आने दें। जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता, क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है।

काम में ईमानदारी बरतें

झूठ ज्यादा देर टिकता नहीं है, अपने बारे में सही आकलन कर वास्तविक तस्वीर पेश करें। निष्ठापूर्ण व्यवहार की सभी कद्र करते हैं। अपने काम के प्रति आपकी ईमानदारी आपको करियर निर्माण में सर्वोच्च स्थान दिला सकती है। भूलें नहीं कि कार्य ही पूजा है।

ज्यादा महत्वाकांक्षी न बनें

प्रत्येक इनसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकसानदायक होती है, क्योंकि अति सर्वत्र वर्जयते। किसी करिश्मे की उम्मीद न करें सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप बोले- पूर्व सीनेटर पर्ड्यू चीन में अमेरिकी राजदूत होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व सीनेटर डेविड पर्ड्यू को चीन में अमेरिकी राजदूत के तौर पर चुना है। पर्ड्यू के पास 40 साल का अंतरराष्ट्रीय व्यापार का अनुभव है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अमेरिका के पूर्व सीनेटर डेविड पर्ड्यू को चीन का राजदूत नियुक्त करने पर खशी हो रही है। डेविड पर चीन और अमेरिका के संबंधों को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी होगी। उनके पास एशिया और चीन के मामलों की अच्छी समझ है। वह क्षेत्र में शांति बनाए रखने और चीन के नेताओं के साथ बढ़िया कारोबारी संबंध बनाने की मेरी रणनीति को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बता दें कि 2015 से 2021 तक सीनेट के सदस्य के तौर पर डेविड पर्ड्यू ने चीन के प्रति कड़ा रुख अपनाया था। रूस और यूक्रेन का हिंसक संघर्ष बीते 33 महीने से अधिक समय से जारी है। अब तक 10 लाख से अधिक लोगों के मारे जाने की बात सामने आ चुकी है। युद्धविराम की वैश्विक अपीलों के बीच ताजा घटनाक्रम में अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 988 मिलियन डॉलर के सुरक्षा सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज की मदद से यूक्रेन की सेना गोला-बारूद, रॉकेट सिस्टम, मानव रहित हवाई प्रणाली जैसी जरूरतें पूरी कर सकेगी। रक्षा मंत्रालय- पेंटागन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक रूसी आक्रमण के खिलाफ लड़ाई में जीतने के लिए अत्याधुनिक उपकरण आवश्यक हैं। सुरक्षा सहायता पैकेज के तहत यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल (यूएसएआई) के माध्यम से अतिरिक्त 988 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे।

अमेरिका के नेब्रास्का प्रांत में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नेब्रास्का प्रांत में 6 को दिसंबर को महात्मा गांधी स्मृति दिवस घोषित किया गया। यहां के लिंकन शहर में स्थित सरकारी कार्यालय स्टेट कैपिटल परिसर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। नेब्रास्का के गवर्नर जिम पिलेन ने शुक्रवार को 'स्टेट कैपिटल' परिसर स्थित अपने कार्यालय में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। यह सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास के क्षेत्राधिकार में आने वाले नौ राज्यों में से किसी राज्य के 'स्टेट कैपिटल' परिसर में स्थापित गांधी की पहली प्रतिमा है। वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि गर्वनर पिलेन ने छह दिसंबर को पूरे नेब्रास्का में महात्मा गांधी स्मृति दिवस के रूप में मनाए जाने की आधिकारिक घोषणा की। इसमें कहा गया कि शांति, अहिंसा और न्याय के वैश्विक प्रतीक गांधी ने सत्य और मानवीय गरिमा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता से दुनिया भर में अनेक लोगों और आंदोलनों को प्रेरणा दी है। यह प्रतिमा न केवल मानवता के लिए गांधी के योगदान के प्रति सम्मान को दर्शाती है, बल्कि नेब्रास्का के विविध समुदायों के बीच सांस्कृतिक समझ और एकता की भावना को भी बढ़ावा देती है।

नीदरलैंड के हेग में विस्फोट, मकानों के मलबे में दबे लोग

हेग, एजेंसी। नीदरलैंड के हेग शहर के एक इलाके में शनिवार को जबरदस्त विस्फोट हुआ। विस्फोट में आस-पास की कई इमारतें धराशायी हो गईं, जिनमें कई लोग दब गए तो सैकड़ों लोग घायल भी हुए हैं। आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि मलबे से चार लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अधिकारी स्पष्ट तौर पर यह नहीं बता पाए कि मलबे के नीचे अभी भी कितने लोग हो सकते हैं। घटनास्थल के आस-पास कई एम्बुलेंस देखी गईं।

नेपाल-चीन के बीच बीआरआई पर भारत को नुकसान नहीं : महासेठ

ढाका, एजेंसी। नेपाल में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री रघुबीर महासेठ ने कहा कि भारत को नेपाल और चीन द्वारा हस्ताक्षरित 'बेल्ट एंड रोड' समझौते पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए क्योंकि इस संपर्क परियोजना से नई दिल्ली को भी लाभ हो सकता है। नेपाल-चीन के बीच कई अरब डॉलर के बीआरआई' समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए गए।

भारत का यूपीआई मॉडल: डिजिटल वित्तीय समावेशन, आर्थिक विकास के लिए आदर्श

लंदन, एजेंसी।
भारत की सफलता को लेकर एक पेपर में यह बताया गया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत किया है। इस पेपर में यह सुझाव दिया गया है कि कैसे यह स्वदेशी फिनटेक समाधान सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ओपन बैंकिंग नीतियों को जोड़कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहा है। नवाचार को प्रोत्साहित कर रहा है और समग्र आर्थिक विकास को समान रूप से बढ़ावा दे रहा है।

इस पेपर का शीर्षक ओपन बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट्स- क्रेडिट एक्सेस पर प्रभाव है, जिसे शश्वत आलोक, पुलक घोष, निरुपमा कुलकर्णी और मंजू पुरी द्वारा लिखा गया है। पेपर में कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए हैं,

जिनमें सबसे प्रमुख यह है कि यूपीआई ने उन लोगों के लिए औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच संभव बनाई है, जो पहले वित्तीय सिस्टम से बाहर थे, जैसे कि नए-टू-क्रेडिट और सबप्राइम उधारकर्ता।

पेपर में यह भी कहा गया है कि जिन क्षेत्रों में यूपीआई का उपयोग अधिक है। वहां नए-टू-क्रेडिट उधारकर्ताओं को मिलने वाले ऋण में 4 प्रतिशत और सबप्राइम उधारकर्ताओं को मिलने वाले ऋण में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत का प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म बन चुका है। 2016 में इसकी शुरुआत के बाद से भारत में डिजिटल लेन-देन की संख्या लगातार बढ़ रही है। अक्टूबर 2023 तक भारत में सभी खुदरा डिजिटल भुगतान का 75 प्रतिशत यूपीआई के माध्यम से हो रहा था। इस प्लेटफॉर्म ने भारत में 300 मिलियन व्यक्तियों और 50 मिलियन व्यापारियों को डिजिटल लेन-देन में शामिल किया है। यूपीआई की सफलता में एक महत्वपूर्ण कारण इसका सस्ता और सुलभ डिजिटल प्रौद्योगिकी होना है, जिसके कारण यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में समान रूप से अपनाया गया है।

पेपर के अनुसार, यूपीआई लेन-देन में 10 प्रतिशत की वृद्धि होने पर क्रेडिट उपलब्धता में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इसका मतलब यह है कि यूपीआई द्वारा उत्पन्न डिजिटल वित्तीय इतिहास ने उधारदाताओं को उधारकर्ताओं का मूल्यांकन बेहतर तरीके से करने में मदद की, जिससे अधिक क्रेडिट दिया गया।

2015 से 2019 तक फिनटेक कंपनियों ने सबप्राइम उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण में तेजी से वृद्धि की और इन क्षेत्रों में फिनटेक कंपनियों की स्थिति बैंकों के समान हो गई। इस दौरान विशेष रूप से उच्च यूपीआई उपयोग वाले क्षेत्रों में फिनटेक कंपनियां तेजी से बढ़ी और बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने लगीं। ऋण में वृद्धि होने के बावजूद डिफॉल्ट दर में कोई वृद्धि नहीं देखी गई।

ब्रिटेन में तूफान का कहर, हजारों घरों में बिजली गुल, रेल सेवा बाधित, उड़ानें रद्द

लंदन, एजेंसी। तूफान दरांघ के कारण शनिवार को ब्रिटेन में हजारों घरों में बिजली गुल हो गई, रेल-हवाई यात्रा बाधित हुई और खेल कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नेशनल ग्रिड ने बताया कि लगभग 60,000 परिसरों में बिजली नहीं थी, जिनमें वेल्स में 35,000 से अधिक और दक्षिण-पश्चिम में 19,000 से अधिक परिसर शामिल हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्डिफ एयरपोर्ट ने शनिवार दोपहर तक अपना रनवे बंद कर दिया। लिवरपूल और मैनचेस्टर जैसे अन्य एयरपोर्ट पर उड़ानें पूरे दिन रद्द रहीं या देरी से चलीं। नेशनल रेल ने कहा कि तूफान के कारण भारी बारिश और हवा की वजह से महत्वपूर्ण व्यवधान आने की आशंका है, जिससे पूरे वीकेंड में इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड में सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है। शनिवार को होने वाले एवर्टन और लिवरपूल के बीच मर्सीसाइड डर्बी सहित खेल आयोजनों को खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण सुरक्षा कारणों से स्थगित या रद्द कर दिया गया। मौसम विभाग ने हवा के लिए दुर्लभ रेड वार्निंग जारी की, जो शनिवार दोपहर तक दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड और वेल्स में प्रभावी रही। देश के अन्य हिस्सों में भी हवा और बारिश के लिए कई एम्बर और येलो वार्निंग जारी की गईं। इस बीच, 100 से अधिक बाढ़ चेतावनियां और अलर्ट भी जारी किए गए हैं। आयरलैंड में, लगभग 4,00,000 घरों, दुकानों और ऑफिस में बिजली नहीं रही, कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। मौसम के चौथे तूफान, दरांघ के परिणामस्वरूप रेल सेवाएं बाधित हुईं।

पाकिस्तान में राजेंद्र मेघवार ने रचा इतिहास; सीएसएस पास कर बने देश के पहले हिंदू पुलिस अधिकारी

सिंध , एजेंसी। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की खबरें तो अक्सर आती रहती हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसी खबर आई है जिसने हिंदू अल्पसंख्यकों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। दरअसल, सिंध प्रांत के ग्रामीण और अविकसित बदीन इलाके के राजेंद्र मेघवार पाकिस्तान में इतिहास रच दिया है। वे पाकिस्तान के पहले हिंदू पुलिस अधिकारी बन गए हैं।

सिविल सेवा प्राधिकरण परीक्षा सीएसएस को सफलतापूर्वक पास करने के बाद मेघवार को पाकिस्तान पुलिस सेवा (पीएसपी) के फैसलाबाद में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के कृष्ण शर्मा ने उनकी सराहना करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि राजेंद्र ने न केवल अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, बल्कि समुदाय को भी गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि समुदाय के अन्य युवाओं को उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।

राजेंद्र मेघवार के पास अल्पसंख्यक समुदाय की मदद का मौका

सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में काम करते हुए राजेंद्र मेघवार के पास हिंदू अल्पसंख्यकों की मदद का भी मौका है। फैसलाबाद के पुलिस अधिकारियों भी इसे गर्वीला मौका मान रहे हैं। उनका कहना है कि फोर्स में राजेंद्र मेघवार की नियुक्ति से न केवल कानून-व्यवस्था में सुधार होगा, साथ ही साथ अल्पसंख्यक समुदायों की परेशानी भी आसानी से दूर हो सकेगी। इससे पुलिस में आम जनता का भी भरोसा बढ़ेगा।

राजेंद्र मेघवार के अलावा, पांच अन्य हिंदू छात्रों ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इनके नाम रूप मती मेघवार, पूजा ओड, सुनील मेघवार, जीवन रिबारी और भीष्म मेघवार हैं। इन्होंने प्रतिष्ठित सेंट्रल सुपीरियर सर्विसेज (सीएसएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर पाकिस्तान में प्रशासनिक और नौकरशाही में बड़े पद हासिल किए हैं। रूपमती विदेश मंत्रालय में काम करना चाहती हैं। पहली बार पाकिस्तान के सिंध प्रांत की किसी हिंदू लड़की के रूप में पुष्पा कोहली की नियुक्ति हुई थी। प्रांतीय प्रतियोगी परीक्षा पास करने के बाद उन्हें असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर का पद मिला था। उससे पहले, पाकिस्तानी हिंदू समुदाय की सुमन पवन भोदानी को सिविल और न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था।

अमेरिका में टिकटॉक पर बैन लगभग तय, फेडरल कोर्ट ने पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने को कहा

भारत में 2020 से प्रतिबंधित है ऐप

वाशिंगटन, एजेंसी। चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक पर अमेरिका में बैन लगना लगभग तय हो गया है। कोर्ट ने टिकटॉक को 19 जनवरी तक अपनी पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने के लिए कहा है, नहीं तो ऐप को अमेरिका में बैन कर दिया जाएगा। यूएस की एक फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को ऐप की फ्री स्पीच वाली अपील को खारिज कर दिया है। तीन जजों की बेंच ने सुनवाई करते हुए बाइटडांस के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका का कोई भी कानून किसी भी तरह फ्री स्पीच को नहीं रोकता है।

न्यायाधीश डगलस गिन्सबर्ग ने फैसले में लिखा- अमेरिका में फ्री स्पीच की रक्षा करने के लिए पहला संविधान संशोधन मौजूद है। सरकार ने दुश्मन देश से फ्री स्पीच की रक्षा की है। अमेरिका ने विरोधी देश को अमेरिकी लोगों का डेटा इकट्ठा करने से रोका है। भारत सरकार जून-2020 में और ब्रिटेन सरकार मार्च-2023 में चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप को बैन कर चुकी है। इसके अलावा पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान सहित करीब 50 देशों ने भी टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा रखा है।

क्या हैं विकल्प? सुप्रीम कोर्ट जा सकती हैं कंपनियां - बाइटडांस और टिकटॉक सुप्रीम कोर्ट में फैसले को चुनौती दे सकती हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अदालत इस मामले को उठाएगी या नहीं। कंपनियों ने मामले को हायर कोर्ट में ले जाने के इरादे की पुष्टि कर चुकी हैं, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास अमेरिकियों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने का एक स्थापित ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

अगर 19 जनवरी को टिकटॉक पर बैन लगता है तो इसे रोका जा सकता है। क्योंकि, 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेंगे और माना जा रहा है कि ट्रंप टिकटॉक के बैन का विरोध कर सकते हैं। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान टिकटॉक के बचाव की बात कही थी। हालांकि ऐसा करना कानूनी तौर पर संभव नहीं माना जा रहा है। एक विकल्प यह है कि ट्रंप इस कानून को वापस लेने के लिए कांग्रेस को भी कह सकते हैं, जिसमें रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन चाहिए होगा। टिकटॉक ने 2022 में बाइडेन प्रशासन के सामने एक समझौते का प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन प्रशासन का मानना है कि इसके पालन में तकनीकी चुनौतियां हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का रुख नई जानकारियां मिलने के बाद बदल भी सकता है।

यूक्रेन को हथियारों के लिए लगभग एक अरब डॉलर की और मदद देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने के लिए लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर की और सहायता दी जाएगी। माना जा रहा है ऐसा इसीलिए किया गया कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले माह पदभार संभालने से पहले बाइडन प्रशासन कीव को मजबूत करने के लिए कांग्रेस (संसद) द्वारा स्वीकृत पूरी धनराशि को खर्च करना चाहता है। नवीनतम राहत में 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम या एचआईएमएआरएस के लिए

ड्रोन और गोला-बारूद मुहैया कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन को इन हथियारों की फिलहाल बहुत जरूरत है जिन्हें 'यूक्रेन सिक्योरिटी अस्सिस्टेंस इनिशिएटिव के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल के जरिए जो हथियार मुहैया कराए जाते हैं वह यूक्रेनी सेना की भविष्य की क्षमता को बढ़ाने के लिए होते हैं न कि युद्ध के मौदान में तत्काल परिवर्तन लाने के लिए।

अमेरिका की ओर से 98.8 करोड़ डॉलर का यह पैकेज गत सोमवार को घोषित 72.5 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता से अलग है। फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद से अमेरिका यूक्रेन को 62 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता उपलब्ध करा चुका है। ऑस्टिन ने कहा, ''यह सहायता मुहैया कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या ट्रंप यूक्रेन को सैन्य समर्थन जारी रखेंगे, इस पर ऑस्टिन ने कहा, ''इस प्रशासन ने मदद का फैसला अपनी मर्जी से लिया। अगला प्रशासन आगे की मदद पर फैसला खुद लेगा।

पेरिस के आर्कबिशप की दस्तकों के बाद खुला ऐतिहासिक चर्च; 2019 अग्निकांड के बाद हुआ था बंद

पेरिस , एजेंसी। नोट्रे डेम कैथेड्रल को आज फिर से जनता के लिए खोला गया। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के बहाली और पुनर्निर्माण के बाद आधिकारिक उद्घाटन से पहले, इस ऐतिहासिक स्थल की झलक पेश की गई। 900 साल पुरानी इस इमारत के पुनर्निर्माण में हजारों वास्तुकारों और कारीगरों ने काम किया। नोट्रे डेम के उद्घाटन में कई देशों के प्रमुख और प्रमुख गणमान्य लोग शामिल होंगे, जिनमें नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूके के प्रिंस विलियम आदि भी शामिल हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नोट्रे डेम कैथेड्रल को बचाने, मदद करने और पुनर्निर्माण करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस के आर्कबिशप लॉरेंट उलरिच ने नोट्रे डेम के दरवाजे पर तीन बार दस्तक दी, जो आधिकारिक तौर पर कैथेड्रल के फिर से खुलने का प्रतीक है। लगभग पांच साल पहले, फ्रांस के प्रसिद्ध नोट्रे डेम कैथेड्रल में भीषण आग लगी थी। अप्रैल 2019 में लगी आग ने छत का अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया था। 12वीं शताब्दी की गॉथिक शैली की कृति का शिखर गिर गया था। इस आग के पीछे का कारण शॉर्ट सर्किट माना गया था। साथ ही आग को बुझाने में लगभग 400 फायर फाइटर्स को 15 घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। शिखर के अलावा, कैथेड्रल के अंदर कुछ अवशेष और कला भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, हालांकि, घंटाघर और अग्रभाग सुरक्षित रहे। उसी साल, 1803 के बाद पहली बार कैथेड्रल में क्रिसमस मास का आयोजन नहीं हुआ था।

राष्ट्रपति मैक्रों ने पांच साल में फिर से चर्च बहाली का वादा किया था राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक भावनात्मक भाषण में पांच साल के भीतर कैथेड्रल को फिर से बहाल करने का वादा किया था। अब, 2,055 दिन और 800 मिलियन डॉलर के खर्च के बाद पुनर्निर्माण पूरा हो गया है, हालांकि कैथेड्रल के बाहरी हिस्से पर काम अभी भी जारी है। कैथेड्रल की बाहरी मूर्तियों, जिनमें प्रसिद्ध गार्गॉयल्स और चिमेरास भी शामिल हैं, को कंप्यूटर से स्कैन किया गया और फिर चूना पत्थर से फिर से बनाया गया। करीब 2,000 शिल्पकार, वास्तुकार और अन्य पेशेवरों ने इस नवीकरण कार्य में हिस्सा लिया। इसमें छत की मरम्मत, नए पत्थर का काम, 17वीं शताब्दी के तेल चित्रों की बहाली और क्षतिग्रस्त खिड़कियों का नवीनीकरण शामिल था। छत की पुनर्निर्माण के लिए लगभग 2,000 ओक के पेड़ों का इस्तेमाल किया गया। अब, भविष्य में आग लगने की स्थिति में पानी की बूंदों को छोड़ने के लिए पाइपों की एक प्रणाली बनाई गई है। सबसे कठिन काम उस धूल और गंदगी को साफ करना था जो सदियों से इमारत पर जमा हो गई थी। करीब 40,000 वर्ग मीटर पत्थर को साफ किया गया।

पेरिस में ट्रंप का भव्य स्वागत, मैक्रों-जेलेंस्की से मुलाकात; संबंधों को पटरी पर लाने की कवायद

पेरिस, एजेंसी।
अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों के साथ उनकी मुलाकात से ऐसा लगता है जैसे दुनिया इस समय थोड़ी बेचैन हो रही है। ट्रंप ने कहा कि हम इसके बारे में बात करेंगे। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद अपने पहले विदेशी दौरे पर ट्रंप फ्रांस पहुंचे, जहां मैक्रों ने उनका भव्य स्वागत किया।

फ्रांस में ट्रंप की यात्रा 2019 में विनाशकारी आग के पांच साल बाद नोट्रे डेम कैथेड्रल को फिर से खोलने के वैश्विक उत्सव का हिस्सा है। कैथेड्रल समारोह में शामिल होने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पैलेस पहुंचे। अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को एलिसी पैलेस में भव्य स्वागत किया। इस दौरान मैक्रों ने ट्रंप से कई बार हाथ मिलाए। ट्रंप ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि हमारी मुलाकात से दुनिया थोड़ी हिली हुई है और इस बारे में हम बात करेंगे। ट्रंप ने अपने शानदार स्वागत के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति

का धन्यवाद दिया। दरअसल ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों नेताओं के बीच रहे तनाव के बावजूद उन्होंने मैक्रों से अपने रिश्ते की तारीफ की और कहा कि सभी जानते हैं कि हमारे बीच शानदार रिश्ते हैं। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के प्रधानमंत्री वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात की। उन्होंने जेलेंस्की को रूस-यूक्रेन युद्ध को शीघ्र समाप्त करवाने का वादा किया। राष्ट्रपति मैक्रों के कार्यालय ने कहा कि मैक्रों-ट्रंप-जेलेंस्की मुलाकात के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध के अलावा पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर भी बातचीत हुई। विशेषज्ञों के अनुसार जेलेंस्की की यह यात्रा ट्रंप को रूस के आक्रमण के विरुद्ध यूक्रेन को दी जा रही मदद जारी रखने के लिए राजी करने का प्रयास है। दरअसल, ट्रंप और मैक्रों के संबंध उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। पिछले महीने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराकर ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से मैक्रों उनके साथ रिश्ते बेहतर बनाने पर जोर दे रहे हैं। फ्रांस में ट्रंप को एक 'मित्र राष्ट्र' के नव निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में आमंत्रित किया गया है। जैसे ही ट्रंप फ्रांसीसी राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास पर पहुंचे, मैक्रों ने घनिष्ठ संबंधों की छवि पेश करने के लिए कई बार हाथ मिलाया और पीठ थपथपाई। ट्रंप ने कहा कि यह एक बड़ा सम्मान है। डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा विभाग के प्रमुख के तौर पर रॉडने स्कॉट तथा आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के प्रमुख पद के लिए कैलेब विटेलो को नामित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा, स्कॉट आव्रजन के कठोर नियमों के मुखर समर्थक हैं। जबकि विटेलो हाल में आग्नेयास्त्र और सामरिक कार्यक्रमों के सहायक निदेशक रहे हैं। इनके अलावा ट्रंप ने आव्रजन संबंधी टीम में गृह सुरक्षा विभाग के प्रमुख के रूप में साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम, पूर्व कार्यवाहक आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन प्रमुख टॉम होमन को 'बॉर्डर जार' और कठोर आव्रजन नीतियों के कट्टर समर्थक स्टीफन मिलर को 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' के रूप में नामित किया है।

चीन ने ताइवान के पास 14 युद्धपोत, 7 सैन्य विमान एवं चार गुब्बारे भेजे, ताइवान ने लगाया आरोप

ताइपे, एजेंसी। चीन ने ताइवान पर अपने दावों को लेकर दबाव बनाने की रणनीति के तहत द्वीप के निकट 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चीन ने ऐसे समय में ये सैन्य गतिविधियां की हैं जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अमेरिका समेत प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों की हालिया यात्रा के जवाब में बीजिंग द्वीप के आसपास सैन्य अभ्यास कर सकता है। चीन दो करोड़ 30 लाख लोगों की आबादी वाले स्वशासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और ताइवान के साथ अन्य देशों के औपचारिक संबंधों पर आपत्ति जताता है। अमेरिका समेत अधिकतर देश ताइवान को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देते लेकिन अमेरिका अनौपचारिक तौर पर ताइवान का प्रमुख समर्थक है और इसे हथियार बेचता है। चीन सरकार ने आवश्यकता पड़ने पर सैन्य बल के माध्यम से ताइवान पर कब्जा करने का संकल्प लिया है तथा वह लगभग हर रोज द्वीप के निकट अपने पोत और सैन्य विमान भेजता है।

अफरीदी ने भारत में होने वाले मैचों के बहिष्कार करने को कहा,

पीसीबी से बोले- आत्मनिर्भर बनना होगा

कराची (एजेंसी)। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सलाह दी है कि जब तक भारत अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने पर सहमत नहीं हो जाता तब तक वह आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंट सहित किसी भी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम को भारत भेजने से परहेज करे। कराची कला परिषद में आयोजित उर्दू सम्मेलन में अफरीदी ने पीसीबी से भारत के साथ क्रिकेट संबंधों पर कड़ा रुख अपनाने की वकालत करने हुए कहा कि पाकिस्तान को मजबूत निर्णय लेने के लिए आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत और आत्मनिर्भर होने के साथ सैद्धांतिक फैसले लेने चाहिए। भारत अगर पाकिस्तान में आकर नहीं खेल सकता है तो हमारे लिए भारत में जाकर खेलने का कोई कारण नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी-मार्च के बीच पाकिस्तान में होने वाली है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल' में कराने की मांग की है जिससे उसे अपने मैच तटस्थ स्थान पर खेलने की अनुमति मिल सके। अफरीदी ने कहा कि आईसीसी को भी अब यह तय करना है कि क्या वह सिर्फ पैसा कमाना चाहता है या प्रत्येक सदस्य देश को क्रिकेट खेलने का मौका सुनिश्चित कर के अपनी जिम्मेदारी निभाएगा।

स्टार्क ने बताया दूसरे टेस्ट में जीत का मंत्र

कहा- पर्थ की निराशा को वहीं छोड़ दिया था

एडिलेड (एजेंसी)। भारत के खिलाफ गुलाबी गेंद टेस्ट मैच में जीत के नायकों में से एक ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने रविवार को कहा कि उनकी टीम ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में अपनी बड़ी हार की निराशा को पर्थ में ही छोड़ने के साथ 'बाहरी शोर (आलोचना)' पर ध्यान नहीं दिया। पांच मैचों की श्रृंखला में पर्थ में खेले गये शुरुआती टेस्ट भारत को पहली पारी में सिर्फ 150 रन पर आउट करने के बावजूद 295 रन की शर्मनाक हार से मेजबान टीम को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। गुलाबी गेंद से अपने दबदबे को बरकरार रखते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क ने दूसरे टेस्ट की पहली ही गेंद पर पर्थ के शतकवीर यशस्वी जयसवाल को आउट करके ऑस्ट्रेलिया को स्वप्निल शुरुआत दिलायी। उन्होंने इस मैच में 108 रन पर आठ विकेट झटक कर शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने छह विकेट के साथ भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। स्टार्क ने मैच के बाद कहा, 'उस मैच के बाद बाहर काफी शोर (आलोचना) था लेकिन हमने पर्थ (की निराशा) को पर्थ में ही छोड़ दिया था।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसका भारत, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में खेले गए दूधिया रोशनी में दूसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में भारत को शानदार अंदाज में हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में शीर्ष पर वापसी कर ली है। इस चक्र में अपनी नौवीं जीत के साथ, पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम ने अपने पीसीटी में सुधार करके 60.71 कर लिया और तालिका में दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों को पीछे छोड़ दिया। दूसरी ओर, भारत को 2023-25 चक्र में दसवें उलटफेर का सामना करना पड़ा और उसका पीसीटी गिरकर 57.29 पर आ गया, जिससे वह तीसरे स्थान पर खिसक गया। दक्षिण अफ्रीका इस समय श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट में मजबूत स्थिति में है और जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच सकता है।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके। स्टॉर्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद भारत तीसरे स्थान पर आया

- डब्ल्यूटीसी प्वाइंट टेबल में गंवाया पहला स्थान

एडिलेड में रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुलाबी गेंद के टेस्ट में भारत की 10 विकेट की हार ने उसे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। अगले साल जून में लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल के लिए अभी तक फाइनल में पहुंचने वाली टीमों से पर्दा नहीं उठा है और ऐसे में भारत का तीसरे स्थान पर आना बड़ा झटका है क्योंकि पहले दो स्थानों पर रहने वाली टीमों के बीच फाइनल मुकाबला होगा। 2023-25 ??चक्र के लिए दक्षिण अफ्रीका (पीसीटी 59.26) इस दौड़ में भारत (पीसीटी 57.29) से आगे निकल गया है और अब दूसरे नंबर पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (पीसीटी 60.71) पहले स्थान पर है। एडिलेड टेस्ट की शुरुआत से पहले तालिका में शीर्ष पर रहने वाला भारत दो पायदान नीचे खिसककर तीसरे स्थान पर आ गया है।

रोहन बोपन्ना के खिलाफ खेलना आसान नहीं: सुमित नागल

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टेनिस सनसनी सुमित नागल टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीज़न 6 में स्टैंड-आउट खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। नागल पुरुष एकल और युगल वर्ग में गुजरात पैंथर्स के लिए खेल रहे हैं।गुजरात पैंथर्स ने सेमी फाइनल चरण में जगह बना ली है और नागल अपनी टीम के शिविर में ऊर्जा से उत्साहित हैं।उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, यह एक सुंदर वातावरण है। हर कोई बहुत अच्छा है और हमेशा हमारे लिए मौजूद है। मैंने इन दो सीज़न में गुजरात पैंथर्स के लिए खेलने का आनंद लिया है। लीग के पहले मैच के दिन गुजरात पैंथर्स का सामना राजस्थान रेंजर्स से हुआ, जिसमें नागल ने पुरुष युगल वर्ग में भारतीय टेनिस दिग्गज रोहन बोपन्ना से मुकाबला किया और मुकाबला हार गए। मैच पर नागल ने कहा, किसी ऐसे व्यक्ति (बोपन्ना) के साथ खेलना आसान नहीं है जिसने स्लैम जीता हो। दिन के अंत में, यहां रहना और ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना मजेदार है। टेनिस प्रीमियर लीग हर सीज़न में खेले जाने वाले टेनिस के पैमाने, प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता के मामले में बढ़ रहा है।टीपीएल में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, नागल ने कहा, यह बहुत अच्छा रहा है। यदि आप इस वर्ष खिलाड़ियों की गुणवत्ता को देखें। आप देख सकते हैं कि पहले से एक बड़ा अंतर है। अंत में, अपने भविष्य के लक्ष्यों और अपने आगे के करियर पर, नागल ने कहा, मेरा लक्ष्य अगले साल शीर्ष 50 एटीपी रैंकिंग हासिल करना है और मैं वहां रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

इंग्लैंड 5 लाख रन बनाने वाली पहली टीम, भारत लिस्ट में किस स्थान पर

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम टेस्ट फॉर्मेट में 5 लाख रन पूरे करने वाली पहली टीम बन गई है। वह 147 साल के टेस्ट इतिहास में 1082 मैचों में 717 खिलाड़ियों के साथ इस आंकड़े तक पहुंचे। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट की दूसरी पारी के 51वें ओवर में इंग्लिश बल्लेबाज हैरी बुक ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओ रुरकी की गेंद पर टीम के लिए माइलस्टोन रन पूरा किया। इंग्लैंड को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग बल्लेबाजों ने कुल 18954 टेस्ट पारियां खेली। इसमें दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है जिसने 868 मैच में 429011 रन बनाए हैं। वहीं भारतीय टीम कुल 586 टेस्ट मैचों में 278870 रन बनाकर तीसरे नंबर पर है। इंग्लैंड के नाम टेस्ट इतिहास के सर्वाधिक 929 शतक भी हैं।

अटकिंसन की हैट्रिक, चार अर्धशतक

पहली पारी में 280 रन पर ऑलआउट होने के बाद इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की पहली पारी 125 रन पर समेट दी। दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने पारी 86/5 के स्कोर से आगे बढ़ाई थी, लेकिन तेज गेंदबाज गम अटक्रियसन ने 125 के स्कोर पर नाथन स्मिथ, मैट हेनरी और टिम साउदी के विकेट लगातार गेंदों पर झटककर पारी को समेट दिया। वे इस मैदान पर हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बने।

उन्होंने पारी में चायडन कारों के साथ 4-4 विकेट बांटे। 155 रन की बढ़त के बाद इंग्लैंड ने दूसरी पारी में जैक क्राउली (8) का विकेट 1 के टीम स्कोर पर खो दिया, लेकिन जैकब बेथेल (96) ने बेन डकेट (92) के साथ दूसरे विकेट के लिए 187 रन जोड़कर बड़े स्कोर की नीच रखी। चुक (55) और जो रूट (73) ने भी अर्धशतक जमाए और पारी को 350 पार पहुंचा दिया। इंग्लैंड अभी 4.97 रन प्रति ओवर की रफ्तार से बल्लेबाजी कर रहा है।

अब न्यूजीलैंड के लिए जीत आसान नहीं: दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने मुकाबले में 533 रन की विशाल बढ़त बना ली थी। अब अगर न्यूजीलैंड को यह मैच जीतना है जो कम से कम 534 रन बनाने होंगे, जो टेस्ट फॉर्मेट का रिकॉर्ड चेज होगा। टेस्ट में कभी 418 रन से ज्यादा चेज नहीं हुए हैं।

आस्ट्रेलिया-भारत टेस्ट मैच

रोहित ने किया बुमराह बचाव, कहा- अन्य गेंदबाजों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के दिन-रात्रि दूसरे टेस्ट मैच को गंवाने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि जसप्रीत बुमराह भी इंसान है और हमेशा अपने दम पर पूरी गेंदबाजी का भार नहीं उठा सकते हैं। रोहित ने बुमराह का साथ देने के लिए टीम के अन्य गेंदबाजों से अपना स्तर ऊंचा करने को कहा। भारत दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से हार गया। बुमराह ने इस दौरान आस्ट्रेलिया की पहली पारी में चार विकेट लिए।

रोहित ने मैच के बाद कहा, 'जसप्रीत बुमराह अकेले जिम्मेदारी नहीं ले सकते। आप उससे दोनों छोर से गेंदबाजी करने की उम्मीद नहीं कर सकते। अन्य गेंदबाजों को भी आगे आकर जिम्मेदारी साझा करने की जरूरत है क्योंकि ऐसे भी दिन आएंगे जब बुमराह को विकेट नहीं मिलेंगे। युवा हर्षित राणा ने 16 ओवर में 86 रन लुटाए, लेकिन कप्तान एडिलेड में मिली बड़ी हार के बाद इस महज दो टेस्ट खेलने वाले इस गेंदबाज का बचाव किया।

रोहित ने दिल्ली के इस गेंदबाज के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हर्षित राणा को एक टेस्ट मैच के आधार पर आंकना सही नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि उसने कुछ गलत किया है और उसे बिना किसी कारण के बाहर करना अच्छा नहीं लगेगा। उनके (ऑस्ट्रेलिया) पास एक अच्छा खिलाड़ी (ट्रैविस हेड) है जो उस पर

दबाव बनाने में सफल रहा। राणा के मजबूत जज्बे वाला खिलाड़ी है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजी की कलई खुलने के बाद टीम में जल्द से जल्द मोहम्मद शमी की वापसी की मांग उठ रही है लेकिन रोहित ने कहा कि बंगाल के तेज गेंदबाज के घुटने में फिर से सूजन आ गई है। उन्होंने कहा, 'शमी के लिए टीम के दरवाजे खुले है लेकिन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए फिर से उनके घुटने में सूजन आ गई है। हम उस पर नजर रख रहे हैं और हम उस पर वापसी के लिए कोई दबाव नहीं डालना चाहते हैं। भारतीय कप्तान पर शमी को टीम में शामिल करने का दबाव है लेकिन उनकी हाव-भाव से लगा कि इस तेज गेंदबाजी की वापसी में अभी समय लग सकता है। रोहित हेड और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बीच हुई नोकझोंक को ज्यादा तवज्जो देने से बचते दिखे। हेड को आउट करने के बाद सिराज की उनसे कहा सुनी हुई थी। हेड ने बाद में दावा किया कि उन्होंने सिराज से कहा, 'अच्छी गेंदबाजी की' लेकिन भारतीय गेंदबाज ने उनकी इस बात को झूठ करार दिया।

इस वजह से हमें मैच से हाथ धोना पड़ा: रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे मैच में हार के बाद कहा कि यह सप्ताह हमारे लिए निराशाजनक रहा, पर्याप्त रूप से अच्छा नहीं खेले। रोहित शर्मा ने कहा, हमारे लिए निराशाजनक सप्ताह रहा, हम खेल जीतने के लिए पर्याप्त रूप से अच्छा नहीं खेले और ऑस्ट्रेलिया ने हमसे बेहतर खेला। खेल में कई बार ऐसे मौके आए जब हम उन मौकों का फायदा उठा सकते थे लेकिन हम ऐसा करने में विफल रहे और इस वजह से हमें खेल से हाथ धोना पड़ा। हमने पर्थ में जो किया वह बहुत खास था, हम यहां आकर फिर से ऐसा करना चाहते थे लेकिन हर टेस्ट मैच की अपनी चुनौती होती है। हमें पता था कि गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होगा।भारतीय कप्तान ने आगे कहा, जैसा कि मैंने कहा, ऑस्ट्रेलिया हमसे बेहतर था। हम इसके (गाबा टेस्ट) लिए काफी उत्सुक हैं, बीच में भी ज्यादा समय नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले गए दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 19 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने बिना कोई विकेट गंवाए आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गई है। सीरीज का पहला टेस्ट भारतीय टीम ने 295 रन से अपने नाम किया था।

मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 180 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रनों की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 175 रन बनाए और 18 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह मेजबान टीम को 19 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना कोई नुकसान के जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाजी उस्मान ख्वाजा नौ रन और नाथन मैकस्वीनी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जाएगा।

भारत की दूसरी पारी: भारतीय टीम ने रविवार को पांच विकेट पर 128 रन से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन के पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। ऋषभ पंत स्लिप में कैच आउट हो गए।

पुरुषों के बाद महिला टीम भी हारी, ऑस्ट्रेलिया ने 122 रन से दी करारी शिकस्त

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से करारी हार के बाद जॉर्जिया वोल और एलिसे पैरी के शतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे महिला एकदिवसीय मैच में भारत को 122 रन से हरा दिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। अपना दूसरा एकदिवसीय खेल रही युवा बल्लेबाज वोल महज 87 गेंद में 101 रन की पारी के साथ करियर का पहला शतक जड़ने में सफल रही जबकि पैरी ने 75 गेंद में 105 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों पर दबदबा कायम किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी का फैसला कर आठ विकेट पर 371 रन बनाये जो भारत के खिलाफ उसका सबसे बड़ा स्कोर है। टीम ने इसके बाद भारत की पारी को 45.5 ओवर में 249 रन पर समेट कर आसान जीत दर्ज की। मैच के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, ' हमें बीच-बीच में कुछ साझेदारियां बनाने में सफल रहे। इस मैच में हमारी मानसिकता सकारात्मक थी, लेकिन हम पीछे रह गए। उन्होंने कहा, 'हमने कुछ मौके बनाए लेकिन उनका फायदा नहीं उठा सके। हमें शानदार बल्लेबाजी के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय देना चाहिये। हमें अपनी योजनाओं के बारे में सोचने की जरूरत है कि हम अगले मैच में कैसी गेंदबाजी करेंगे। हमें पूरे 50 ओवर बल्लेबाजी करने की जरूरत है।

फोबे लिचफील्ड (60) और वोल की सलामी जोड़ी ने 130 रन की साझेदारी के साथ ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलायी। वोल ने इसके बाद दूसरे विकेट के लिए पैरी के साथ 92 रनों की साझेदारी की। वोल ने अपनी पारी में 12 चौके लगाये जबकि पैरी ने छह छक्के और सात चौके जड़े। वोल के आउट होने के बाद पैरी ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और बेथ मूनी (56) के साथ

मिलकर 98 रनों की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजों को वापसी का मौका नहीं दिया। भारतीय गेंदबाजों में साइमा ठाकोर सबसे सफल रही। उन्होंने 62 रन देकर तीन विकेट लिए। मिन्नू मनी ने 71 रन देकर दो विकेट जबकि रेणुका सिंह (78 रन पर एक विकेट), दीप्ति शर्मा (59 रन पर एक विकेट), और प्रिया मिश्रा (88 रन पर एक विकट) को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मैच में कभी मजबूत स्थिति मे नहीं दिखी। पारी का आगाज करने उतरी रिचा घोष ने 72 गेंद में 54 रन बनाये। स्मृति मंधाना (नौ) और हरलीन देयोल (12) के सस्ते में आउट होने से टीम 11 ओवर में दो विकेट पर 45 रन ही बना सकी। रिचा और हरमनप्रीत (38) ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 69 गेंद में 66 रन की साझेदारी के साथ मैच में भारत की वापसी की कोशिश की लेकिन अलाना किंग (25 रन पर एक विकेट) ने रिचा को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया।